THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 206 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.14 2080 शुक्रवार, 13 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

625L तक बूट स्पेस

20.32 cm टचस्क्रीन
mediaNAV इवोल्यूशन

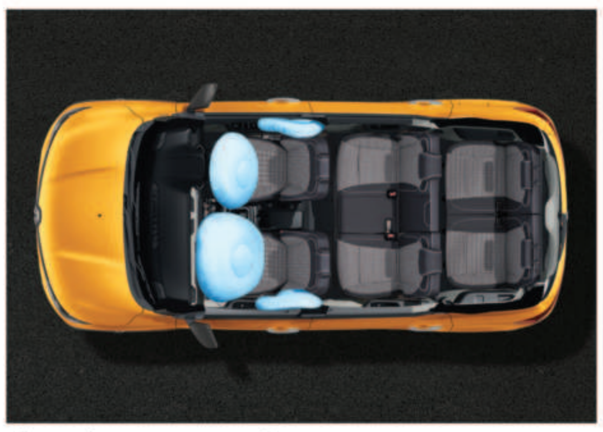

फ्रंट और साइड एयरबैग्स - ड्राइवर और पैसेंजर

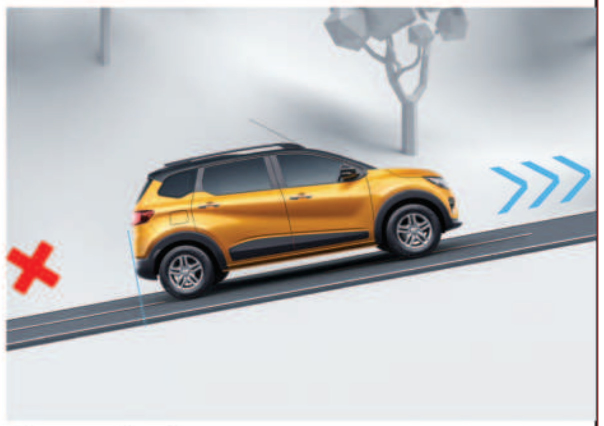

हिल स्टार्ट असिस्ट (HSA)

for a test drive, call on 1800 315 4444. select variants available in CSD. special offers for defence personnel, government, PSU and corporate employees. for bulk enquiries, contact corpsales@renault.com

for further details, connect on renault.co.in

terms and conditions apply. *₹7 999 EMI based on a loan amount of ₹4.74 lakh for a tenure of 84 months. EMI may vary based on actual loan amount and tenure. not valid for any added loan amount and tenure. finance at the sole discretion of Renault Finance. #advantages up to ₹50 000/- for Triber includes cash benefits up to ₹20 000/- on select variants, exchange benefits up to ₹20 000/- on select variants & loyalty cash benefits up to ₹10 000/- on select versions. *Triber has scored 4-star safety rating for adult occupant safety and 3-star child occupant safety in crash test conducted by Global NCAP. the same has been published by NCAP on their website. the evaluation of the tests by Global NCAP has resulted in Triber being the safest in the 7-seater mass segment in India.corporate/PSU/defense personnel/government employee/professionals benefits applicable on each model is basis eligibility of the customer and based on submission of required proof by the customer. price valid on the date of purchase. for detailed offers, visit www.renault.co.in/offers. Renault India Pvt. Ltd. reserves the right at its absolute discretion to terminate this scheme or vary, delete or add to any of these terms and conditions from time to time without notice including without limitation. offers may vary across variants and cities. model/accessories shown may not be a part of the standard fitment. the color in the image may vary slightly from the actual color of the product. the above mentioned offers & benefits are valid till 31st October 2023 and are through Renault dealership. Renault India Pvt. Ltd. shall not be liable for any loss or damage arising from your failure to comply or understand the offer details. in the event of any dispute, all matters shall be governed by all applicable laws of India and court at Gurugram shall have the exclusive jurisdiction. for detailed terms and conditions, please visit www.renault.co.in

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT Attapur Mob: +91 9311340914, RENAULT AS Rao Nagar Mob: +91 9289208861, RENAULT Banjara Hills Mob: +91 7428892716, RENAULT Begumpet Mob: +91 9311733972, RENAULT Gachibowli Mob: +91 9289220863, RENAULT Himayatnagar Mob: +91 8448989105, RENAULT Hitech City Mob: +91 9311733970, RENAULT Kukatpally Mob: +91 7067322620, RENAULT LB Nagar Mob: +91 9311700671. **KARIMNAGAR:** RENAULT Karimnagar Mob: +91 9582305983. **KHAMMAM**: RENAULT Khammam Mob: +91 8527234093. **KOTHAGUDEM:** RENAULT Kothagudem Mob: +91 7428439271. **MAHABUBABAD:** RENAULT Mahabubabad Mob: +91 9311341235. **MAHBUBNAGAR**: RENAULT Mahbubnagar Mob: +91 7799766431. **MANCHERIAL**: RENAULT Mancherial Mob: +91 9582571953. **MIRYALGUDA:** RENAULT Miryalguda Mob: +91 7428439406. **NALGONDA:** RENAULT Nalgonda Mob: +91 7428439437. **NIZAMABAD:** RENAULT Nizamabad Mob: +91 9311700672. **SATHUPALLY:** RENAULT Sathupally Mob: +91 8130499615. **SHADNAGAR:** RENAULT Shadnagar Mob: +91 9311700675. **SIDDIPET**: RENAULT Siddipet Mob: +91 8527235114. **SURYAPET:** RENAULT Suryapet Mob: +91 8130311149. **VIKARABAD:** RENAULT Vikarabad Mob: +91 9311733961. **WARANGAL:** RENAULT Warangal Mob: +91 9311700673. **ZAHIRABAD:** RENAULT Zahirabad Mob: +91 9311733977.

प्रियंका गांधी बोलीं- 225 महीनों की सरकार में 250 घोटाले: मंडला में कहा

एमपी में आदिवासियों पर अत्याचार का कोई मुकाबला नहीं

मंडला, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने गुरुवार को मंडला में कहा, मध्यप्रदेश में भाजपा की 225 महीने से सरकार है, ढाई सौ घोटाले हैं। कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा को संबोधित करते हुए कहा- प्रदेश में आदिवासियों पर जो अत्याचार हो रहे हैं, उसका कोई मुकाबला नहीं है। भाजपा की सरकार के लोग लूट में व्यस्त हैं।

इतने घोटाले, अब सरकार बदलने का समय

मप्र में भाजपा की 225 महीने से सरकार है, ढाई सौ घोटाले हैं। 18 साल से सरकार है, 22 हजार घोषणाएं की हैं। मंडला-जबलपुर सड़क 10 साल में नहीं बना पाए। इतने सारे घोटाले हैं.. बच्चों के पोषण में घोटाला, मिड डे मील में घोटाला, सर्व शिक्षा अभियान में घोटाला, स्कॉलरशिप में घोटाला, भर्ती परीक्षा में घोटाला। ऐसे में बेचारा नौजवान करे क्या? फीस भरकर तैयारी करता है, परीक्षा देता है फिर क्या होता है। उसमें घोटाला हो जाता है।

अजा-अजजा के बैकलॉग पदों पर तत्काल भर्ती

किसानों का कर्ज माफ करेंगे। 100 रुपए में पहले जैसे 100 यूनिट बिजली देंगे। 200 यूनिट पर आधा बिल। हम पुरानी पेंशन स्कीम लागू करेंगे। गैस का सिलेंडर 500 में मिलेगा। महिलाओं के खाते में 1500 रुपए। 5 हार्स पावर सिंचाई तक बिजली मुफ्त। ओबीसी आरक्षण 27% तक रहेगा। जाति जनगणना कराएंगे। जहां 50% से अधिक आदिवासी हैं, वहां छठीं अनुसूची डाली जाएगी। अजा-अजजा के बैकलॉग पदों पर तत्काल भर्ती की जाएगी।

बच्चों की शिक्षा पहली से 12वीं तक निःशुल्क

बच्चों की शिक्षा पहली से 12वीं तक निःशुल्क दी जाएगी। इसका नाम पढ़ो और पढ़ाओ योजना होगा। कक्षा एक से आठ तक बच्चों को पांच सौ, नौवीं से दसवीं तक एक हजार रुपए दिए जाएंगे। ग्यारहवीं से बारहवीं तक ये हर महीने पंद्रह सौ रुपए मिलेंगे।

आपको जूते-छाते दे रहे हैं, बोनस नहीं दे रहे

क्या आपको पता है कि तेंदूपत्ता देने का काम इंदिराजी ने शुरू किया था। ये आपको जूते-चप्पल और छाते देकर चुप करा रहे हैं, ताकि आप बोनस नहीं मांगें। ये बोनस नहीं दे रहे हैं। उसमें कमीशन होगा। आप ही बताइए क्या जूता-चप्पल, छाते से आपका सम्मान जुड़ा है? क्या आपका सम्मान मेहनत से नहीं जुड़ा है? कांग्रेस की सोच है आपकी मेहनत आपका सम्मान है। हमारी सरकार आने पर आपको तेंदूपत्ता का बोनस देंगे।

छत्तीसगढ़ की तरह पेसा कानून लागू होगा

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है। पिछले दिनों मैं बस्तर गई थी। वहां आज तेंदूपत्ता के लिए प्रति बोरा 4000 रुपए मिलते हैं। छत्तीसगढ़ की सरकार ने आदिवासी क्षेत्र को वहां ब्रांड बना दिया है। उनकी चीजें दिल्ली में भी बेची जाती हैं। यहां भी सरकार आएगी तो तेंदूपत्ता के लिए 4000 रुपए दिए जाएंगे। छत्तीसगढ़ की तरह पेसा कानून लागू होगा।

भाजपा की सरकार के लोग लूट में व्यस्त रहे

डेढ़ लाख महिलाएं और बच्चियां गायब हो गईं। प्रदेश में हर रोज 17 बलात्कार हो रहे हैं। आदिवासियों पर जो अत्याचार बरसाए जा रहे हैं उनका कोई मुकाबला नहीं है। आपको रोजगार नहीं मिल रहे हैं। भाजपा की सरकार के लोग लूट में व्यस्त रहे हैं। धर्म और जाति की बात होती है, जिसमें आपके जज्बात जुड़े होते हैं। मैं कहती हूं आप मेरी बातों में भी न आएं। अपने अनुभव पर भरोसा करें।

जाति जनगणना इसलिए क्योंकि न्याय दिलवाना चाहते हैं

जाति जनगणना से पता चलेगा कि ओबीसी, दलित, अजा, अजजा के कितने लोग हैं। केंद्र में भाजपा सरकार इस पर बात करना नहीं चाहती। हम कह रहे हैं देश में गिनती करो, तभी हमें पता चलेगा कि इनके साथ न्याय हो रहा है या नहीं। बिहार में गिनती की गई। 84% लोग ओबीसी और अजजा के हैं। जिनकी आबादी ज्यादा है उनको पद नहीं मिल रहे हैं। ये गिनती इसलिए नहीं करवा रहे क्योंकि न्याय देना नहीं चाहते। हम गिनती चाहते हैं, क्योंकि हम न्याय देना चाहते हैं।

तलाकशुदा का कलंक लेकर एससी ने 82 वर्षीय पत्नी की दलील पर सुनाया फैसला

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक तलाक की याचिका पर सुनवाई करते हुए 82 वर्षीय बुजुर्ग पत्नी की भावनाओं का सम्मान करते हुए 89 पति की तलाक की याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने भारतीय वायुसेना के पूर्व अधिकारी द्वारा मांगे गए तलाक की याचिका पर दो दशकों से चली आ रही कानूनी लड़ाई को समाप्त कर दिया है। कोर्ट में 82 वर्षीय बुजुर्ग पत्नी ने दलील दी कि मैं तलाकशुदा मरना नहीं चाहती हूं। महिला की भावनाओं को सम्मान करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शादी को समाप्त करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। बताया जा रहा है कि चंडीगढ़ में रहने वाले 60 साल से शादीशुदा इस जोड़े ने वर्ष 1963 में शादी की। वर्ष 1984 के जनवरी में भारतीय वायुसेना अधिकारी का तत्कालीन मद्रास में ट्रांसफर हो गया। तब तक दोनों का वैवाहिक जीवन सामान्य था। उनके रिश्ते में कड़वाहट तब पैदा हुई जब पत्नी ने अपने पति के साथ जाने से इनकार कर दिया। इसके बाद महिला तो शुरू में अपने ससुरालवालों के साथ और उसके बाद अपने बेटे के साथ रहना पसंद किया। दोनों पति-पत्नी की काफी सुलाह करनी की कोशिश की गई लेकिन कई प्रयासों के बावजूद दोनों के बीच मतभेदों और विवाद का हल नहीं हो सका, जिसके कारण अंततः पति ने वर्ष 1996 में अपनी पत्नी, जो एक सेवानिवृत्त शिक्षिका हैं उनके खिलाफ तलाक की याचिका दायर की। दोनों के बीच तलाक का विवाद ट्रायल कोर्ट से शुरू हुआ था जो पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट होता हुआ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था।

निशा बांगरे के इस्तीफे पर निर्णय ले सरकार: हाईकोर्ट

डिप्टी कलेक्टर के वकील विवेक तन्खा बोले- शिवराज की ओर से गेम खेल रहे चीफ सेक्रेटरी

जबलपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट (जबलपुर) ने राज्य सरकार को डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे के इस्तीफे और चार्जशीट पर एक हफ्ते में निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। इस्तीफा मंजूर नहीं होने पर निशा ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। दायर याचिका में उन्होंने कहा है कि नियमानुसार एक महीने में इस्तीफा मंजूर कर लिया जाना चाहिए, लेकिन शासन ने अब तक नहीं किया। हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। निशा की ओर से पैरवी कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट विवेक तन्खा के जूनियर वकील ब्रायन डिसिल्वा ने की। तन्खा ने कहा, 'सरकार जानबूझकर मामले में लेटलतीफी कर रही है। चुनाव आचार संहिता जारी है। सरकार न्यूट्रल हो चुकी है। अब चीफ सेक्रेटरी का शासन है। चीफ सेक्रेटरी को क्या इंट्रेस्ट है कि निशा का इस्तीफा मंजूर नहीं हो। साफ है कि चीफ सेक्रेटरी शिवराज और बीजेपी की ओर से गेम खेल रहे हैं।' तन्खा ने कहा, 'अगर दो दिन के अंदर इस्तीफे पर फैसला नहीं लिया गया तो सोमवार को निर्वाचन आयोग में शिकायत की जाएगी कि चीफ सेक्रेटरी पॉलिटिकल हो गए हैं। मैं उनसे यही कहना चाहता हूं कि मिस्टर चीफ सेक्रेटरी यू आर इन ट्रबल।' गुरुवार को केस की सुनवाई चीफ जस्टिस रवि मलिमठ और विशाल मिश्रा की डिविजन बेंच में हुई। अगली सुनवाई अगले हफ्ते होगी। हाईकोर्ट ने सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव को भी तलब किया था।

छुट्टी नहीं मिलने पर डिप्टी कलेक्टर ने दिया था इस्तीफा

निशा ने 25 जून को आमला (बैतूल) में अपने घर के उद्घाटन समारोह के दौरान सर्वधर्म प्रार्थना और धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए छुट्टी मांगी थी। उन्हें छुट्टी नहीं दी गई। इससे नाराज होकर 22 जून को अपने विभाग को एक लेटर लिखकर इस्तीफे की जानकारी दी थी। वे तीन महीने पहले छतरपुर जिले के लवकुशनगर में एसडीएम के पद से इस्तीफा दे चुकी हैं, लेकिन शासन ने इसे मंजूर नहीं किया है। विभाग ने इस्तीफा अमान्य करते हुए कहा कि उन्होंने शासन के निर्देशों की अवहेलना, अनुशासनहीनता और गंभीर कदाचरण किया है।

नार्को आतंकवाद का बड़ा नेटवर्क ध्वस्त कश्मीर और पंजाब के कुख्यात तस्कर गिरफ्तार

जम्मू, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला रामबन में पुलिस ने नार्को आतंकवाद के बड़े नेटवर्क को ध्वस्त किया है। इस नेटवर्क में शामिल करीब नौ कुख्यात अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय तस्कर गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने इनके पास से छह से दस करोड़ की नकदी, कई फर्जी नंबर प्लेट और अन्य सामान बरामद किया है। इन नशा तस्करों में कश्मीर घाटी और पंजाब के लोग शामिल हैं। डीजीपी दिलबाग सिंह इस मामले को लेकर गुरुवार दोपहर तीन बजे पत्रकार वार्ता में जानकारी देंगे। रामबन पुलिस ने पंजाब से मनजीत सिंह नाम के नशा तस्कर को गिरफ्तार किया था। मंगलवार दी गई इस दबिश में मनजीत सिंह के घर से पांच करोड़ की नकदी, 45 फर्जी नंबर प्लेट, वजन तोलने वाली मशीन आदि बरामद किए गए।

एनसीपी भ्रष्ट पार्टी है तो भाजपा क्यों बात कर रही थी आरोपों पर सुप्रिया सुले का सवाल

पुणे, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में एनसीपी सांसद और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने भाजपा और अजित पवार गुट के नेता छगन भुजबल पर निशाना साधा है। पुणे में न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि एनसीपी पर लगाए गए भाजपा के आरोप झूठे हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर उन्हें स्पष्ट करना चाहिए। एनसीपी सांसद ने भाजपा पर सवाल उठाते हुए कहा, एक तरफ आपने एनसीपी को 'नेचुरली करप्ट पार्टी' कहा, दूसरी तरफ छगन भुजबल कहते हैं कि एनसीपी और बीजेपी की पर्दे के पीछे चर्चा हो रही थी। अगर आरोप सही हैं कि एनसीपी भ्रष्ट पार्टी है तो भाजपा हमसे बात क्यों कर रही थी? इससे पता चलता है कि भाजपा के भ्रष्टाचार के आरोप झूठे हैं। क्या यह भाजपा का दोहरा चेहरा नहीं दिखाता है? उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए।

'भाजपा को हमसे माफी मांगनी चाहिए'

इससे पहले महिला आरक्षण बिल पर संसद में बोलते हुए सुले ने कहा था कि हर घर में ऐसा भाई नहीं होते जो बहन की भलाई देखना चाहता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 10 वर्षों से उनकी पार्टी की आलोचना करते रहे हैं, लेकिन अब वह यह नहीं कहते कि राकांपा भ्रष्ट पार्टी है।

सुले ने कहा का भाजपा ने हमेशा बदले की राजनीति की है। अगर हमारे खिलाफ लगाए गए आरोप सही हैं तो हमारी जांच होनी चाहिए और अगर आरोप झूठे निकले तो भाजपा को हमसे माफी मांगनी चाहिए। बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ लोकसभा में भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी की अपमानजनक टिप्पणी के बारे में एक सवाल पर सुले ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राकांपा और तृणमूल कांग्रेस पहले ही घटना के बारे में लोकसभा अध्यक्ष को लिख चुकी हैं।

पूर्व मंत्री व बीजेपी नेता सरताज सिंह का निधन

भोपाल में ली अंतिम सांस; 5 बार सांसद, 2 बार विधायक रहे

नर्मदापुरम, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री रहे बीजेपी के सीनियर लीडर सरताज सिंह का निधन हो गया। उन्होंने 83 साल की उम्र में गुरुवार सुबह 5.30 बजे भोपाल में अंतिम सांस ली। सरताज बाबू जी के नाम से पहचाने जाने वाले सरताज सिंह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। 3 दिन से भोपाल के अपोलो अस्पताल में भर्ती थे। छोटे भाई सुरिंदर पाल सिंह ने बताया कि अंतिम संस्कार 13 अक्टूबर को किया जाएगा। भोपाल से पार्थिव देह इटारसी लाई जाएगी। यहां दोपहर 2 बजे तक अंतिम संस्कार होगा।

पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट पहुंचे पंजाब के गृह सचिव और डीजीपी, ड्रग ट्रायल मामले में हुए पेश

चंडीगढ़, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के गृह सचिव गुरकीरत कृपाल सिंह और पुलिस महानिदेशक गौरव यादव गुरुवार को ड्रग ट्रायल मामले में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में पेश हुए। एनडीपीएस के मामलों में सरकारी गवाहों (सरकारी अधिकारियों) के लापरवाह रवैये पर नाराजगी जताते हुए पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब के गृह सचिव, डीजीपी व मुक्तसर साहिब के एसएसपी को तलब कर लिया था। हाईकोर्ट ने तीनों को खुद हाजिर होकर इस मामले में कोर्ट के सवालों का जवाब देने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि पंजाब में तो अब यह चलन बन गया है कि सरकारी अधिकारी गवाही के लिए पहुंचते ही नहीं हैं। जब एसएसपी को बुलाया जाता है, तो कोर्ट को भविष्य में ऐसा न होने का विश्वास दिलाया जाता है। न्यायालय को यह देखकर दुख हुआ है कि विश्वास दिलाना व्यर्थ है और संभवतः केवल हमें खुश करने के लिए दिया गया है। इन परिस्थितियों में जब देश के इस हिस्से में समाज विशेषकर युवाओं पर नशे का विनाशकारी प्रभाव दिखाई दे रहा है, तो यह न्यायालय अब मूकदर्शक बन कर नहीं रहेगा। ऐसे में हाईकोर्ट ने अब अगली सुनवाई पर पंजाब के गृह सचिव, डीजीपी व मुक्तसर साहिब के एसएसपी को खुद हाजिर होने का आदेश दिया है।

खालिस्तानी आतंकी अर्श डाला के दो शूटर दिल्ली में गिरफ्तार

पंजाब में कांग्रेस नेता की हत्या में थे शामिल

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने राजधानी से दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। दोनों बदमाश खालिस्तानी आतंकी अर्श डाला के करीबी हैं और मुठभेड़ के बाद इन्हें अरेस्ट किया गया है। खालिस्तानी आतंकियों के मददगार दोनो गैंगस्टर के कब्जे से पुलिस को हैंड ग्रेनेड, एक पिस्टल और पांच कारतूस बरामद किए हैं। ये दिल्ली और पंजाब में बड़ी तबाही की योजना बना रहे थे। हाल में पंजाब के मोगा में बल्ली कांग्रेसी सरपंच बल्ली हत्याकांड के बाद से ये दोनों फरार चल रहे थे। दोनों के नाम किशन और गुरबिंदर है। कनाडा में बैठे खालिस्तानी आतंकी अर्श डाला ने ही सरपंच बल्ली की हत्या करवाई थी।

नवाब मलिक को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

तीन महीने बढ़ी अंतरिम जमानत, इस केस में हुए थे गिरफ्तार

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपी नेता नवाब मलिक को बड़ी राहत दी है। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक की अंतरिम जमानत 3 महीना बढ़ा दी गई है। इससे पहले 11अगस्त को खराब स्वास्थ्य के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने 2 महीने की अंतरिम जमानत दी थी। किडनी की समस्या बरकरार रहने के चलते जमानत की अवधि बढ़ाई गई है। नवाब मलिक को फरवरी 2022 में मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया गया था। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नवाब मलिक डेढ़ साल तक जेल में थे।

कब हुई थी गिरफ्तारी?

फरवरी 2022 में ईडी ने गोवावाला कंपाउंड मामले में मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत नवाब मलिक को गिरफ्तार किया था। लेकिन पिछले साल से मलिक कोर्ट की अनुमति से कुर्ला के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। मलिक ने कई बार जमानत के लिए आवेदन किया था। लेकिन उनकी जमानत अर्जी बार-बार खारिज की गई। आज सुप्रीम कोर्ट ने आखिरकार मलिक को बड़ी राहत देते हुए मेडिकल आधार पर जमानत दे दी।

नवाब मलिक पर क्या आरोप?

हसीना पारकर, सलीम पटेल, 1993 मुंबई बम धमाकों के आरोपी सरदार खान और नवाब मलिक पर गोवावाला कंपाउंड में एक महिला मुनीरा प्लंबर की तीन एकड़ जमीन साजिश रचने और अवैध रूप से हड़पने का आरोप है। 1999 में सलीम पटेल के नाम पर पावर ऑफ अटॉर्नी जारी की थी। इससे सलीम पटेल को इस जमीन पर अवैध कब्जे को निपटाने की उम्मीद थी। हालांकि, आरोप है कि पटेल ने इसका दुरुपयोग किया और हसीना पारकर के निर्देश पर गोवावाला कंपाउंड की जमीन मलिक की सॉलिडस इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को बेच दी। ईडी ने आरोप लगाया कि मलिक ने गोवावाला परिसर में परिसर किराए पर दिया और आय से बांद्रा, कुर्ला में फ्लैट और उस्मानाबाद में कृषि भूमि खरीदी। वहीं नवाब मलिक ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि गोवावाला परिसर में जमीन कानूनी तरीकों से खरीदी गई थी। मलिक की ओर से दावा किया गया है कि करीब पांच महीने बीत जाने के बाद भी जांच एजेंसी की ओर से कोई पुख्ता सबूत दाखिल नहीं किया गया है। लेकिन फिर भी उन्हें इस मामले में राहत नहीं मिली।

पाक टीम पर बरसाए गए फूल-बजे ढोल

स्वागत देख भड़कीं शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के भव्य स्वागत से शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी खफा हो गई हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान टीम के स्वागत में इस तरह डांस, जैसे कि वे हमारे बहादुर शहीदों और आतंकवाद पीड़ितों की मौत पर डांस कर रहे हों। इसके साथ उन्होंने बीसीसीआई को भी टैग किया। पाकिस्तान क्रिकेट टीम आईसीसी विश्व कप 2023 के लिए पिछले कुछ दिनों से हैदराबाद में थी। भारत के खिलाफ मैच के लिए टीम अहमदाबाद पहुंची है। गुजरात पहुंचने पर टीम को हैदराबाद से अहमदाबाद के रास्ते में श्रीलंका के खिलाफ अपनी जीत का जश्न मनाते देखा गया। अहमदाबाद पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत हुआ। मैच से पहले उन्हें उस होटल में शॉल भेंट किए गए जहां वे ठहरेंगे। भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच होने वाले मैच के लिए अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सभी इंतजाम किए जा रहे हैं। अहमदाबाद पहुंचने से पहले, पाकिस्तान टीम ने विश्व कप में अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा। अब्दुल्ला शफीक और मोहम्मद रिजवान ने शतक बनाए, जिससे पाकिस्तान विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा रनों का पीछा करते हुए सफलता पाई। मंगलवार को हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में उन्होंने श्रीलंका को 6 विकेट से हराया। रिजवान ने 121 गेंदों पर 131 रनों की शानदार नाबाद पारी खेली, जबकि अब्दुल्ला शफीक ने 113 रन बनाए। दूसरी ओर, भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के खिलाफ कड़ी मेहनत से जीत हासिल की।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो हिस्ट्रीशीटर की मौत

कई अपराधों में वांछित थे दोनों अपराधी

चेन्नई, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के एक पदाधिकारी की हत्या में कथित तौर पर शामिल दो हिस्ट्रीशीटर बृहस्पतिवार को चेन्नई के शोलावरम के पास पुलिस पर हमला कर भागने की कोशिश के दौरान मारे गए। इस मुठभेड़ में दोनों अपराधियों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि एक विशेष पुलिस दल मुथु सर्वनन और 'संडे' सतीश को नयी दिल्ली से गिरफ्तार कर यहां लाया। स्थानीय पुलिस उन्हें पुलिस थाने ले जा रही थी लेकिन रास्ते में उन्होंने पुलिस दल पर हमला कर दिया। यह हमला शोलावरम के पास किया गया जिसके बाद मुथु सर्वनन और 'संडे' सतीश ने भागने की कोशिश की। पुलिस दल ने भागने की उनकी कथित कोशिश को नाकाम कर दिया और दोनों पर गोली चलाई। दोनों हिस्ट्रीशीटर कई आपराधिक मामलों में वांछित थे। दोनों अगस्त में रेड हिल्स के पास पदियानल्लूर में अन्नाद्रमुक के एक पूर्व पदाधिकारी पार्थिबन (54 साल) की हत्या में भी शामिल थे।

सत्ता में आये तो हम भी खरीदेंगे गाय का गोबर, दिग्विजय सिंह का ऐलान

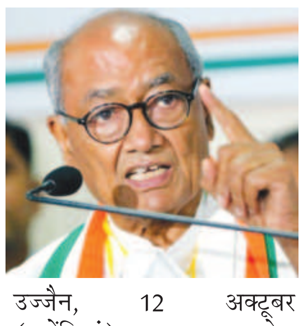

उज्जैन, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस में भारी गहमागहमी मची हुई है। जैसे-जैसे चुनाव प्रचार तेज हो रहा है, दोनों दल जनता के बीच तरह-तरह के वादे की झड़ी लगा रहे हैं। इसी क्रम में कांग्रेस के लिए प्रचार करते हुए सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने उज्जैन में कहा कि अगर चुनाव बाद राज्य में कांग्रेस की सरकार बनती है तो यहां भी छत्तीसगढ़ सरकार की तर्ज पर 3 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से गाय का गोबर खरीदेंगे। दिग्विजय सिंह ने यह बात बीते बुधवार शाम में कंप्यूटर बाबा की 'गौ माता बचाओ यात्रा' के समापन समारोह में कही।

दिग्विजय सिंह ने कहा,हमारा उद्देश्य देश और प्रदेश में गायों की सेवा करना है। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि छत्तीसगढ़ में सरकार 2 रुपये किलो में गाय का गोबर खरीदती है और यहां पर मैं भी वादा करता हूं कि अगर चुनाव के बाद यहां हमारी सरकार सत्ता में आती है तो हम 3 रुपए किलो की दर से गोबर खरीदेंगे। हमारा लक्ष्य है कि गाय के गोबर से जैविक खाद बनाकर हम इसे प्रदेश के किसानों को देंगे। इसके साथ ही दिग्विजय सिंह ने शिवराज सरकार को घेरते हुए इस बात का दावा किया कि मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार ने गाय के लिए कुछ नहीं किया, जबकि सबसे साल 1994 में जब कांग्रेस की सरकार थी तो उस समय सबसे पहले गौ सेवा आयोग का गठन किया गया था। उन्होंने कहा, कांग्रेस का मूल उद्देश्य है कि हमें गायों की रक्षा करनी है क्योंकि यह हमें दूध, गोमूत्रऔर गोबर देती है। गायों के कारण हमारा पोषण होता है।

आज न केवल मध्य प्रदेश बल्कि पूरे देश में गायों की स्थिति बहुत खराब है। मध्य प्रदेश में भाजपा के कुछ लोग हैं, जो हमेशा धर्म के ठेकेदार रहे हैं। लेकिन उन्होंने गोरक्षा के नाम पर केवल राजनीतिक सौदेबाजी की है, गाय की सेवा नहीं की है।'' मालूम हो कि छत्तीसगढ की भूपेश बघेल सरकार ने साल 2020 में गोधन न्याय योजना की शुरूआत की थी।

महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के सीएम को लिखा एक और खत

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के मंडोली जेल में बंद और महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक खुला पत्र लिखा है। अपने पत्र में ठग सुकेश ने आम आदमी पार्टी के नेता नेता संजय सिंह की हालिया गिरफ्तारी को लेकर कई आरोप लगाए हैं। इतना ही नहीं उसने आप सांसद को भूतपूर्व वित्तीय मुनीम करार दिया है। वर्तमान में दिल्ली के मंडोली जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने अपने पत्र की शुरुआत यह कहकर की कि सच्चाई कायम है और केजरीवाल और उनके सहयोगी हाल की घटनाओं से डरे हुए हैं। उसने कहा कि सिंह की गिरफ्तारी ने केजरीवाल को बेचैन कर दिया है। उनकी चिंताओं को सबके सामने उजागर कर दिया है। महाठग सुकेश ने संकेत दिया कि एक पेंडोरा बॉक्स खोला गया है, इस वादे के साथ कि ₹सबकुछ उजागर हो जाएगा।₹ अपने पत्र में उसने आगे लिखा है कि, 'संजय सिंह की गिरफ्तारी से मैंने देखा कि आप कितने डरे हुए हैं, यह आपके चेहरे पर स्पष्ट है, पूरे देश ने इसे देखा है।' आपने अपने वकील अनंत मलिक के माध्यम से जारी प्रेस बयान में सत्येंद्र जैन पर अवैध गतिविधियों में शामिल रहने का आरोप लगाया। सुकेश चन्द्रशेखर का दावा है कि सत्येंद्र इस समय मेडिकल अंतरिम जमानत पर बाहर हैं, लेकिन वो सीए के कहने पर धमकियां और प्रस्ताव भेज रहे हैं। साफ है कि जैन ने अपनी अंतरिम चिकित्सा जमानत का दुरुपयोग किया है। वह अपने अवैध धन का प्रबंधन करने के लिए फोन का उपयोग कर रहे हैं। गवाह को चुप करा रहे हैं। जेल अधिकारी के माध्यम से आपकी यानी सीएम ओर से मुझे धमकियां भेज रहे हैं

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 206 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.14 2080 शुक्रवार, 13 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मोदी कैलाश दर्शन करने वाले पहले पीएम

व्यू पॉइंट से पवित्र पर्वत 50 किमी दूर, तिब्बत जाने की जरूरत नहीं

पिथौरागढ़, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार सुबह उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में कैलाश व्यू पॉइंट से आदि कैलाश के दर्शन किए। यह व्यू पॉइंट जोलिंगकोंग इलाके में है जहां से कैलाश पर्वत साफ नजर आता है। इसके लिए अब चीन के कब्जे वाले तिब्बत जाने की जरूरत नहीं होगी।

इसके साथ ही पीएम ने पार्वती कुंड में पूजा-अर्चना की। यहां से 20 किलोमीटर दूर चीन की सीमा शुरू हो जाती है। नरेंद्र मोदी देश के पहले पीएम हैं, जिन्होंने उत्तराखंड से लगी भारत-चीन सीमा पर आदि कैलाश पर्वत का दर्शन किया।

बॉर्डर एरिया तक ट्रेन लाने की तैयारी

पिथौरागढ़, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एक दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड पहुंचे। इस दौरान वे सबसे पहले भारत की आध्यात्मिक भूमि आदि कैलाश पहुंचे। यहां शिव मंदिर में पूजा करते हुए प्रधानमंत्री ने आदि कैलाश के विराट दर्शन किए और देश की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की। प्रधानमंत्री मोदी आदि कैलाश की यात्रा करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री भी बन गए है।

इसके बाद पीएम पार्वती कुंड में दर्शन कर गुंजी में सेना के जवानों व स्थानीय लोगों से मिले। वह जागेश्वर धाम पहुंचे और यहां पूजा अर्चना की। पूजा के बाद पीएम ने पिथौरागढ़ में रिमोट का बटन दबाकर 4200 करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस दौरान पीएम की जनसभा में भारी भीड़ उमड़ी रही। पीएम मोदी ने कहा कि मोदी कह रहा है, हम गरीबी हटाकर रहेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा को 16 बार मेरे परिवारजनों कहकर संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि उतराखंड में आकर मैं धन्य हो जाता हूं। इस दौरान उन्होंने नंदा देवी, गुरना, हाट कालिका, कैंची धाम का जिक्र किया। पीएम मोदी ने पार्वती कुंड और जागेश्वर धाम में पूजा कर सबके स्वास्थ्य व उत्तराखंड के सारे सपने पूरे होने का आशीर्वाद मांगा। पीएम मोदी ने कहा कि जी-20 का शानदार आयोजन हुआ है। इसमें विश्व के लोगों ने हम भारतीय का लोहा माना। इस साल लाल किले से मैंने महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन देने की घोषणा की है। ड्रोन के माध्यम से खेतों में दवा-खाद, बीज, ऐसे अनेक काम किए जा सकेंगे।

14000 फीट ऊपर बसे गुंजी गांव पहुंचे पीएम मोदी

कैलाश दर्शन के बाद पीएम मोदी उत्तराखंड में धारचूला से 70 किमी दूर और 14000 फीट ऊपर बसे गुंजी गांव पहुंचे। यहां उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात की। यह गांव अगले दो साल में बड़े धर्म नगर शिव धाम के रूप में विकसित हो जाएगा। कैलाश व्यू प्वाइंट, ओम पर्वत और आदि कैलाश के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का धारचूला के बाद यही सबसे बड़ा और अहम पड़ाव होगा। यहां बड़े यात्री निवास, होटल बनेंगे। भारतीय टेलीकॉम कंपनियों का नेटवर्क भी मिलेगा। गांव में होम स्टे बढ़ाए जाएंगे। गुंजी व्यास घाटी की उस सुरक्षित जमीन पर है, जहां न भूस्खलन का खतरा है और न ही बाढ़ का।

अभी यहां 20 से 25 परिवार ही रहते हैं, जो बमुश्किल अपना खर्च चला पाते हैं। पिथौरागढ़ डीएम रीना जोशी के मुताबिक गुंजी के दाएं तरफ से नाभीढांग, ओम पर्वत और कैलाश व्यू प्वाइंट का रास्ता जाता है, तो बाएं तरफ से आदि कैलाश और जौलीकॉन्ग का। इसलिए ये गांव कैलाश तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए मुफीद है।

2:30 बजे पीएम पिथौरागढ़ में ग्रामीण विकास, सड़क, बिजली, सिंचाई, पेयजल, बागवानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों से जुड़ी करीब 4200 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पीएम मोदी के दौरे के बारे में जानकारी दी। पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पीएम मोदी के आने से कुमाऊं मंडल में टूरिज्म जरूर बढ़ेगा।

आरएसएस प्रमुख बोले

भारत 5000 साल से सेक्युलर है

सारी दुनिया हमारा परिवार है, विविधता में एकता नहीं, एकता की ही विविधता है

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत 5000 साल से सेक्युलर रहा है। सभी तत्वों के ज्ञान का यही सार है। सारा विश्व एक परिवार है, ये हमारी भावना है। ये महज एक सिद्धांत नहीं है, इसे जानने, मानने और इसके मुताबिक आचरण करने की जरूरत है।

मोहन भागवत ने ये बात आरएसएस कार्यकर्ता रंगा हरि की किताब- पृथ्वी सूक्त- एन ओड टु मदर नेचर के लॉन्च इवेंट पर कही। संघ प्रमुख ने कहा कि हम मातृभूमि को अपनी राष्ट्रीय एकता का अहम भाग मानते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे मातृभूमि के लिए भक्ति, समर्पण और प्रेम की भावना रखें।

भागवत बोले- लोग एक-दूसरे से लड़ना बंद करें :

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि इस देश में इतनी विविधता है। इतिहास को देखें तो मनुष्य अपने आप में कुछ भी नहीं है। उसे एक छोटा सा जीव भी परेशान कर सकता है। इसलिए लोगों ने अपनी सुरक्षा के लिए एकत्र होना शुरू किया। लेकिन, साथ आना तो आसान है, साथ रहना मुश्किल है। जो लोग मिलेंगे नहीं, वो कभी झगड़ा भी नहीं करेंगे।

लेकिन, लोगों को एक-दूसरे से नहीं लड़ना चाहिए। हमें देश को ऐसा बनाना चाहिए कि हम देश को सिखा सकें कि हम एक हैं। भारत के अस्तित्व का यही एकमात्र मकसद है। भागवत ने कहा कि ऋषि-मुनियों ने भारत को दुनिया के भले के लिए बनाया था। उन्होंने ऐसा समाज बनाया जो अपनी शिक्षा इस देश के आखिरी इंसान तक पहुंचा सके।

उन्होंने कहा कि वे लोग सिर्फ संन्यासी नहीं थे, वे अपने परिवारों के साथ जोगियों वाली जिंदगी जीते थे। ये घुमंतू आज भी यहीं हैं, जिन्हें ब्रिटिश सरकार ने अपराधी जनजाति घोषित कर दिया था। ये लोग अब भी समाज के बीच अपनी संस्कृति पेश करते हैं। कुछ लोग आयुर्वेदिक का ज्ञान भी बांटते हैं। हमारे लोग ज्ञान का अर्जन करने के लिए मेक्सिको से साइबेरिया तक दुनिया घूमे हैं।

भारत ने जी-20 को वसुधैव कुटुंबकम का मंच बना दिया :

इसलिए ये कोई हैरानी की बात नहीं है कि भारत ने आर्थिक मुद्दों पर चर्चा करने वाले जी-20 जैसे मंच को ऐसे मंच में तब्दील कर दिया जो मानवता के बारे में सोचता है। हमने वसुधैव कुटुंबकम की भावना को इस मंच से जोड़ दिया है।

बाटला हाउस एनकाउंटर के दोषी को फांसी नहीं होगी

दिल्ली हाईकोर्ट ने उम्रकैद में बदली सजा, इंस्पेक्टर मोहन की हत्या की थी

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2008 के बाटला हाउस एनकाउंटर के दोषी आरिज खान को मिली फांसी की सजा को उम्र कैद में बदल दिया है। जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल और जस्टिस अमित शर्मा की बेंच ने 12 अक्टूबर को मामले पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। आरिज खान इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) का आतंकी है। उस पर दिल्ली पुलिस इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा की हत्या का आरोप है।

दिल्ली की साकेत कोर्ट ने इस मामले में आरिज खान को 8 मार्च को दोषी करार दिया था। अदालत ने 14 मार्च 2021 को आरिज को फांसी की सजा सुनाई थी, तब कोर्ट ने कहा था कि यह क्राइम रेयरेस्ट ऑफ रेयर कैटेगरी का है। आरिज ने कोर्ट के इस फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

पी-20 से पहले जगमगाया संविधान सदन

9वें संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 11 अक्टूबर को नई दिल्ली में पी-20 शिखर सम्मेलन से पहले दिल्ली का संविधान सदन (पुरानी संसद) जगमगा उठा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9वें जी-20 संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन (पी-20) का उद्घाटन करेंगे। पी-20 शिखर सम्मेलन 13 से 14 अक्टूबर 2023 तक इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (आईआईसीसी), यशोभूमि, द्वारका में आयोजित किया जाएगा। 9वें पी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी नई दिल्ली में आईपीयू के सहयोग से भारतीय संसद द्वारा की जाएगी। शिखर सम्मेलन का विषय एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के लिए संसद है, जो वसुधैव कुटुंबकम (विश्व एक परिवार है) के प्राचीन भारतीय दर्शन से प्रेरणा लेता है।

इजरायल-हमास संघर्ष में मरने वाले 2,500

इजरायल ने कहा- बंधकों की रिहाई तक गाजा को बिजली, पानी नहीं मिलेगा

जेरूसलम/गाजा, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजा पट्टी में चल रहे इजरायल-हमास संघर्ष में मरने वालों की संख्या दोनों तरफ से 2,500 से ज्यादा हो गई है। गुरुवार को छठे दिन भी हिंसा जारी है। अभी इसमें और लोगों के मरने की आशंका है। इजरायल के ऊर्जा मंत्री इजरायल काट्ज ने गुरुवार को कहा कि जब तक हमास आतंकवादी समूह बंधकों को मुक्त नहीं कर देता, तब तक गाजा पट्टी के लिए बिजली, ईंधन या पानी की आपूर्ति नहीं होगी।

मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, जब तक इजरायली के अपहृत लोगों की घर वापसी नहीं हो जाती, तब तक कोई बिजली का स्विच चालू नहीं किया जाएगा, कोई जल हाइड्रेंट नहीं खोला जाएगा और कोई भी ईंधन ट्रक (गाजा) में प्रवेश नहीं करेगा। मानवतावादी और कोई भी हमें नैतिकता का उपदेश नहीं देगा। इजरायली अधिकारियों के अनुसार, आतंकवादी समूह ने 7 अक्टूबर को अपने हमले के बाद गाजा में 150 लोगों को बंधक बना लिया है। हमले के जवाब में इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने सोमवार को पूरे गाजा की घेराबंदी का आदेश दिया था। साथ ही कहा था कि वह बिजली, भोजन, पानी और ईंधन की आपूर्ति रोक देंगे। इजरायल के सरकारी मालिकाना हक वाले एक रिपोर्ट में कहा, 7 अक्टूबर को हमास के हमले के बाद से कम से कम 1,300 इजरायली मारे गए हैं।

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 3,268 लोग घायल हुए हैं। जिनमें से 443 लोगों का अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इजरायली अधिकारियों ने कहा कि दक्षिणी कस्बों और गांवों में शव खोजने के प्रयास गुरुवार को भी जारी रहे। इस बीच, गाजा में फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि हमले के तुरंत बाद हमास-नियंत्रित क्षेत्र पर इजरायल की बमबारी शुरू होने के बाद से कम से कम 1,203 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 5,763 अन्य घायल हुए हैं।

इस वजह से बेपटरी हुई नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस

प्रारंभिक रिपोर्ट में जताई गई ये आशंका

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के बक्सर जिले में रघुनाथपुर के नजदीक बुधवार रात को हुए ट्रेन हादसे को लेकर हुई प्रारंभिक जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। इस शुरूआती जांच रिपोर्ट में दिल्ली-कामाख्या नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस के पटरी से उतरने का संभावित कारण पटरियों में खराबी बताया गया है। सूत्रों ने यह बात प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के हवाले से कही है।

बता दें कि बक्सर जिले में रघुनाथपुर के नजदीक बुधवार रात को हुए हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और 70 से अधिक घायल हो गए। इस बीच अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि हादसे के उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

दिल्ली-कामाख्या नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस के साथ हुए हादसे की जांच रिपोर्ट में दुर्घटनाग्रस्त ट्रेन के ड्राइवर समेत छह रेलवे अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए है। इसमें कहा गया है कि ऐसा लगता है कि ट्रेन के 23 डिब्बों के बेपटरी होने की घटना पटरियों में खराबी के कारण हुई। दुर्घटना के कारण 52 करोड़ रुपये से अधिक की क्षति का अनुमान लगाया गया है। इस हादसे में लोको पायलट आंशिक रूप से घायल हो गया था और उसके सहायक को गंभीर चोट आई है।

खास बात यह है कि इस जांच रिपोर्ट में लोको पायलट के बयान को शामिल किया गया है। लोको पायलट ने बताया कि ट्रेन 128 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से रघुनाथपुर स्टेशन से गुजरी थी। हालांकि इस स्टेशन सेक्शन को पार करते ही भीषण झटका लगा। अत्यधिक कंपन और भीषण झटके के चलते ब्रेक पाइप का दबाव अचानक कम हो गया और ट्रेन रात 9:52 बजे पटरी से उतर गई।

प्रारंभिक रिपोर्ट में रघुनाथपुर स्टेशन के एक गेटमैन और एक प्वाइंटमैन के हवाले से कहा गया है कि उन्होंने ट्रेन के पहियों के पास से चिंगारी निकलती देखी। रिपोर्ट में लोको पायलट और उसके सहायक का ब्रेथ एनालाइजर परीक्षण नकारात्मक बताया गया।

इस बीच, पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी बीरेंद्र कुमार ने कहा कि हादसे के पीछे के कारणों की जांच के लिए उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हर मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। गंभीर घायलों को 2.50 लाख और मामूली रूप से घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। वहीं, पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने कहा कि हमारी प्राथमिकता ट्रैक को चालू करने पर है। प्रकाश की निगरानी में ही ट्रैक बहाली का काम चल रहा है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने बताया कि राहत से 1006 यात्रियों को उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

पीएम सिर्फ वंदे भारत को झंडी में दिखाने में व्यस्त

बराबर हो रहे हादसे', रेलवे में निजीकरण पर ललन सिंह ने कही ये बात

मुंगेर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष व मुंगेर लोकसभा सीट से सांसद राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने बक्सर रेल हादसे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। ललन सिंह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने में व्यस्त हैं। बाकी किसी पर उनका ध्यान नहीं जाता। जब पत्रकारों ने ललन सिंह से नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस हादसे के बारे में पूछा तो उन्होंने जवाब दिया कि पीएम मोदी सिर्फ सिर्फ वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने में व्यस्त हैं, जबकि देश में लगातार रेल हादसे हो रहे हैं। ललन सिंह ने कहा कि रेल पटरियों और परिचालन से जुड़ी संसाधनों पर ध्यान नहीं है। केंद्र सरकार का पूरा ध्यान रेलवे को निजीकरण पर है। नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस कर दुर्घटना काफी दुखदाई है।

'पीड़ित से है सहानुभूति'

जदयू अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि पीड़ितों और घायलों के साथ पूरी सहानुभूति है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही राज्य सरकार ने तुरंत मेडिकल टीम और बक्सर-आरा-पटना के जिलाधिकारी को अलर्ट किया। सरकार की ओर से राहत बचाव शुरू किया गया। बता दें कि सांसद गुरुवार को 245 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने मुंगेर पहुंचे थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कुछ महीने पहले ओडिशा में भीषण रेल दुर्घटना हुई, उसमें कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रधानमंत्री को नॉर्थ ईस्ट हादसे पर बोलने की जरूरत है। वह खुद अपनी प्रशंसा में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे को धीरे-धीरे निजीकरण की तरफ धकेला जा रहा है। ऐसा करके केंद्र की सरकार अपनी वाहवाही खुद लूट रही है और जनता मर रही है।

अब कैसे उठेगी बेटी की डोली: नगदी-जेवराज समेत 10 लाख का सामान ले गए चोर

पिता बोले- बेटी की शादी के लिए रखा था

अमरोहा, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के अमरोहा में एक लेबर ठेकेदार के घर में घुसकर चोरों ने नगदी-जेवराज समेत 10 लाख रुपये का सामान चोरी कर लिया। घटना की जानकारी बृहस्पतिवार की सुबह हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। पीड़ित ठेकेदार ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। चोरी की ये घटना नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला छेबड़ा में फारूक ए आज़म मस्जिद के निकट की है। यहां पर रईस अहमद का परिवार रहता है। वह कॉटन वेस्ट कारखाने में लेबर के ठेकेदार हैं।

'सभी जातियों को मिलेगा अधिकार और सम्मान'

अखिलेश यादव ने की जातीय जनगणना की मांग

लखनऊ, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। सपा प्रमुख और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने जातीय जनगणना की अपनी मांग जारी रखी है। उन्होंने गुरुवार को लखनऊ में कहा कि जातीय जनगणना हमारे समाज को जोड़ेगी। जो जातियां पीछे रह गई थीं, जिन्हें अभी तक सम्मान और अधिकार नहीं दिया गया है, और जो लोग ऐसा सोचते हैं उनकी जनसंख्या अधिक है, लेकिन उन्हें उसके अनुरूप कुछ नहीं मिल रहा है, मुझे लगता है कि जाति आधारित जनगणना हमारे समाज को एकीकृत करेगी। उन्होंने कहा कि इससे सभी जातियों को अधिकार और सम्मान मिलेगा। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने जो व्यवस्था की थी उससे जाति को आरक्षण दिया था। बिहार में जातीय गणना के सर्वे के आंकड़े जारी होने के बाद से अखिलेश यादव लगातार जातीय जनगणना की कर रहे हैं। इससे पहले अखिलेश यादव ने बिहार सरकार के जातिगत सर्वेक्षण के आंकड़े जारी करने का स्वागत करते हुए भी बीजेपी सरकार पर तंज कसा था। अखिलेश यादव ने कहा था कि बीजेपी सरकार राजनीति छोड़े और देशव्यापी जातिगत जनगणना करवाए। उन्होंने कहा था कि जातिगत जनगणना 85-15 के संघर्ष का नहीं, बल्कि सहयोग का नया रास्ता खोलेगी और जो लोग प्रभुत्वकामी नहीं हैं, बल्कि सबके हक के हिमायती हैं, वो इसका समर्थन भी करते हैं और स्वागत भी। जो सच में अधिकार दिलवाना चाहते हैं वो जातिगत जनगणना करवाते हैं। सपा प्रमुख ने बीते दिन भी बीजेपी को घेरा था। दरअसल, सपा मुखिया अखिलेश यादव बुधवार को जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने जेपीएनआईसी गए थे। उन्हें अंदर जाने से रोकने के लिए गेट बंद कर ताला लगा दिया गया था, जिस पर अखिलेश यादव अपने समर्थकों सहित गेट फांदकर अंदर कूद गए और माल्यार्पण किया।

सर्दी की दस्तक के साथ लखनऊ में दिखा कोहरा

मुरादाबाद, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आज न्यूनतम तापमान 24 डिग्री और अधिकतम तापमान 35 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। लखनऊ में आज सुबह के वक्त कोहरा दिखा है। गाजियाबाद की बात करें तो आज न्यूनतम तापमान 22 डिग्री और अधिकतम तापमान 34 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। मौसम विभाग की माने तो 14 अक्टूबर को भी मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। कहीं भी बादल बिजली और बारिश की कोई संभावना नहीं है। 13 अक्टूबर को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है। जिसके असर से 15 से 20 अक्टूबर के बीच गुलाबी ठंड दस्तक दे सकती है। आने वाले सात दिनों तक यूपी में मौसम शुष्क रहेगा। तीन से चार दिनों तक न्यूनतम तापमान में कुछ खास बदलाव नहीं आए। इसके बाद रात के तापमान में गिरावट आएगी। आज 12 अक्टूबर को पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है। इस दौरान कहीं पर भी बादल गरजने या बिजली गिरने के आसार नहीं है। गुरुवार को भी यूपी में अधिकतम तापमान 35 से 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के नीचे रहने का पूर्वानुमान है। यूपी मौसम विभाग के मुताबिक आज गुरुवार को गाजियाबाद, नोएडा, रामपुर, बरेली और लखनऊ समेत प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मौसम साफ रहने की संभावना है। वही 13 और 14 अक्टूबर को भी मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। कहीं भी बादल बिजली और बारिश की कोई संभावना नहीं है। 13 अक्टूबर को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है। जिसके असर से 15 से 20 अक्टूबर के बीच गुलाबी ठंड दस्तक दे सकती है।

'बुलडोजर चलने के बाद ही होगा ब्रह्मभोज'

रो-रोकर बोला देवरिया हत्याकांड में जिंदा बचा बेटा देवेश

देवरिया, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के देवरिया में दो अक्टूबर को जमीनी विवाद में छह लोगों की हत्या के 10 दिन बीत जाने बाद भी मामला अभी ठंडा पड़ता नहीं दिखाई दे रहा है। इसी बीच सत्यप्रकाश दुबे के बेटे देवेश ने ऐलान किया है कि जब तक प्रेमचंद्र के घर पर बुलडोजर नहीं चल जाता, तब तक वह ब्रम्हभोज नहीं करेंगे। मृतक सत्य प्रकाश दुबे के बेटे देवेश ने कहा कि पूरे मामले में अभी सही तरीके से कार्रवाई नहीं हुई है। अगर ये घटना किसी प्रशासन वाले के घर के साथ हुई होती तो क्या प्रशासन चुप बैठता। या अन्य किसी और के साथ होता तो चुप बैठता। उन्होंने कहा कि घटना को हुए 10 दिन हो चुके अब जल्द से जल्द कार्रवाई होनी चाहिए। देवेश ने कहा कि हमारे मां-पिता और परिवार का नरसंहार हुआ है, उसे फांसी की सजा मिले या उसका एनकाउंटर हो। जिसने भी मेरे भाई और बहन को गोली मारी है, उसका मकान गिराया जाना चाहिए। प्रेम चंद्र यादव का घर भी गिराया जाना चाहिए। देवेश ने साफ कहा कि जब तब प्रेम चंद्र यादव के घर पर कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक वह ब्रह्मभोज नहीं करेगा।

मामले को सीबीआई को सौंपी जाने की मांग

उधर, सत्यप्रकाश दुबे के परिवार की श्रद्धांजलि सभा में राजनीतिक वार पलटवार पहले ही हो चुका है। दुबे की तरफ से भाजपा विधायक शलभमणि त्रिपाठी ने मोर्चा संभाल रखा है। इसके बाद सपा की ओर से एक प्रतिनिधि मंडल पूर्व मंत्री ब्रम्हा शंकर त्रिपाठी की अगुवाई में फतेहपुर पहुंचा और पीड़ित दोनों परिवार के लोगों से मिला। इसके बाद पूरे मामले को सीबीआई को सौंपे जाने की मांग उठाई गई।

घर गिराए जाने के डर से सहमा प्रेम चंद्र का परिवार

उधर प्रेम चंद्र का परिवार बार-बार घर गिराए जाने की बात को लेकर सहमे हुए हैं। प्रेम की बेटी ने कहा बार बार लोग बता रहे हैं कि घर गिरा दिया जायेगा। अगर ऐसा होगा तो परिवार के लोग बेघर हो जायेंगे। हमे पूरा विश्वास है कि इंसाफ मिलेगा। बेटी अर्चना ने कहा कि पिता अब इस दुनिया में नहीं रहे। गेट पर लाल निशान लगा दिया गया है। नोटिस चिपकी है। पिता जी राजनीति से जुड़े रहे हैं। सबके सुख दुख में आते जाते रहे हैं। इस कारण ब्रम्ह भोज में काफी लोग शामिल हो सकते हैं। बस प्रशासन उन्हें शामिल होने से न रोके, यह हमारा अनुरोध है।

अब तक 21 लोग गिरफ्तार

गौरतलब है कि देवरिया जिले के रुद्रपुर क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुए संघर्ष में एक ही परिवार के पांच सदस्यों समेत छह लोगों की हत्या के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही अब तक इस मामले में कुल 21 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

सावधान ! सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर

जातियों के नाम पर भड़काऊ पोस्ट डाला तो जाना पड़ेगा जेल, जानें डीआईजी का नया निर्देश

भागलपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। जातियों के नाम पर आपत्तिजनक भड़काऊ पोस्ट इंटरनेट मीडिया पर डाल तनाव फैलाने वालों की अब खैर नहीं। ऐसे तत्वों की पहचान कर उनपर न सिर्फ केस दर्ज होगा बल्कि उन्हें जेल की सलाखों के अंदर जाना होगा। मुख्यालय एडीजी जितेंद्र सिंह गंगवार के निर्देश के बाद रेंज डीआइजी विवेकानंद ने भागलपुर, बांका और नवगछिया के एसपी को इस बाबत सख्ती बरतने का निर्देश दिया है। उक्त निर्देश पर भागलपुर, बांका और नवगछिया के पुलिस अधीक्षकों ने इंटरनेट मीडिया पर ऐसी गतिविधियों की निगरानी शुरू करा दी है। तीनों जिलों में पुलिस की तकनीकी सेल ने इंटरनेट मीडिया पर पैनी नजर रखते हुए ऐसे तत्वों की पहचान में जुट गई है। यानी अब जातियों के नाम पर ऐसा कोई भी पोस्ट डाल तनाव फैलाने की कोशिश करेगा। किसी की धार्मिक भावना को भड़काने का प्रयास करेगा तो उन्हें पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए जेल की सलाखों के अंदर कर देगी। जाति आधारित गणना के बाद जातियों के नाम पर उन्माद फैलाने और लोगों को उकसाने वालों की निगरानी और कार्रवाई के लिए पुलिस मुख्यालय सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। इंटरनेट मीडिया पर ऐसे पोस्ट करने वालों पर पुलिस मुख्यालय की इंटरनेट मीडिया यूनिट भी नजर रख रही है। यू-ट्यूब और फेसबुक पर जातियों के नाम पर उन्माद फैलाने वाले पोस्ट शेयर किए जाने पर पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। इंटरनेट मीडिया पर उन्माद की कोशिश जाति के नाम पर हो या किसी अन्य के नाम पर, इसकी 24 घंटे निगरानी अब भागलपुर, नवगछिया और बांका जिले की पुलिस करने लगी है

थाने में मेरे कपड़े फाड़े, मारपीट की

महिला ने क्राइम ब्रांच, पति और देवर पर लगाए गंभीर आरोप

मुरादाबाद, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की मुरादाबाद जिले के थाना सिविल लाइन की क्राइम ब्रांच में एक महिला ने अपने पति और देवर के खिलाफ पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। महिला ने पति और देवर पर मारपीट आरोप लगाया है और उनके साथ हाथापाई का वीडियो भी बनाया है। महिला ने इस दौरान हाई वोल्टेज ड्रामा किया। महिला ने आरोप लगाया कि थाने में विवेचन के दौरान उसके पति और देवर ने उसके साथ मारपीट की और उसके कपड़े फाड़ दिए। पीड़िता मुताबिक उसका एक मुकदमा चल रहा है, जिसको लेकर उसे क्राइम ब्रांच में बुलाया गया था। पीड़िता ने अपने पति और देवर के अलावा जांच अधिकारी क्राइम इंस्पेक्टर पर भी आरोपी से हमसाज होने और अभद्रता करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने बताया कि वह जब क्राइम ब्रांच में पहुंची तो उसके देवर और पति पहले से ही वहां मौजूद थे। महिला ने अपने पति और देवर के खिलाफ ही गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर रखा है। पीड़िता ने अपने देवर वकार पर दुष्कर्म करने की धारा में मुकदमा दर्ज करवा रखा है। पीड़िता का आरोप है दुष्कर्म का आरोपी क्राइम ब्रांच में आराम से बैठा हुआ था और पुलिस कोई कार्यवाही नहीं कर रही थी। जब महिला ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की तो उसका पति और देवर आक्रोश में आ गए और उसके साथ मारपीट करने लगे। महिला ने इसकी शिकायत 112 पर कर दी। जिसके बाद मौके पर 112 दस्ता पहुंचा और पीड़िता को सिविल लाइन थाने लेकर ले जाया गया। थाना सिविल लाइन में पहुंचकर पीड़िता ने गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने बताया कि उसका उसके पति-देवर से विवाद चल रहा है। क्राइम ब्रांच में उससे कुछ पेपर मंगवाए गए थे जिन्हें वह देने के लिए पहुंची थी। पीड़िता का कहना है जब वह कार्यालय में पहुंची तो कार्यालय के गेट पर उसके पति की बाइक खड़ी हुई थी, जिसकी वजह से पीड़ित घबरा गई। जब क्राइम ब्रांच में पीड़िता विवेचक जसपाल सिंह के पास पहुंची तो पीड़िता ने देखा उसका पति और उसका देवर बैठे हुए हैं।

अवैध संबंध के शक में देवर ने भाभी को उतारा था मौत के घाट

हापुड़, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। गांव खागोई में देवर के भाभी की गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया था। जिसको लेकर गांव में तरह तरह की चर्चा हुई थी। बताया जा रहा है कि देवर को अपनी भाभी पर अन्य लोगों से अवैध संबंध बनाने का शक था। जिसको लेकर आएदिन घर में देवर-भाभी के बीच झगड़ा होता रहता था। जिसको लेकर देवर ने छह अक्टूबर को नाराज होकर गर्दन में गोली मारकर भाभी की हत्या कर दी। घटना को अंजाम देकर आरोपी देवर मौके से फरार हो गया। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि सिम्भावली थाना क्षेत्र के गांव खागोई निवासी गुलजार की पत्नी छह अक्टूबर के दिन अपने घर पर कपड़े धोने का कार्य कर रही थी। वह कपड़े सुखाने के लिए घर की छत पर गई थी। तभी उसका देवर निसार से अवैध संबंधों की बात को लेकर कहासुनी हो गई।

जदयू विधायक गोपाल मंडल की ढीली की गई अकड़

सस्पेंड हुआ पिस्टल का लाइसेंस, अस्पताल लेकर पहुंचे थे हथियार

भागलपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवगछिया गोपालपुर के विधायक गोपाल मंडल के खिलाफ भागलपुर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। अस्पताल में पिस्टल लेकर घूमने के मामले को गंभीर मानते हुए भागलपुर डीएम ने विधायक के रिवॉल्वर का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। लाइसेंस रद्द करने के बाद डीएम ने इसकी प्रति जिला एसएसपी को भी भेज दी है। विधायक अब अपने साथ पिस्टल लेकर भी नहीं चल सकते हैं। बता दें कि एक सप्ताह पहले भागलपुर के जेएलएनएमसीएच अस्पताल परिसर में में वे हाथ में रिवॉल्वर लेकर घूमते देखे गए थे जो काफी सुर्खियों में रहा था।

जिलाधिकारी ने लिया एक्शन- दरअसल, एक सप्ताह पूर्व जेएलएनएमसीएच अस्पताल परिसर में हाथ में रिवॉल्वर लेकर घूमते गोपाल मंडल का वीडियो तेजी से वायरल हुआ था। इसमें बताया गया था कि वह हाथ में पिस्टल लेकर अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में चले गए थे। इसका वीडियो जब वायरल हुआ तो काफी हंगामा मचा। वीडियो के आधार पर भागलपुर एसएसपी आनंद कुमार ने जांच का आदेश जारी किया था। जांच में मामला सत्य पाया गया। इसके बाद जांच रिपोर्ट मिलने के बाद भागलपुर के जिलाधिकारी सुब्रत सेन ने विधायक गोपाल मंडल के विरुद्ध हथियार हाथ में लेकर घूमने के मामले में नोटिस जारी किया था। अब लाइसेंस के निलंबन की कार्रवाई की गई।

यह था मामला

बता दें कि गोपालपुर के विधायक नरेंद्र कुमार नीरज उर्फ गोपाल मंडल का यह वीडियो तीन अक्तूबर को सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। वीडियो में विधायक अपने सरकारी अंगरक्षक के साथ हाथ में रिवॉल्वर लिये मायागंज स्थित जेएलएनएमसीएच अस्पताल परिसर में घूमते दिख रहे थे। बताया जा रहा है कि उनकी पोती वहां भर्ती थी और वे उसे देखने गए थे। लेकिन, हाथ में पिस्टल लेकर अस्पताल पहुंचने से लोगों ने भयभीत होने की बात बताई थी। हालांकि, विधायक ने अपना पक्ष रखते हुए इसमें कुछ गलत नहीं कहा था। विधायक ने मामले में चोर बदमाशों और राजनीतिक दुश्मनी की वजह से रिवॉल्वर लेकर घूमने की बात कही थी। इसके बाद जब विधायक पटना स्थित जदयू कार्यालय पहुंचे थे

शोहदों ने की 11वीं की छात्रा से सरेराह छेड़छाड़ विरोध करने पर की मारपीट

गाजियाबाद, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोदीनगर थाना क्षेत्र में समुदाय विशेष के तीन युवकों द्वारा कोचिंग से लौट रही 11वीं की छात्रा के साथ अश्लील हरकत की गई। विरोध करने पर आरोपियों में से एक ने सिर्फ छात्र के साथ मारपीट नहीं की, बल्कि बचाव में आए परिजनों को भी अपने साथियों को बुलाकर पीटा। घटना की जानकारी होते ही हिंदू संगठन के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर हंगामा करने लगे। पुलिस का कहना है कि पीड़ित परिवार की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर तीन नामजद आरोपियों सहित अन्य के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। दो आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं, अन्य की तलाश जारी है। मोदीनगर में रहने वाली 16 वर्षीया पीड़िता 11वीं की छात्रा है।

बिहार में राज्यपाल अब महामहिम नहीं, माननीय कहलाएंगे

राजभवन सचिवालय ने चिट्ठी जारी कर संबोधन के शब्द को बदला

पटना, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के राज्यपाल को महामहिम कहकर नहीं बुलाया जाएगा और ना ही महामहिम लिखा जायेगा। राजभवन सचिवालय ने महामहिम शब्द को बदल दिया है। इसके स्थान पर माननीय लिखा जायेगा। संबोधन में महामहिम के स्थान पर माननीय शब्द का प्रयोग होगा। ठीक वैसे ही जैसे मुख्यमंत्री,उपमुख्यमंत्री,मंत्री आदि के लिए प्रयोग होता है। राजभवन सचिवालय से जारी आदेश मे कहा गया है कि राज्यान्तर्गत सभी प्रकार के कार्यक्रमों के लिए महामहिम के स्थान पर माननीय का प्रयोग किया जाएगा। यहीं आगे लिखा गया है कि माननीय राज्यपाल महोदय के नाम के आगे 'श्री' अथवा 'श्रीमती' का प्रयोग किया जाएगा। विशेष परिस्थिति में केवल विदेश के राजनायिकों के साथ शिष्टाचार भेंट आदि के समय महामहिम का प्रयोग किया जाएगा। राजभवन सचिवालय के आदेश मे आगे लिखा गया है कि सभी प्रकार के सरकारी टिप्पणी में महामहिम के स्थान पर माननीय राज्यपाल का प्रयोग किया जाए। दरअसल,राज्यपाल के आगे महामहिम शब्द का प्रयोग होता रहा है।

मास्टर ग्रीन बेल्ट और नक्षत्र वन की भूमि कब्जाने का प्रयास, सेफ संस्था पर आरोप

नोएडा, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाईटेक शहर नोएडा से एक बड़ी खबर आ रही है। यहां एक एनजीओ ने पौधारोपण की आड़ में अथॉरिटी की जमीन पर कब्जे की कोशिश की। यह जमीन सेक्टर-108 में मास्टर ग्रीन बेल्ट का विकास एवं नक्षत्र वन को विकसित करने के लिए रिजर्व किया गया है। इस मामले का खुलासा होने पर प्राधिकरण ने इस अतिक्रमण को हटवा दिया। नक्षत्र वन नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग द्वारा विकसित कराया जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण की ओएसडी वंदना त्रिपाठी ने बताया कि इस ग्रीन बेल्ट का एक हिस्सा करीब 2.77 एकड़ सेफ नामक एनजीओ को एडॉप्शन पर 11 महीने के लिए 14 मार्च को दिया गया था। जब प्राधिकरण द्वारा बाकी जमीन के हिस्से पर काम शुरू कराया गया तो सेफ के प्रतिनिधि एवं पर्यावरणविद विक्रांत तोंगड़ ने काम रुकवा दिया। काम करने वाले ठेकेदार को धमकाते हुए कहा कि इस पूरी जमीन पर उनके द्वारा कब्जा प्राप्त कर लिया गया है। ऐसे में अब प्राधिकरण द्वारा कोई काम नहीं कराया जाएगा। इस मामले की शिकायत ठेकेदार ने प्राधिकरण अधिकारियों से की। ओएसडी ने बताया कि इसी शिकायत पर वह खुद टीम के साथ मौके पर जांच करने गईं। जांच के दौरान वहां पर एनजीओ की ओर से प्राधिकरण की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया जाता हुआ मिला।

ऐसे में ऊंची दीवार के गेट पर ताला लगाकर बंद किए रास्ते को खुलवाकर काम शुरू करा दिया गया है। ओएसडी ने बताया कि एनजीओ को दी गई जमीन पर पौधारोपण की बजाए नक्षत्र वन के लिए चिह्नित जमीन पर पौधारोपण कराया जा रहा था। इस एनजीओ द्वारा गेट पर ताला डालकर बड़े-बड़े पत्थर रखकर गड्ढा खोद दिया गया था।

दोस्त ने की बीजेपी नेता की हत्या, कमरे में छिपाया शव और हुआ फरार

अमेठी, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तरप्रदेश के जनपद अमेठी में भाजपा नेता की हत्या से हड़कंप मचा हुआ है। भाजपा पार्टी के मंडल उपाध्यक्ष को उनके ही दोस्त ने मामूली बात को लेकर घर में बुलाकर चाकुओं ने गोदकर हत्या की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। इस हत्या से गांव और आस पास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल बना हुआ है। घटना के बाद मौके पर पुलिस अधिकारी सहित भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पूरा मामला जनपद के मोहनगंज थाना के कोची गांव का है जहां रविन्द्र सिंह भाजपा पार्टी के नेता हैं। रविंद्र का उन्हीं के गांव के रहने वाले दोस्त से मामूली विवाद हुआ था, जिसके बाद दोस्त ने किसी बहाने उन्हें अपने घर पर बुलाया और उन पर चाकू से हमला कर दिया।

प्यार की खातिर खुशबू बानो ने किया धर्मपरिवर्तन

लिए 7 फेरे, कहा- इस्लाम में महिलाओं की इज्जत नहीं

बरेली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। संत रविदास नगर की रहने वाली खुशबू ने अपने प्यार के खातिर इस्लाम त्याग कर सनातन धर्म अपना लिया है। उसने बरेली के मंदिर में अपने प्रेमी विशाल के साथ 7 फेरे लेते हुए हिन्दू देवी देवताओं में आस्था जताई। कहा कि इस्लाम धर्म में महिलाओं का सम्मान नहीं हैं। यहां तीन तलाक, हलाला जैसी कुप्रथाएं डराने वाली हैं। जबकि हिन्दू धर्म के परिवारों में महिलाओं को विशेष दर्जा हासिल है। खुशबू ने कहा कि वह मुगल काल में उसके पूर्वजों ने इस्लाम कबूल कर लिया था, लेकिन अब वह स्वेच्छा से घर वापसी कर रही है। खुशबू ने बताया कि प्रेमी विशाल कुमार के साथ उसकी दोस्ती चार साल पहले फेसबुक के जरिए हुई थी।

कब यह दोस्ती प्यार में बदल गई, उसे पता ही नहीं चला। अब वैदिक धर्म अपनाने के बाद खुशबू ने पुलिस सुरक्षा की गुहार की है। कहा कि शुरू से ही हिन्दू देवी देवताओं में उसकी आस्था है। अब खुशबू ने हिन्दू धर्म अपनाने के बाद विशाल से पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ शादी कर ली है। अगस्त मुनि आश्रम में आचार्य केके शंखधार ने दोनों को अग्नि के समक्ष सात फेरे कराए। इस दौरान खुशबू ने एक शपथ पत्र देते हुए आजीवन हिंदू धर्म अपनाने की बात कही। पति विशाल के साथ भोजीपुरा थाना पहुंची खुशबू ने बताया कि शादी के बाद ऑनर किलिंग का खतरा है। इस आधार पर उसने पुलिस सुरक्षा की गुहार की है। यही अर्जी में उसने जिलाधिकारी को भी भेजी है। इसमें उसने कहा कि इस्लाम में महिलाओं की इज्जत नहीं है। हलाला, तीन तलाक सबसे बड़ी बुराइयां हैं और वह इन्हीं बुराइयों की वजह से धर्म परिवर्तन किया है।

सुविचार

कुछ मत पूछो, बदले में कुछ मत मांगो। जो देना है वो दो, वो तुम तक वापस आएगा। परन्तु उसके बारे में अभी मत सोचो।

पेड न्यूज की निगरानी के लिए एमसीएमसी समितियों का गठन

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एमसीएमसी समिति किसी भी समाचार पत्र, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनल में पेड न्यूज, सोशल मीडिया विश्लेषण या प्रलोभन आदि के लिए पैसे का भुगतान आदि की पहचान करती है। चुनाव आयोग ने पाया है कि मीडिया के माध्यम से मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए विभिन्न दलों और उम्मीदवारों द्वारा व्यक्तिगत अभियानों के संबंध में हाल के दिनों में पेड न्यूज चिंताजनक दर पर रही है। चुनाव आयोग ने क्षेत्र में मतदाताओं को प्रभावित करने वाली इन पेड न्यूज पर अंकुश लगाने के लिए एक विशेष पेड न्यूज नियंत्रण प्रणाली स्थापित की है। इसके एक भाग के रूप में, जिला स्तर पर स्थापित जिला मीडिया निगरानी और प्रमाणन समिति पेड न्यूज की पहचान करती है और रिटर्निंग अधिकारियों के माध्यम से संबंधित उम्मीदवार को नोटिस जारी करती है। इस पेड न्यूज के संबंध में सूचना विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए रेट कार्ड के अनुसार आने वाले खर्च की गणना कर उसे प्रत्याशियों के चुनाव खर्च में जमा करने के लिए आरओ के माध्यम से नोटिस जारी किए जाएंगे। इस नोटिस की एक प्रति चुनाव व्यय जांचकर्ताओं को भी दी जाएगी। रिटर्निंग ऑफिसर 96 घंटे के भीतर संबंधित उम्मीदवार को नोटिस जारी कर पूछेगा कि अखबारों या टीवी चैनलों पर प्रसारित पेड न्यूज खर्च को उसके चुनाव खर्च में क्यों शामिल नहीं किया जाना चाहिए। संबंधित उम्मीदवारों को पेड न्यूज पर रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा जारी नोटिस का 48 घंटे के भीतर जवाब देना आवश्यक है। यदि एमसीएमसी कमेटी उम्मीदवारों के जवाब से संतुष्ट नहीं होती है तो ऐसे खर्चों को उम्मीदवारों के चुनाव खर्च में शामिल किया जाएगा। हालाँकि, उम्मीदवार के पास एमसीएमसी निर्णय को राज्य स्तरीय एमसीएमसी समिति को संदर्भित करने का अवसर होगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी रोनाल्ड रोज ने बताया कि वे विभिन्न समाचार चैनलों में आ रही खबरों को रिकार्ड कर रहे हैं। सभी प्रमुख चैनलों ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने हैदराबाद जिले के सभी निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों और पार्टियों द्वारा किए गए अभियानों की रिकॉर्डिंग ले ली है। हैदराबाद जिला चुनाव अधिकारी रोनाल्ड रोवेस ने कहा कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों द्वारा नामांकन दाखिल करने के समय से पेड न्यूज और विज्ञापनों से संबंधित खर्च उम्मीदवारों के चुनाव खर्च में शामिल किए जाएंगे।

अभा वैश्य महासम्मेलन द्वारा महाराजा अग्रसेनजी की 5147वीं जयंती 15 को

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना के तत्वाधान में 15 अक्तूबर को महाराजा अग्रसेनजी की 5147वीं जयंती सुबह 10.30 बजे शहर के महाराजा अग्रसेन चौक, बंजारा हिल्स रोड नंबर 12 पर बड़े धूमधाम के साथ मनाई जायेगी।

समारोह की अध्यक्षता अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी करेंगे। इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी और उत्तर प्रदेश के उद्योग एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंदगोपाल गुप्ता मुख्य अतिथि होंगे। तेलंगाना के गृह मंत्री महमूद अली, पशुपालन एवं सिनेमाटोग्राफी मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद रेवंत रेड्डी, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की महापौर श्रीमती जी. विजयलक्ष्मी और तेलंगाना के भूमि प्रशासन मुख्य आयुक्त नवीन मित्तल समारोह की शोभा बढ़ायेंगे।

गौरतलब है कि बंजारा हिल्स रोड नंबर 12 पर स्थापित महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा का अनावरण भारत की पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने दो जनवरी 2009 को किया था। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल मोर ने हैदराबाद-सिकन्दराबाद में निवास करने वाले सभी वैश्य बंधुओं से आग्रह किया है कि इस कार्यक्रम में पधारकर वैश्य समाज की एकता का परिचय दें।

बीआरएस पार्टी पहुंची दिल्ली हाईकोर्ट

'कार' से मिलते-जुलते चुनाव निशानों को हटाने की मांग

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। तेलंगाना में इस साल विधानसभा चुनाव होना है। चुनाव आयोग ने इसकी तारीखों की भी घोषणा कर दी है। इससे पहले राज्य की सत्ताधारी पार्टी बीआरएस ने अपने चुनाव निशान कार से मिलते-जुलते प्रतीकों को हटाने की अपनी मांग को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बीआरएस नेता रावुला श्रीधर रेड्डी ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि वे अपनी मांग को लेकर हाईकोर्ट पहुंचे हैं।

क्या बोले बीआरएस नेता रावुला श्रीधर रेड्डी :

बीआरएस नेता रावुला श्रीधर रेड्डी ने कहा कि हमने चुनाव आयोग को कुछ प्रतीकों को शामिल न करने का निर्देश देने के हमारे अनुरोध पर विचार करने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ये प्रतीक बीआरएस पार्टी के चुनाव चिह्न 'कार' से मिलते-जुलते हैं। उन्होंने कहा कि जब वोटर वोट करने के लिए ईवीएम पर जाते हैं, तो वहां कुछ चिह्न जैसे रोड रोलर, चपाती मेकर, कैमरा आदि कार की तरह ही होते हैं। ऐसे में कई बार लोग बीआरएस को वोट देना चाहते हैं, लेकिन सही प्रतीकों की पहचान न कर पाने के कारण वे लोग दूसरे निशान पर मतदान कर सकते हैं।

चुनाव आयोग के पास भी पहुंचा था बीआरएस का प्रतिनिधिमंडल :

गौरतलब है कि इससे पहले केसीआर की पार्टी ने चुनाव आयोग में भी अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। बीआरएस का प्रतिनिधिमंडल ने 27 सितंबर को अपनी मांग को लेकर चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंपा था। बीआरएस पार्टी के कार चुनाव चिन्ह से मिलता-जुलता रोड रोलर चुनाव चिन्ह दूसरी पार्टी को दिये जाने पर प्रतिनिधिमंडल ने न केवल अपना विरोध जताया था बल्कि चुनाव आयोग से तत्काल समाधान का आग्रह भी किया था।

बता दें कि तेलंगाना में 30 नवंबर को मतदान होना है। वहीं, चुनाव के नतीजे तीन दिसंबर को आ जाएंगे। तेलंगाना में 35 हजार से अधिक मतदान केंद्र हैं। अगर कुल मतदाताओं की बात करें तो तेलंगाना में 3.17 करोड़ मतदाता हैं। गौरतलब है, तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में भारत राष्ट्रीय समिति (बीआरएस) की सरकार है। 2018 में आए चुनाव नतीजों के बाद तेलंगाना में तत्कालीन तेलंगाना राष्ट्रीय समिति (टीआरएस) ने सरकार बनाई थी और के. चंद्रशेखर राव राज्य के मुख्यमंत्री बने थे।

अभी क्या है विधानसभा की स्थिति :

2018 के चुनाव के बाद 119 सदस्यीय विधानसभा में बीआरएस की 88, कांग्रेस की 19, एआईएमआईएम की सात, टीडीपी की दो, भाजपा की एक, एआईएफबी की एक सीट थी। इसके अलावा एक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी को जीत मिली थी। पिछले विधानसभा चुनाव के बाद हुए चार उपचुनावों में से तीन पर सत्ताधारी बीआरएस ने जीत दर्ज की। पहले इनमें से तीन सीटें उसके पास थी जबकि बीआरएस ने एक सीट कांग्रेस ने छीन ली। वहीं, एक सीट भाजपा ने बीआरएस की कब्जाई। इसके अलावा कांग्रेस के 12 विधायकों के बीआरएस में शामिल होने से पार्टी के विधायकों की संख्या बढ़ गई है। इस वक्त 119 सदस्यीय विधानसभा में बीआरएस के 101, एआईएमआईएम के सात, कांग्रेस के पांच और भाजपा के तीन विधायक हैं। दो सीट पर निर्दलीय विधायक हैं, जबकि एक सीट अभी खाली है।

डीआरएम ने नरसापुर-गुडीवाड़ा लाइन खंड का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक नरेंद्र ए पाटिल नरसापुर – गुडीवाड़ा शाखा लाइन खंड का व्यापक निरीक्षण किया।डीआरएम नरेंद्र ए पाटिल ने आज नरसापुर स्टेशन पर निरीक्षण शुरू किया। डीआरएम ने नरसापुर में रनिंग रूम, आईओएच शेड, पिटलाइन और सीएंडडब्ल्यू डिपो का निरीक्षण किया। नरेंद्र ए. पाटिल, डीआरएम ने कोचिंग पिट लाइनों के पास एम एंड पी (मशीन और प्लांट) सहायक शेड का उद्घाटन किया और इसे कर्मचारियों को समर्पित किया। डीआरएम ने हरित पर्यावरण की दिशा में रनिंग रूम में वृक्षारोपण अभियान में भी भाग लिया। नरेंद्र ए. पाटिल ने हाल ही में शुरू की गई अमृत भारत स्टेशन योजना कार्यक्रम के तहत नरसापुर स्टेशन विकास कार्यों पर चर्चा की और पलाकोल्लू स्टेशन के लिए रवाना हुए। पलाकोल्लू स्टेशन पर डीआरएम ने सभी प्लेटफार्मों, यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया और सुरक्षा पहलुओं, संचालन प्रक्रिया की समीक्षा की और पैनल रूम का निरीक्षण किया। दोपहर में, नरेंद्र पाटिल ने भीमावरम टाउन और भीमावरम जंक्शन स्टेशनों का निरीक्षण किया। भीमावरम जंक्शन पर डीआरएम ने स्वास्थ्य इकाई, बुकिंग कार्यालय, सर्कुलेटिंग एरिया और एफओबी का निरीक्षण किया। भीमावरम टाउन स्टेशन पर डीआरएम ने पश्चिम सर्कुलेटिंग एरिया और ईस्ट साइड न्यू एंट्री का निरीक्षण किया। डीआरएम ने अमृत भारत स्टेशनों के तहत भीमावरम टाउन में स्टेशन विकास कार्यों की प्रगति का भी जायजा लिया। डीआरएम श्री नरेंद्र ए. पाटिल ने अधिकारियों को स्टेशन विकास, लंबित यातायात सुविधा और अन्य बुनियादी ढांचे के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। डीआरएम ने सेक्शनों में ट्रेन परिचालन में समय की पाबंदी और सुरक्षा पर जोर दिया।बाद में डीआरएम ने अकिविदु और गुडीवाड़ा रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं, सफाई और सर्कुलेटिंग क्षेत्रों का निरीक्षण किया और विजयवाड़ा तक पीछे की खिड़की का निरीक्षण किया। निरीक्षण में वी. रामबाबू, सीनियर डीसीएम; डी . नरेंद्र वर्मा, सीनियर डीओएम; के. श्रीनिवास राव, सीनियर डीईई टीआरएसओ, टी. सुरेश, सीनियर डीईई, रखरखाव. श्रीधर, डीईएन/पूर्व निरीक्षण में अन्य अधिकारियों, निरीक्षकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया.

निवेश के नाम पर धोखाधड़ी से सतर्क रहें लोग

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल के दिनों में निवेश और व्यापार धोखाधड़ी से संबंधित साइबर अपराध में वृद्धि हुई है। तेलंगाना के नागरिकों और संस्थानों की सुरक्षा के उद्देश्य से इन अपराधों से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने के लिए, तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद में मुख्यालय के साथ तेलंगाना राज्य साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीएससीएसबी) की स्थापना की। निदेशक टीएससीएसबी ने टीएससीएसबी के कर्मचारियों को निर्देशित किया और इन घटनाओं में एकत्र किए गए डेटा के तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से इन धोखाधड़ी के पीछे के व्यक्तियों/गिरोहों के लिए अपराधियों के बारे में जानकारी एकत्र की।

निदेशक टीएससीएसबी ने सितंबर 2023 के अंतिम सप्ताह में 6 आयुक्तालयों अर्थात साइबराबाद, हैदराबाद, रचाकोंडा, करीमनगर, वारंगल, सिद्दीपेट और जगित्याल जिले के जांच अधिकारियों की 14 टीमों के साथ एक मेगा ड्राइव का आयोजन किया। टीमों ने 9 राज्यों का दौरा किया और तेलंगाना में दर्ज 143 मामलों और अन्य राज्यों की 726 घटनाओं से जुड़े 19 अपराधियों को गिरफ्तार किया।

कपास खरीदने के लिए तैयार रहें सीसीआई और जिनिंग मिलें : दसारी वेणु

कुमरम भीम आसिफाबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अपर समाहर्ता (राजस्व) दसारी वेणु ने कहा कि जिले में कपास की खरीद के लिए सभी व्यवस्थाएं की जानी चाहिए। जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन परिसर में जिला अपर समाहर्ता के कक्ष में कृषि, विपणन, सीसीआई, परिवहन विभाग, अग्निशमन विभाग, माप-तौल विभाग के अधिकारियों और जिनिंग मिल मालिकों के साथ कपास खरीद प्रक्रिया पर समीक्षा बैठक की गई। गुरुवार। इस अवसर पर जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि जिनिंग मिल के खरीददारों एवं मालिकों को सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान करना चाहिए तथा अधिकारियों को उचित कदम उठाने का आदेश देना चाहिए ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि जिनिंग मिलों के मालिकों को सरकार द्वारा घोषित गुणवत्ता मानकों का पालन करना चाहिए और कपास की उपज को बिना अनुमति के दूसरे राज्यों में नहीं ले जाना चाहिए और न ही आयात करना चाहिए और परिवहन विभाग के अधिकारियों को इस दिशा में उचित कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जिनिंग मिलों में किसी भी अग्नि दुर्घटना को रोकने के लिए अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को सतर्क रहना चाहिए, माप तराजू के अधिकारियों को इलेक्ट्रॉनिक काउंटरों की जांच करनी चाहिए और किसानों को अपने आधार को लिंक करने के लिए जागरूक करना चाहिए। किसानों की सुविधा के लिए जिले के आसिफाबाद, वानकिडी, कोंडापल्ली, जैनूर और कौटाला क्षेत्रों में कपास खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं।उन्होंने कहा कि 16 मिलों की पहचान की गई है और किसानों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए और न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ उठाना चाहिए।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

खुली ई-निविदा सूचना सं. सी/इ.29/इलेक./एम/एससी/32/डीएल/पीए/डब्ल्यूएस/ओइडब्ल्यू/ओटी/2023-24,दि.11/10/2023

PUB/1146

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं के लिए, अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों के लिए, तिथि 2-11-2023 के 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित हैं।

क्रम सं.ई-निविदा सं. सी/इ.29/इलेक./एम/एससी/32/डीएल/पीए/डब्ल्यूएस/ओइडब्ल्यू/ओटी/2023-24, ई-टेंडर नं.ई-एम-एससी-32-ओटी-2023-24, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन- बिजली ररखरखाव विभागः अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत (।) डोर्नकल- डोर्नकल जंक्शन पर शेड सहित जीर्ण शेड सुविधाओं का विस्तार,इसके साथ 150X20एम युक्त दो 15टी इओटी क्रेन्स की व्यवस्था करने में सक्षम-(प्रस्तावित शेड का विस्तार-50X25एम) (।।) लिफ्ट्स व्यवस्था का प्रावधान-12 लिफ्ट्स (जेडएन,वायडीडी,एमडीआर,पीडीपीएल,जेडबी व बीएमटी स्टेशनों पर प्रत्येक दो लिफ्ट्स के हिसाब से) (।।।) आयओएच शेड से लोअर यार्ड तक वाशिंग साइडिंग व कंस्ट्रक्शन पाथवे पर 22X7एम(जी+1) युक्त सर्विस बिल्डिंग का निर्माण कार्य। (iv) सिकंदराबाद डिवीजन के बेल्लमपल्ली पर टीआर. डिपो का विस्तार कार्य-बिजली व्यवस्था।

निविदा मूल्य(रु.) 1,50,59,137.80, पूधरा(रु.) 2,25,300.00, निविदा प्रपत्र मूल्य(रु.)- शून्य, पूरा करने की अवधिः 4 महिने

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता,(एम), सिकंदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना सं. सी/इ.29/इलेक./जीएस/एससी/7/पीए/ओटी/2023-24, दि.12/10/2023

PUB/1147

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं के लिए, अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों के लिए, तिथि 3-11-2023 के 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित हैं।

क्रमसं.1,ई-निविदा सं. सी/इ.29/इलेक./जीएस/एससी/7/पीए/डब्लयूएस/ओटी/2023-24, ई-टेंडर नं.सी-ई-जीएस-एससी-7-ओटी-2023-24, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन- गति शक्तिः अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विभिन्न स्टेशनों पर 8 एक्सेलेटर्स के लिए बिजली आपूर्ति व्यवस्था का प्रावधान।

निविदा मूल्य(रु.) 75,87,421.12, पूधरा(रु.) 1,51,800.00, निविदा प्रपत्र मूल्य(रु.)- शून्य, पूरा करने की अवधिः 6 महिने

उप मुख्य बिजली अभियंता,(गति शक्ति)/ सिकंदराबाद

A1581

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

बीजेपी प्रदेश कार्यालय में भिड़े भाजयुमो नेता

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजयुमो नेता आज राज्य भाजपा कार्यालय में भिड़ गए। भाजयुमो प्रदेश कार्यकर्ताओं ने भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद तेजस्वी सूर्या के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रभारी तरूण चुघ की मौजूदगी में युवा मोर्चा नेताओं में मारपीट हो गई। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने तेजस्वी सूर्या से पूछा कि रेडिसन होटल में उनके रहने की व्यवस्था करने के बाद भी वे कहां गए। जवाब देने के लिए भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने सूर्या को हिरासत में ले लिया। पार्टी कार्यालय में उनके लिए तनावपूर्ण स्थिति थी। तेजस्वी सूर्या से नाखुश होने के कारण भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष भानुप्रकाश बैठक में नहीं आये। भाजयुमो प्रदेश कार्यकर्ताओं का आरोप है कि तेजस्वी जब भी हैदराबाद आते हैं तो इसी तरह का व्यवहार करते हैं।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम कर रही शी टीम

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की टीमों ने पंद्रह दिनों में 105 गुंडों को पकड़ा। डीसीपी उषा विश्वनाथ ने कहा कि रचाकोंडा शी टीम्स पुलिस महिलाओं को परेशान करने वाले गुंडों को नहीं छोड़ेगी और महिलाएं निडर होकर शिकायत करें। उन्होंने कहा कि मुफ्ती में बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, मेट्रो स्टेशनों, स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर डिकॉय ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं और महिलाओं का पीछा करने और उन्हें परेशान करने वाले गुंडों की हरकतों को सबूतों के साथ अदालत में पेश किया जाता है और उनकी काउंसलिंग उनके माता-पिता की उपस्थिति में कई गई। राचकोंडा कमिश्नर डी .एस. चौहान के निर्देश

पर राचकोंडा महिला सुरक्षा विंग, शी टीमों ने आज छेड़छाड़ करने वालों के लिए काउंसलिंग की। शी टीमों ने 105 लोगों (मेजर-58, नाबालिग-4%) को गिरफ्तार किया जो रचाकोंडा कमिश्नरेट में महिलाओं और युवा महिलाओं को परेशान कर रहे थे। एलबी नगर सीपी कैंप कार्यालय (महिला सुरक्षा विंग कार्यालय) में परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में उनकी काउंसलिंग की गई। पिछले महीने 1 से 15 सितंबर तक 81 शिकायतें मिलीं, महिला सुरक्षा विंग रचाकोंडा की डीसीपी श्रीमती टी. उषा विश्वनाथ ने कहा कि शिकायतों पर जांच कर कार्रवाई पूरी कर ली गई है। प्राप्त शिकायतों में 21 फोन से परेशान थीं, 24 व्हाट्सएप कॉल और मैसेज से परेशान थीं, 19 सोशल मीडिया ऐप्स से परेशान थीं, 17 व्यक्तिगत रूप से परेशान थीं। इनमें आपराधिक मामले 11, छोटे मामले 38, काउंसलिंग के मामले थे।

तलसानी 16 अक्टूबर से चुनाव प्रचार शुरू करेंगे

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने जानकारी दी है कि वह 16 अक्टूबर को पदयात्रा करके सनथ नगर विधानसभा क्षेत्र से अपना चुनाव अभियान शुरू करेंगे।

तलसानी श्रीनिवास यादव ने गुरुवार को यहां अपने आवास पर बीआरएस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और सनथ नगर विधानसभा क्षेत्र में आगामी चुनावों के लिए प्रस्तावित पदयात्रा और प्रचार रणनीति की कार्ययोजना पर चर्चा की। इस मौके पर तलसानी श्रीनिवास यादव ने पार्टी नेताओं से यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कहा कि पदयात्रा में 1,000 से कम लोग हिस्सा न लें। उन्होंने पार्टी नेताओं

वाईएसआरटीपी सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ेगी : शर्मिला

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएस शर्मिला ने आज कहा कि उनकी पार्टी आगामी तेलंगाना चुनाव में सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह खम्मम जिले के पलेरू विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि उनसे दूसरी सीट से भी चुनाव लड़ने की मांग की जा रही है, लोग उनसे अपने पति अनिल कुमार और विजयम्मा को राज्य से मैदान में उतारने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर दोनों चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि उनके मिर्यालगुआ से

और उनकी मां विजयम्मा के पलेरू से चुनाव लड़ने की भी संभावना है। उन्होंने पार्टी नेताओं से सभी 119 निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी टिकटों के लिए अपने आवेदन जमा करने को कहा।

वाईएस शर्मिला ने कहा कि वह सरकार विरोधी वोटों का विभाजन न हो यह सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस पार्टी से हाथ मिलाना चाहती थीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है, क्योंकि उन्होंने चार महीने तक इंतजार किया, लेकिन कांग्रेस से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी तेलंगाना में सत्ता हासिल करेगी। शर्मिला ने यहां लोटस पॉन्ड में राज्य स्तरीय प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का घोषणापत्र अगले दो दिनों में जारी होने की संभावना है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं.वाय/सी.79/सीएटीजी/ई-नीलामी/2023 दि.09-10-2023 पीयुबी/1142

PUB/1142

हैदराबाद डिवीजन पर ई-नीलामी व्दारा खानपान निविदाओं का आमंत्रण

दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन के निम्न स्थानों के लिए ई-नीलामी व्दारा निविदाओं के आमंत्रण से जुडी नीलामी सूची की प्रतिलिपि निम्नानुसार संलग्न है।

क्रम सं.	विवरण	श्रेणी	सूची सं.	नीलामी तिथि	नीलामी शुरू समय	नीलामी बंद समय
1.	बोलारम(001), डिचपल्ली(001), लालागुडा हाल्ट (001),	जीएमयु व एसएमयु की कैटरिंग	एचवायबी-सीएटीजी-007	25-10-2023	11.00 बजे	14.50 बजे

उमदानगर(002), मेडचल(002), कारखेली(001), विद्यानगर(001), कौकुंटला(001), उमरी(002), मलकपेट(006), सिवुनगांव(001), धर्माबाद(001), सीताफलमंडी(001), नवीपेट(001), महबूबनगर(00%), महबूबनगर टाउन हाल(001), मनोहराबाद(001), मलकाजगिरी(002), मिर्जापल्ली(001), महबूबनगर(005), पूडूर(001) के लिए टी स्टाल ठेका प्रदान करना।

A1577 **वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद**

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 13 अक्टूबर - 2023

न्याय के इंतजार में गर्भवती

सुप्रीम कोर्ट में 26 हफ्ते में प्रेग्नेंसी से जुड़ा जो मामला सामने आया है उसे लेकर अब विवाद गहराता जा रहा है। वजह साफ है कि प्रेग्नेंसी टर्मिनेशन की समय सीमा 24 हफ्ते की पहले ही गुजर चुकी थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने अबॉर्शन की इजाजत तो दे दी थी, लेकिन अगले ही दिन सीजेआई ने इस पर रोक लगा दी। अब सुप्रीम कोर्ट में आया यह मामला न केवल अपने नेचर की वजह से बल्कि इससे निपटने के तरीकों के कारण ऐसे हालात में पहुंच गया, जिसे इंसाफ के लिहाज से अच्छा तो कतई नहीं कहा जा सकता। सवाल है किआखिर क्यों हुआ ओपिनियन अलग-अलग? इस मामले में प्रेग्नेंसी टर्मिनेशन के लिए कानूनन समय सीमा 24 हफ्ते तक ही निर्धारित की गई है जो अब गुजर चुकी है। लेकिन यहां पिटिशनर की शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आर्थिक स्थितियों ने इसे काफी महत्वपूर्ण बना दिया है। एम्स के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने जो रिपोर्ट पेश की उसे देख कर तथा पिटिशनर के हालात को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने 9 अक्टूबर अबॉर्शन की इजाजत दे दी। चौंकाने वाला घटनाक्रम अगले दिन यानी 10 अक्टूबर का रहा, जब एम्स के डॉक्टरों की उसी समिति की रिपोर्ट के हवाले से केंद्र सरकार चीफ जस्टिस के पास यह अर्जी लेकर पहुंच गई कि इस केस में भ्रूण के जीवित रहने की संभावना है और इसलिए पिटिशनर को अबॉर्शन की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। सीजेआई ने आदेश के अमल पर तात्कालिक रोक लगाते हुए मामले को उन्हीं जजों की बेंच के पास भेज दिया। अगले दिन हालात तब गंभीर बन गया जब मामला उसी बेंच के सामने फिर से लाया गया। जस्टिस हीमा कोहली और जस्टिस नागरत्ना की बेंच ने कहा कि डॉक्टर को दो दिनों पहले ज्यादा स्पष्ट और सरल रिपोर्ट देनी चाहिए थी। पिछली रिपोर्ट में अस्पष्टता क्यों थी? पिछला आदेश बेंच ने एम्स की ओर से पेश रिपोर्ट के मद्देनजर ही पारित किया था। पिछली रिपोर्ट में अस्पष्टता थी और अब नई रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि इस बात की संभावना है कि भ्रूण जिंदा पैदा हो सकता है। आप बताएं कि कौन सा कोर्ट है जो कहेगा कि भ्रूण की जिंदगी को खत्म कर दिया जाए? कौन सा कोर्ट दिल की धड़कन को बंद कर देगा? जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि कौन सा कोर्ट ऐसा करेगा? बेंच ने वर्चुअल तौर पर पेश महिला और उनके पति से भी बात की और नई रिपोर्ट के बारे में उन्हें बताया। उनके वकील से कहा कि उन्हें अब क्या कहना है, यह बताएं। कोर्ट ने कहा कि यहां हम महत्वपूर्ण जिंदगी के बारे में बात कर रहे हैं और कोई रिस्क नहीं चाहते। तब इस पर कई बड़े वाजिब और गंभीर सवाल उठने लगे। सबसे बडी बात तो यह कि एम्स की जो एक्सपर्ट कमेटी इस मामले को देख रही थी, उसने अपनी पहली रिपोर्ट में यह बात क्यों नहीं कही कि भ्रूण के जिंदा रहने की संभावना है।दूसरा सवाल सुप्रीम कोर्ट में कामकाज के ढंग से जुड़ा था। पूछा गया कि केंद्र सरकार सर्वोच्च अदालत की एक बेंच के फैसले के खिलाफ मौखिक रूप से कैसे सीजेआई के पास जा सकती है। इस पर बेंच ने केंद्र को ठीक ही कड़ी फटकार लगाई और कहा कि यह गलत परिपाटी चल गई तो पूरी न्यायिक व्यवस्था चरमरा जाएगी। इस प्रकरण का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि 26 हफ्ते की प्रेग्नेंसी के साथ इंसाफ मांगने आई वह महिला अभी भी न्याय का इंतजार ही कर रही है।

सिसकती,कराहती मानवता

संजीव ठाकुर

पूरा विश्व जहां महिला सशक्तिकरण और बच्चों को कुपोषित होने के लिए सशक्त मुहिम चला रहा है वहीं दूसरी तरफ युद्ध और हिंसा मानवता के चिथड़े उड़ा रहा है। ताजा-ताजा हमास और इजरायली युद्ध में बच्चों और महिलाओं पर अत्याचार देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं इसी तरह यूक्रेन रूस युद्ध में सर्वाधिक नुकसान बच्चों और महिलाओं की मौत से ही हुआ है। युद्ध और हिंसा से चाहे पिता,भाई या पुत्र की मृत्यु हो परिणाम स्त्रियों को ही भुगतना पड़ता है। घरों के टूटने और नष्ट होने पर भी स्त्रियों बच्चों पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है स्त्रियां,बच्चे बेघर होकर अनाथ हो जाते हैं हर तरफ त्राहिमाम मच जाता है। इसराइल हमास युद्ध में हजारों स्त्रियां और बच्चे मौत से साक्षात्कार कर रहे हैं, मानवता सिसक रही है मौत का तांडव अपना परचम लहरा रहा है रूस यूक्रेन युद्ध में भी सर्वाधिक नुकसान महिलाओं तथा बच्चों का ही हुआ है। हिंसा और युद्ध से सर्वाधिक नुकसान महिलाओं और बच्चों का ही क्यों होता है? क्या इसे रोका नहीं जा सकता है। इसी तरह मणिपुर की महिलाओं पर शर्मनाक और अमानवीय पुरुष समाज की हरकतों से पूरा समाज और पूरा देश लज्जित हुआ है। छोटी बच्चियों से लेकर बड़ी बूढ़ी महिलाओं तक शारीरिक, सामाजिक शोषण समाज के लिए एक काला अध्याय था 1 हम अपने पशुओं की तरह व्यवहार के कारण लज्जित तो हुए ही पर उसके पश्चात कोई पछतावा दिखाई नहीं देता है। पूरे विश्व समेत देश के कोने कोने से महिलाओं को अपमानित करने की घटनाएं रोज हो रही हैं क्या हमारे नैतिक मूल्य और आस्थाये अब पूर्ण रूप से स्खलित हो चुकी है नैतिक मूल्यों का क्षरण अचानक तेज होता जा रहा है1 धन तथा पद और साम्राज्यवाद की लोलुपता ने सारी हदें पार कर दी हैं1 समाज पुरुष प्रधान होने का यह मतलब कतई नहीं होना चाहिए कि स्त्री और बच्चे ही हर ज्यादति और अत्याचार की शिकार होते रहें?आइये हम भी अपने देश का भी एक विवेचनात्मक विश्लेषण करें ।प्राचीन काल से अब तक स्त्री ही पुरुष तथा समाज के दमन का केंद्र रही है1 शिक्षा तथा आर्थिक स्थिति के विकास के बाद भी स्त्रियों की दयनीय स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन नहीं आया है देश की आबादी की 45% आबादी महिलाओं की है पर अभी तक स्त्रियों की स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन परिलक्षित नहीं हुआ है,यह एक चिंतनीय समाजिक समस्या हमारे सामने ज्वलंत खड़ी है1भारतीय समाज की विशेषता है कि यह क्रमिक रूप से बाहरी मूल्यों को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है जिसके फलस्वरूप आज समाज विभिन्न संस्कृतियों, सभ्यताओं तथा मूल्यों का अद्भुत समूह बन गया, यूं कहें कि अलग-अलग सभ्यताओं के पुष्पों का एक रंग बिरंगा गुलदस्ता ही बन गया है1 वही सभ्यताओं के आत्मसात करने के परिणाम स्वरूप पाश्चात्य सभ्यता से हिंदुस्तानी समाज में बड़ी विसंगतियां जन्म लेने लगी है। सभ्यताएं तो आई लेकिन अपनी बुराइयों को भी लेकर आई हैं। इससे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन ही हुआ है। और इसके अलावा पाश्चात्य सभ्यता ने खुलेपन आमंत्रित कर युवाओं तथा पुरुषों के मन में वासनात्मक कुंठा को जन्म दिया है। जिसके कारण महिलाओं पर यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है। आज भारतीय समाज निश्चित तौर पर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और यही वजह है कि पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रवृतियों मानसिक भावनाओं को संक्रमित कर कुंठा को जन्म दिया है। यही कारण है कि मानसिक संक्रमण से भारतीय समाज पाश्चात्य सभ्यता का अंधा अनुसरण कर रहा है जिसके कारण मानवीय मूल्यों में नैतिक स्खलन स्पष्ट दिखाई देने लगा और इस नैतिक गिरावट से हिंसा में काफी वृद्धि हुई है।

जातिगत गणना - वोट के लिए समाज को तोड़ने की साज़िश

श्याम जाजू

बिहार में अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जातिगत जनगणना के नतीजे जारी किए हैं जो 17 साल से सत्ता पर काबिज़ नीतीश कुमार की मंशा पर सवाल उठाते हैं। बिहार जैसे प्रदेश में जहां पहले लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और फिर नीतीश कुमार के नेतृत्व में कुल 32 वर्षों से पिछड़ों का ही राज हो, वहां आज भी पिछड़ों के पिछड़ा रह जाने का राग अलापा जाए तो सवाल खड़े ही होंगे। जाहिर है इतने वर्ष चुप रहने के बाद चुनावी फायदे की चाह में करवाई गई जाति जनगणना एक राजनीतिक षड्यंत्र और प्रपंच ही है। वैसे भी बिहार में व्यग्तिगत राजनीतिक स्वार्थों के लिए की गयी ये प्रक्रिया संविधान के मूल ढाँचे का उल्लंघन है, क्योंकि 1948 के जनगणना क़ानून में जातिगत जनगणना करवाने का कोई प्रावधान ही नहीं है। जनगणना का विषय संविधान की सातवीं अनुसूची की पहली सूची में आता है और इसलिए इस तरह की जनगणना को कराने का अधिकार केवल केंद्र सरकार को है। इसलिए बिहार सरकार द्वारा की गयी जाति जनगणना न केवल असंवैधानिक है, बल्कि देश को राजनीतिक लाभ के लिए बाँटने और तोड़ने की एक कुत्सित साज़िश है। दरअसल इन जातीय गणना करवाने वालों का समाज की बेहतरी से कोई लेना देना नहीं है। इनके द्वारा जातिगत गणना को ऐसे अंतिम दांव के रूप में देखा जा सकता है जो लोगों को कुशासन, बेरोज़गारी, बिगड़ती कानून व्यवस्था के मुद्दों से भटका कर और जातियों में बांटकर उलझाना चाहता है, जिससे समाज बँट जाए और बंटे हुए वोट शायद इनकी चुनावी नैय्या पार लगा दें। नीतीश कुमार और लालू यादव हमेशा की तरह ही जाति में आग लगाकर अपनी रोटी सेंक कर सत्ता में बने रहना चाहते हैं। देश, समाज और गरीबों के हालात से न इन्हें कभी सरोकार रहा है, न कभी रहने वाला है। जातीय जनगणना के समर्थक नेता कह रहे हैं कि जातियों की गणना से लोगों की स्थिति सुधरेगी। पर गरीबों का आंकड़ा तो सरकार के पास पहले से ही है। बिहार के कितने लोग गरीब और पिछड़े हैं, इसकी पूरी जानकारी शासन के पास है।

तो क्यों नहीं सुधार किया अब तक? चाहे दलित हों, पिछड़े हों या मुसलमान हों, नीतीश कुमार और लालू-राबड़ी सरकार में उनकी हालत बद से बदतर ही हुयी है। दरअसल, इनका दलित व पिछड़ा प्रेम सिर्फ जबानी जमा-खर्च है और कुछ नहीं. चाहे लालू यादव या नितीश कुमार हों या कांग्रेस या स्व मुलायम सिंह यादव, इन्होने हमेशा गरीबों का इस्तेमाल ही किया है। कभी जाति, कभी मज़हब, कभी संप्रदाय के धागों में उलझा कर इन नेताओं ने उन्हें एक ऐसा वोट का एटीएम समझा है जिसमे कुछ बटन दबा कर जब चाहे अपने पाले में वोट डलवा लो।सच तो यह है कि इस बात को कोई ठोस आधार नहीं है कि सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की रफ़्तार जाति और वर्ग-भेद के कारण थमी हुयी है और जाति के खांचे में बटते ही सर्वव्यापी सुधार होने लगेगा। जाति जनगणना के बाद गरीब की स्थित में प्रभावी परिवर्तन आ जायेगा, इसका भी कोई प्रामाणिक आधार नहीं है. वैसे भी आज के जमाने मे आरक्षण सहित हर क्षेत्र मे बिना बाधा समान अवसर उपलब्ध हैं तो जातिगणना से कैसे कुछ नया हो जायेगा? जाति जनगणना के समर्थकों का यह तर्क कि इससे विभिन्न जातियों के मध्य व्याप्त विसंगतियों को समाप्त करने में सहायता मिलेगी भी संदेहास्पद है, क्योंकि यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि समाज में सब से अधिक विसंगतियां जाति-आधारित विभाजन से ही आयी हैं और अगर मान भी लीजिये कि जातिगत जन गणना से यह पता चल भी जाता है कि फलां जाति संख्या में कम या ज्यादा है तो इससे सरकार की लोककल्याणकारी नीतियों को कैसे बदला जाएगा? इसके उलट, जातीय विभाजन लोक-विमर्श के केंद्र में आने से वास्तविक उपेक्षा की मार झेल रहे वर्गों के चिन्हित होने और प्रताड़ित होने की सम्भावना बढ़ जाएगी।गरीबों का भला उनको जाति और उपजाति के रूम में चिन्हित करने से नहीं होगा बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति और 'अंत्योदय' की अवधारणा से उनका उद्धार करने से होगा। आज समय बराबरी का है और बढ़ते हुए भारत में लगातार बढ़ते समान अवसरों का है. होना तो यह चाहिए के समाज में सभी को बराबर समझा जाये और सभी को उन्नति अवसर दिए जाएँ. जो सही में पिछड़े हैं, शासन उनकी शक्ति बने और जो कल के पिछड़े आज सशक्त और समर्थ बन गए हैं वो स्वेच्छापूर्वक आरक्षण लाभ का त्याग कर अन्य सामाजिक और आर्थिक तौर पर पिछड़े नागरिकों के लिये जगह बनाएं। इसके लिए सरकार को नहीं, समाज को ही आगे आना होगा। वैसे भी आज राज्य विकास के कई प्रकल्पों से स्वयं को अलग कर रहा है। उदारीकरण के बाद राज्य अब सबसे बड़ा नियोक्ता भी नहीं रहा। शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, आवास और आहार जैसे मूलभूत प्रकल्प निरंतर नव-उदारवाद से प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में बढ़ते, विकसित होते हुए समाज की प्रगति को रोक कर अपने क्षुद्र राजनीतिक फायदों के लिए जातीयता का संघर्ष बढ़ाना क्या उचित है? लग तो यह रहा है कि नेताओं का एक वर्ग नई चुनौतियों के नए समाधान खोजने की बजाए देश को पुरानी उलझनों में ही उलझाए रखना चाहता है। इस तथ्य से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि हमारे समाज में अधिकाशंतः आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक पिछड़ापन जाति से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसके मूल कारण में सिर्फ जाति ही नहीं है, सदियों की दासता और अनेक ऐतिहासिक कारण भी हैं। इसको सिर्फ जाति से जोड़कर देखना उचित नहीं होगा। अगर जाति जनगणना के समर्थकों की बात मानकर ऐसा किया जाए ताकि हर जाति की असल संख्या और जनसंख्या दर्ज हो तो इससे क्या लाभ होगा? क्या वाकई जातीय संख्या उल्लेखित होने से समावेशी विकास और नीति-निर्माण को बल मिलेगा? क्या समावेशी विकास को केवल जाति के आधार पर पुनः परिभाषित करने से विकास सुनिश्चित हो जायेगा? यह भी कहा जा रहा है कि हर जाति की संख्या जानकर हम समानता की राह पर आगे बढ़ेंगे, लेकिन क्या इससे अन्तरजातीय प्रतिस्पर्धा और अंतहीन सामाजिक संघर्ष नहीं बढ़ेगा? देश के प्रधानमंत्री आज जब यह कह रहे हैं कि सबसे बड़ी आबादी गरीबों की है तो इसके पीछे भी बहुत बड़ा संदेश छिपा है। वो यह बता रहे हैं कि गरीब-गरीब होता है, वो अगर जातियों में बिखर गया तो फिर उसके साथ वही होगा जो लंबे समय से होता आया है-पिछड़े, गरीब की रट लगा-लगाकर सत्ता सुख भोगते रहो।

पहले ये काम विदेशियों ने किया अब देश के कुछ राजनितिक दल यह करना चाहते हैं। कांग्रेस के नेता राहुल गाँधी कह रहे हैं देश में जिनकी जितनी आबादी है, उन्हें उनका उतना हक मिलना चाहिए। यह एक बहुत ही गैर-जिम्मेदाराना बयान है। अगर सब कुछ जनसंख्या से ही तय होना है तो फिर हर जाति और मज़हब अपनी-अपनी जनसंख्या बढ़ाने पर लग जायेगा और आबादी के बोझ से दबा यह देश और दब जायेगा। चाहे राहुल हों या नितीश कुमार, इन्हें सिर्फ अपनी सत्ता की परवाह है न कि गरीबों या पिछड़ों की बिहार में अगर नीतीश और लालू को वास्तव में अतिपिछड़ों की परवाह है तो उन्हें सत्ता पर अपना कब्ज़ा छोड़ देना चाहिए और अतिपिछड़े वर्ग के लोगों को बागडोर सौंप देनी चाहिए। पर न वो ऐसा कभी करेंगे न कांग्रेस शासित राज्य, क्योंकि यह उनके स्वार्थ से मेल नहीं खाता। जातीय जनगणना की कवायद बिहार की गरीब जनता में भ्रम फैलाने के सिवाय कुछ नहीं है। रिपोर्ट तो यह आनी चाहिए थी कि नितीश कुमार और लालू यादव ने अपने ३२ साल के शासन में गरीबों का कितना उद्धार किया, कितने लोगों को नौकरियां दीं? पर अगर ये आंकड़े आ गए तो सारी सच्चाई सामने आ जाएगी और वो गरीबों की आँखों में धूल नहीं झोंक पाएंगे।

बैंक फ्रॉड: क्या सही रफ़्तार से हो रही जाँच?

रजनीश कपूर

बैंक फ्रॉड के मामलों में जाँच एजेंसियों के ढुलमुल रवैये पर सवाल उठे आए हैं। संसद में भी इन मामलों को लेकर विपक्ष द्वारा सवाल उठते रहे हैं कि देश में ऐसे कितने लोग या कंपनियाँ हैं जिन्होंने देश के बैंकों के साथ धोखाधड़ी की है? इसके साथ ही ऐसे कई मामले हैं जिन पर सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय, इनकम टैक्स और अन्य वित्तीय घोटालों की जाँच एजेंसियां ढुलमुल रवैया अपना रही हैं? देश भर में ऐसे कई शातिर दिमाग़ के व्यापारी हैं जो बैंकों को हज़ारों करोड़ का चूना लगा कर देश या विदेश में खुलेआम घूम रहे हैं।

जाँच एजेंसियाँ केवल चंद लोगों पर ही शिकंजा कसे हुए है। क्या जाँच एजेंसियों के पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं? क्या उन्हें गिने-चुने मामलों पर जाँच करने के ही आदेश हैं? क्या सालों से लंबित पड़े हज़ारों करोड़ के अन्य मामले उनकी प्राथमिकता सूची पर नहीं हैं? गौरतलब है कि जिन मामलों में सीबीआई या अन्य जाँच एजेंसियों को तत्तपर्ता दिखानी होती है वहाँ तो रातों-रात गिरफ़्तारी भी हो जाती है और कार्यवाही भी गति पकड़ती है। परंतु जहां ढील देने का मन होता है या ऊपर से ढील देने के 'निर्देश' होते हैं, वहाँ विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहूल चौकसी जैसे आर्थिक अपराधियों को देश छोड़ कर भाग जाने का मौक़ा भी दे दिया जाता है। बैंक फ्रॉड के मामलों में, बिना बैंक के अधिकारियों की साँठ-गाँठ के कोई भी बैंक को धोखा नहीं दे सकता। आरबीआई के आँकड़े बताते हैं कि देश के 'टॉप 50 विल्फुल लोन डिफ़ॉल्टरों' के ऋण की राशि हज़ारों करोड़ रुपये बैठती है। ये रक़म इतनी ज़्यादा कैसे हो गई? क्या बैंक के अधिकारी सो रहे थे? यदि कोई आम आदमी अपनी नई गाड़ी या नए घर के लिये बैंक से छोटा सा ऋण लेता है तो तमाम दस्तावेज़ों पर साइन कराए जाते हैं।

गारंटी के तौर पर उसकी चल-अचल संपत्ति के दस्तावेज़ों को भी बैंक अपने पास गिरवी रख लेता है। परंतु देश के नामी बैंक लुटेरों के लिए सभी नियम और क़ानूनों की धज्जियाँ उड़ा दी जाती हैं। ऐसा केवल इसीलिए होता है कि क़र्ज़ लेने वाला बैंक अधिकारियों को क़र्ज़ लेने की एवज़ में मोटी रिश्वत देता है। क़र्ज़ और ब्याज की राशि जब बहुत बड़ी हो जाती है और बैंक अधिकारी की नौकरी पर बन आती है तो शिकायत और जाँच का नाटक शुरू हो जाता है। परंतु इन भ्रष्ट बैंक अधिकारियों पर कोई करवाई नहीं होती। लोक सभा पिछले सत्र में एक सवाल का उत्तर देते हुए भारत सरकार के वित्त राज्य मंत्री डॉ भागवत कराड ने बताया कि 31 मार्च 2022 को ख़त्म होने वाले वित्तीय वर्ष में 'टॉप 50 विल्फुल लोन डिफ़ॉल्टरों' ने बैंकों के साथ 5,40,958 करोड़ धोखाधड़ी की है। लोक सभा में दिये गये इसी उत्तर में देश के 'टॉप 50 विल्फुल लोन डिफ़ॉल्टरों' की सूची में छटे नंबर पर एक नाम फ्रॉस्ट इंटरनेशनल लिमिटेड का भी है। सूची के अनुसार इनके बैंक फ्रॉड की रक़म 3311 करोड़ है। इस कंपनी पर 14 बैंकों के एक समूह के साथ धोखाधड़ी का आरोप है। इस कंपनी के निर्देशकों में उदय देसाई, सुजय देसाई, सुनील वर्मा, अनूप कुमार, बलदेव राज वढ़ेरा और अन्य हैं। ग़ौरतलब है कि बैंक ऑफ़ इंडिया और इण्डियन ओवरसीज़ बैंक ने 2020 में उदय देसाई और 13 अन्य लोगों के ख़िलाफ़ सीबीआई में धोखाधड़ी के मामलों की एफ़आईआर लिखवाई थी। इतना ही नहीं बैंकों द्वारा इस समूह के निर्देशकों के ख़िलाफ़ 'लुक आउट नोटिस' भी जारी करवाया गया। परंतु इस मामले की जाँच कर रही एजेंसियाँ किन्हीं कारणों से इस गंभीर मामले पर फुर्ती नहीं दिखा रही हैं। 2020 में जब इस मामले की एफ़आईआर दर्ज हुई थी तब यह मामला नीरव मोदी और मेहूल चौकसी के 13000 करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले के बाद दूसरा सबसे बड़ा मामला था। बैंक की एफ़आईआर में उदय देसाई और उनके सहयोगियों पर आरोप है कि बैंक से लोन लेने के लिये इन्होंने फ़र्ज़ी दस्तावेज जमा कराए। देसाई बंधुओं के खाते में तनाव के संकेत तब दिखाई देने लगे जब निर्यात आय प्राप्त नहीं होने के कारण बैंकों के साथ साख पत्र हस्तांतरित होना शुरू हो गए। देसाई की कंपनी के खाते को अंततः बैंक कंसोर्टियम द्वारा गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया। बैंक द्वारा कंपनी के खातों का 'फॉरेंसिक ऑडिट' भी करवाया गया, जिसमें यह पाया गया कि किसी भी माल का कोई वास्तविक निर्यात हुआ ही नहीं था। लोडिंग और डिस्चार्ज पोर्ट की तुलना में जहाज की आवाजाही के आँकड़े भी बेमेल थे।

फॉरेंसिक जाँच में यह भी पता चला कि देसाई समूह ने अपने ही चिर- परिचित लोगों को असुरक्षित ऋण प्रदान कर धन शोधन भी किया है। बैंक फ्रॉड जैसे बड़े घोटालों की जाँच कर रही एजेंसियों का ढीला रवैया ही ऐसे अपराधियों को देश छोड़ने का मौक़ा देते हैं। अगर सही वक्त पर एजेंसियों द्वारा कड़ी कार्यवाही की जाती है तो जनता के बीच यह संदेश जाता है कि जाँच एजेंसियाँ अपना काम स्वायत्तता और निष्पक्ष रूप से कर रहीं हैं। देश की शीर्ष जाँच एजेंसियों का सिद्धांत यह होना चाहिये कि किसी भी दोषी को बख़्शा नहीं जाएगा। फिर वो चाहे किसी भी विचारधारा या राजनैतिक पार्टी का समर्थक ही क्यों न हो। ऐसा करने से अपराधियों के बीच भी ख़ौफ़ का संदेश जाएगा और लोगों का इन एजेंसियों पर विश्वास भी बढ़ेगा।

भारत को अपनी सामरिक तैयारियों को दुरुस्त रखना होगा

मनोज कुमार अग्रवाल

इजराइल पर जिस तरह एकाएक सुनियोजित ढंग से कट्टरपंथी आतंकी संगठन हमास ने हमले किए हैं उन्हें मद्देनजर रखते हुए भारत को भी अपने प्रतिरक्षा तंत्र सामरिक तैयारी व खुफिया तंत्र को पड़ताल करने की जरूरत है। मौजूदा हमास के हमलों ने पुरानी कहावत अक्षरशः सत्य साबित कर दी है कि जागू से लागू बड़ा खतरनाक होता है जिस तरह हमास ने इसराइल के विश्व में सबसे उन्नत समझे जाने वाले प्रतिरोधक प्रतिरक्षा तंत्र को दरकिनार कर एक ताबड़तोड़ खूनी खेल की दरिंदगी भरी गाथा को अंजाम दिया है और भारी खून खराबा किया है उसने तमाम प्रतिरोधक तंत्र के बूते पर देश की सुरक्षा का दावा करने वाले सभी प्रतिरक्षा सिस्टम की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है खुद भारत भी इजरायल के प्रतिरक्षा तंत्र पर भरोसा करता रहा है तथा प्रतिरक्षा तंत्र की काफी सारी तकनीक भारत ने इसराइल से ली है लेकिन मौजूदा हमले में जिस तरह से इसराइल का प्रतिरक्षा तंत्र नकारा साबित हुआ है उसे देखते हुए भारत को अपनी प्रतिष्ठा बरकरार रखने के लिए सामरिक प्रतिरोधक तंत्र को परखने की जरूरत है क्योंकि भारत की सीमाएं दुश्मन देशों से घिरी हैं जिन पर मजहबी उन्मादी संगठन घात लगाकर मौके की फिराक में बैठे हैं जरा सी चूक भी भारत की साख और अस्मिता की रक्षा पर बट्टा लगा सकती है। जरूरत इस बात की है कि भारत अपनी तमाम प्रतिरक्षा प्रणाली की समीक्षा करें तथा उन्नत से उन्नत तकनीक को स्थापित कर देश की सुरक्षा व्यवस्था को चाकचोबंद करें क्योंकि भारत को हिज्बुल मुजाहिदीन अलकायदा आइएसआई समेत दर्जनों कट्टरपंथी संगठनों व दुश्मन देश की एजेंसियों से लगातार खतरा बना हुआ है यह किसी से छुपा नहीं है। ऐसी स्थिति में भारत की उन्नत तकनीक की सुरक्षा प्रतिरक्षा प्रणाली ही भारत की 140 करोड़ आबादी के मान सम्मान और जीवन की सुरक्षा की गारंटी हो सकती है। जैसा कि आप जानते हैं कि विश्व के इकलौते यहूदी देश इजराइल की नींद शनिवार सुबह गाजा पट्टी से किए गए युद्धस्तर के आतंकी हमलों से खुली। दावा किया जा रहा है कि गाजा में शासन कर रहे आतंकी संगठन हमास ने एक साथ 5000 से अधिक रॉकेट इजराइल पर दाग दिए। साथ ही, दोनों के बीच लगाई गई कंटीली तार की बाड़ को बुलडोजरों से तोड़कर हमास के कई कट्टरपंथी आतंकी इजराइल में घुस गए और इजराइल के आम नागरिकों पर हमले शुरू कर दिए। इजराइल ने बताया कि इन आतंकी हमलों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और 280 लोग घायल हैं, जिनमें से 60 की हालत गंभीर है। आपको बता दें कि 2021 में हमास ने 5 मिनट में इजराइल पर 137 रॉकेट दागे थे। इनमें से 90% रॉकेट को इजराइल के आयरन डोम सिस्टम ने हवा में ही खत्म कर दिया था। इजराइल के इस एयर डिफेंस से बचने के लिए हमास ने 20 मिनट में ही 5 हजार रॉकेट दाग दिए। इससे एंटी मिसाइल सिस्टम आयरन डोम बेअसर हो गया।घुसपैठ के दस घंटे बीत जाने के बाद भी हमास चरमपंथियों और इजराइली इलाकों में उनकी सेना से मुठभेड़ जारी है। हमास का हमला बहुत सुनियोजित था एक साथ पांच हज़ार मिसाइल दूसरी ओर बुलडोजर से बाड़ेबंदी तोड़ना और तीसरे स्पीड बोट से समुद्री रास्ते से इजराइल पर अटैक के चलते बाड़ेबंदी रडार और आयरन डोम समेत तमाम डिफेंस सिस्टम फेल हो गया। अधिकांश भारतीयों पर इजराइल पर हुए इन आतंकी हमलों से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। किन्तु ये आतंकी हमले वास्तव में भारत के लिए भी चिंता एवं आत्ममंथन का विषय हैं। इजराइल को हमेशा आत्मरक्षा में तत्पर सर्वाधिक सक्रिय देश माना जाता है। उसका डोम सिस्टम मिसाइल व रॉकेट सुरक्षा प्रणाली ऐसा है जो सैकड़ों रॉकेट और मिसाइलों को क्षणों में आसमान में ही नष्ट कर सकता है। तभी हजारों रॉकेट दागने के बावजूद आतंकी हमले में 22 लोगों की मौत हुई। अन्यथा इतने बड़े हमले में हजारों लाशें बिछ जातीं। किन्तु इतना तगड़ा सुरक्षा घेरा होने के बावजूद उस पर आतंकी हमला हो गया। क्या भारत ऐसे किसी हमले को झेलने के लिए तैयार है? जैसे इजराइल दुश्मन देशों से घिरा है, वैसे ही भारत के पड़ोस में भी पाकिस्तान और चीन सरीखे दुश्मन मौजूद हैं। आतंकी हमले कराने में पाकिस्तान को तो महारत हासिल है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार भारत ने मिसाइल रक्षा प्रणाली तो खरीद ली है, किन्तु हमारी सीमाओं पर अनेक जगह इजराइल जैसी सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। पाकिस्तान से कश्मीर में घुसते आतंकी इसका सबसे बड़ा प्रमाण हैं। मोदी सरकार के दौरान की बात छोड़ दें तो भारत की नीति वैसी त्वरित प्रतिक्रिया देने की भी नहीं रही, जैसी इजराइल ने दी है।

जिसकी जैसी सोच

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सर्विस रोड से सटकर एक गाँव था। उसके बाहरी इलाके में दो गर्म खून वाले युवक बाइक से फिसलकर गिर पड़े। उधर दूसरी ओर से आ रहे एक ग्रामीण ने जोर से चिल्लाना शुरु किया – "ओ हरिया!, ऐ झब्बल!, अरे सुना हो गणेश! जल्दी आवा-जल्दी आवा! देखा यहाँ जोरदार एक्सीडेंट भयल बा!" सभी खेत में से अपने काम छोड़-छाड़कर दौड़ते हुए आने लगे। उधर गणेश ने अपने गाँव के वाट्सप समूह में संदेश भेज दिया कि फलाँ के खेत के पास एक्सीडेंट हुआ है, जल्दी से आ जाइए। उधर गाँव के भीतर जब यह खबर पहुँची तब किसी ने किसी को बताया कि गाँव के बाहर एक्सीडेंट हुआ है, तो उसने अपने साथियों को फोन लगाया और चिल्लाते हुए कहने लगा – "अरे सुनते हो! गाँव के बाहर एक्सीडेंट हुआ है न जाने कितने लोग मर गए हैं पता नहीं, जल्दी करो।" यह घटना अंधों के बीच हाथी वाली थी। जिसे जो समझ में आया वह बताने लाग। फिर क्या था सभी दुर्घटनास्थल पहुँचने के लिए आतुर होने लगे। जिसके पास जो गाड़ी थी वह उसी पर निकल पड़ा। जिनके पास कुछ नहीं था वे गाँव के टैंपो में ठूस-ठूस कर ऐसे बैठे जैसे एक्सीडेंट नहीं मेला देखने जा रहे हैं। कुछ सहानुभूति के लिए 'च...च...च...च...च...' कहता तो कोई कहता 'बहुत दिन हुआ एक्सीडेंट देखे'। एक बुजुर्ग जो एक्सीडेंट में घायल युवक को गौर से देख रहा था, अचानक कहने लगा – "अरे-अरे! कितना जोरदार एक्सीडेंट हुआ है। जहाँ-तहाँ बदन छिल गया है। खून तो एकदम झरने के जैसा बहा जा रहा है।" साथ में एक और बुजुर्ग खड़ा था, वह कहने लगा – "जल्दी से अस्पताल को फोन लगाया जाए, हो सकता है बच जाए।" पहले बुजुर्ग ने आँखें मूँदकर सिर हिलाते हुए कहा – "कोई फायदा नहीं। फोन का बैलेंस बर्बाद करने के सिवाय। देखते नहीं कितनी सारी अंदरूनी चोटें आई हैं। बचना मुश्किल है।"पीड़ा से कराहते हुए एक युवक ने कहा – "ऐसा मत कहिए। जल्दी से एंबुलेस वालों को फोन लगाइए। बड़ा दर्द हो रहा है।" तभी एक और आदमी पहुँचा। दोनों बुजुर्गों से पूछते हुए खुद सवाल-जवाब करने लगा – "अरे-अरे! ऐसे कैसे हो गया एक्सीडेंट? अच्छा वो वहाँ से फिसलकर यहाँ आकर गिरे हैं। च...च...च...मैंने अपने चालीस बरस के जीवन में इतना भयंकर एक्सीडेंट कभी नहीं देखा है। न जाने आजकल के युवाओं को क्या हुआ है? न जाने कहाँ जाने की जल्दी रहती है? वैसे गलती इनकी नहीं इनके माँ-बाप की है। बिगड़े नवाब के बिगड़े लाड़साहब हैं। सिर पर चढ़ायेंगे तो एक्सीडेंट नहीं होगा तो क्या इनाम मिलेगा? देखो न गाड़ी का एक पहिया उधर हरिया के खेत के पास पड़ा है। वैसे यह गाड़ी कहाँ की है? अच्छा तेलंगाना का नंबर प्लेट लगा है। हो न हो यह आंध्र प्रदेश का ही होगा। आजकल बित्ते भर के छोकरे यही सब तो करते हैं। पढ़ना-लिखना तो है नहीं। सड़क के सीने पर चढ़कर चले हैं रोमियो बनने। मैंने ऐसे युवकों को लाख समझाया। कोई सुनता थोड़े न है। जिसे देखो उस पर हीरो बनने का जुनून सवार है।"वह कुछ और कहता है तभी गाँव से एक टैंपो धड़धड़ाकर घटनास्थल पर आकर रुका। लोग उसमें एक के ऊपर एक ऐसे लदे थे जैसे वे आदमी नहीं धान की बोरियाँ हों। चालक का तो पता ही नहीं चल रहा था। वे सब दौड़े-दौड़े घटनास्थल में पड़े युवकों को खोजने लगे। तभी किसी ने बताया – "अरे आने में देर कर दी। अभी-अभी एक को एंबुलेंस में ले गए। हाँ एक पड़ा है देख लो उसे। उसकी प्राथमिक चिकित्सा कर दी गई है।" लोग चालक को डाँटते हुए कहने लगे – "ससुरे को टैंपो चलाना आता भी है कि नहीं! टैंपो चला रहा था कि बैलगाड़ी। रास्ते भर कहते-कहते थक गए कि जल्दी करो।

शारदीय नवरात्रि की घट स्थापना 15 को

हाथी पर सवार होकर आएंगी देवी दुर्गा, नवरात्रि की शुरुआत के वार से तय होता है देवी का वाहन

मां दुर्गा की सवारी शुभ या अशुभ

हर बार मां दुर्गा अलग-अलग वाहनों पर सवार होकर आती हैं। मां दुर्गा की सवारी घोड़ा, भैंस, डोली, मनुष्य, नांव या हाथी होते हैं। ये सभी वाहन शुभ व अशुभ का संकेत देते हैं। नांव व हाथी पर सवार होकर आना बेहद ही शुभ माना जाता है। मान्यता है कि अगर मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आती हैं तो वह अपने साथ सुख-समृद्धि और खुशियां लेकर आती हैं।

शशिसूर्ये गजारूढ़ा शनिभौमे तुरंगमे। गुरौ शुक्रे चदोलायां बुधे नौका प्रकीर्त्तिता।
गजे च जलदा देवी छत्र भंगस्तुरंगमे। नौकायां सर्वसिद्धि स्यात डोलायां मरण ध्रुवम

यह है श्लोक का अर्थ

इस श्लोक के अनुसार मां दुर्गा का वाहन पंचांग के अनुसार नवरात्रि की शुरुआत से तय होता है। उपरोक्त श्लोक के अनुसार इसका अर्थ यह है

रविवार और सोमवार को नवरात्रि का शुभारंभ हो, तो मां दुर्गा का वाहन हाथी है जो अत्यंत जल की वृष्टि कराने वाला संकेत होता है।

शनिवार और मंगलवार को नवरात्रि का शुभारंभ हो, तो मां दुर्गा का आगमन घोड़ा (तुरंग) पर होता जो राजा अथवा सरकार का परिवर्तन का संकेत देता है।

गुरुवार और शुक्रवार को नवरात्र का प्रथम दिन पड़े, तो मां का आगमन डोली में होता है जो जन-धन की हानि, तांडव, रक्तपात होना बताता है।

यदि नवरात्र का आगमन बुधवार हो तो मां दुर्गा नौका पर विराजमान होकर आती हैं और भक्तों को सभी सिद्धि देती हैं।

रविवार, 15 अक्टूबर से देवी दुर्गा का नौ दिवसीय पर्व नवरात्रि शुरू हो रहा है। रविवार को घट स्थापना होगा। ये पर्व 23 अक्टूबर तक चलेगा। इस साल देवी दुर्गा का वाहन हाथी है। शास्त्रों की मान्यता है कि नवरात्रि में जब देवी हाथी पर सवार होकर आती हैं, तब ज्यादा बारिश के योग बनते हैं।

वैसे तो देवी दुर्गा का वाहन सिंह है, लेकिन नवरात्रि की शुरुआत में वार के अनुसार देवी का वाहन बदल जाता है। इस बार नवरात्रि रविवार से शुरू हो रही है, इस कारण देवी का वाहन हाथी रहेगा। देवी के इस वाहन का संदेश ये है कि आने वाले समय में देश को लाभ हो सकता है। लोगों को सुख-समृद्धि मिलेगी।

नवरात्रि की शुरुआत के वार से तय होता है देवी का वाहन

देवी भागवत में लिखा है कि नवरात्रि की शुरुआत जिस वार से होती है, देवी का वाहन उसके अनुसार तय होता है। सप्ताह के सातों दिन के लिए देवी के अलग-अलग वाहन बताए गए हैं। जैसे जब नवरात्रि सोमवार या रविवार से शुरू होती है, तब देवी का वाहन हाथी रहता है। शनिवार या मंगलवार से नवरात्रि शुरू हो तो वाहन घोड़ा रहता है। गुरुवार या शुक्रवार से नवरात्रि शुरू हो तो देवी मां डोली में सवार होकर आती हैं। जब बुधवार से नवरात्रि शुरू होती है तो देवी का वाहन नाव होता है।

नवरात्रि की शुरुआत में ऐसी रहेगी ग्रहों की स्थिति

इस साल शारदीय नवरात्र पूरे नौ दिनों की है। नवरात्रि की शुरुआत में चंद्र तुला राशि में गोचर रहेगा। शनि और बुध अपनी-अपनी राशि में हैं। शनि कुंभ में और बुध कन्या में रहेगा। नवरात्रि के बीच में यानी 18 अक्टूबर को सूर्य तुला राशि में प्रवेश करेगा। तुला में सूर्य नीच का हो जाता है यानी इस राशि में सूर्य का बल कम हो जाता है। इन ग्रहों से शुभ फल पाने के लिए नवरात्रि के नौ दिनों में देवी पूजा करने से लाभ मिल सकता ।

नवरात्रि में ध्यान रखें ये बातें

नवरात्रि की प्रतिपदा से नवमी तक दुर्गा पूजा करने वाले भक्तों को साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। मन में गलत विचार न लाएं। श्रीदुर्गाशप्तसती का पाठ करें। नवरात्रि में व्रत करना चाहिए। नवरात्रि में छोटी कन्याओं को भोजन कराना चाहिए। जरूरतमंद कन्याओं को पढ़ाई की चीजें दान करें। कपड़े, जूते-चप्पल और धन का दान करें। जो लोग नवरात्रि में पूजा-पाठ करते हैं, उन्हें गुस्से से बचना चाहिए। घर में क्लेश न करें। लालच, झूठ, नशा, नकारात्मक विचार, इन बुराइयों से बचें।

नवरात्रि से पहले 14 अक्टूबर को सूर्य ग्रहण

भारत में नहीं दिखेगा ग्रहण, इस कारण देश में नहीं रहेगी धार्मिक मान्यता और सूतक

साल का अंतिम सूर्यग्रहण 14 अक्टूबर को लगने जा रहा है। 178 साल बाद यह संयोग बनने जा रहा है। साथ ही सर्वपितृ अमावस्या पर और भी अधिक शुभ संयोग रहेंगे। इसलिए इस दिन क्या करना चाहिए क्या नहीं यहां जानें।

इस साल 14 अक्टूबर को साल का अंतिम सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है। सर्वपितृ अमावस्या के दिन यह सूर्यग्रहण लगेगा। ज्योतिष के अनुसार, इस सूर्यग्रहण बहुत ही दुर्लभ संयोग में हैं। दरअसल, 178 साल बाद ऐसा सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है। आपको जानकारी के लिए बता दें कि धार्मिक दृष्टि से सूर्यग्रहण को अशुभ माना जाता है। इस दौरान राहु का प्रभाव अधिक बढ़ जाता है। लेकिन, इस बार 14 अक्टूबर को लगने जा रहा सूर्यग्रहण किन मायनों में खास रहेगा आइए विस्तार से जानते हैं।

सर्वपितृ अमावस्या पर 178 साल बाद बना अद्भुत संयोग

दरअसल, जिस दिन सूर्य ग्रहण लग रहा है उस दिन सूर्य और बुध एक साथ कन्या राशि में रहने वाले हैं। जिससे बुधादित्य योग का निर्माण होगा।

साथ ही इस दिन सर्व पितृ

अमावस्या भी है और वर्ष 1845 में अश्विन सर्वपितृ अमावस्या के दिन सूर्य ग्रहण लगा था। अब 14 अक्टूबर 2023 को 178 साल बाद इस बार भी सर्वपितृ अमावस्या और सूर्यग्रहण का संयोग बन रहा है। साथ ही 14 अक्टूबर को शनिवार होने के कारण शनि अमावस्या का योग भी रहेगा। इस संयोग की वजह से देव पितृ कार्य करना और दान पुण्य करना सामान्य अमावस्या के अपेक्षा कई गुना अधिक फलदायी होगा। इस शुभ संयोग में पितरों की निमित्त जो कर्म किए जाएंगे उनसे पितरों को संतुष्टि और मुक्ति मिलेगी। साथ ही आपके पितर जाते जाते प्रसन्न होकर सुख समृद्धि का आशीर्वाद देंगे। इससे न सिर्फ पितरों को बल्कि उनकी प्रसन्नता और मुक्ति के लिए जो भी कार्य करेंगे उसका लाभ उन्हें भी मिलेगा।

सर्वपितृ अमावस्या पर इन कार्यों से पाएंगे 4 गुना अधिक लाभ

इस दिन सूर्य को अर्घ जरुर दें। उस जल में कुमकुम जरुर मिला दें। घर के पास में कोई नदी या तालाब हो तो वहां जाकर तीन तीन अंजली जल लेकर सभी पितरों के नाम से अर्पण करें।

इस दिन अपनी राशि के अनुसार, अन्न और वस्तुओं का दान करना शुभ रहेगा।

अगर आप ब्राह्मण भोजन करा सकते हैं तो उत्तम फलदायी रहेगा। इस दिन पीपल की पूजा करें और किसी मंदिर में जाकर पीपल का पेड़ लगाना आपके कुल के लिए उत्तम रहेगा। आपके वंश की वृद्धि होगी।

सर्वपितृ अमावस्या पर शाम के समय करें यह छोटा सा काम

14 अक्टूबर दिन शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या है और यह पितृपक्ष का अंतिम दिन है। इसलिए इस तिथि को विसर्जनी अमावस्या भी कहते हैं। साथ ही इस दिन साल का अंतिम सूर्य ग्रहण भी लगने जा रहा है। सर्वपितृ अमावस्या पर सभी पितरों के नाम का श्राद्ध करने से पितरों की आत्मा तृप्त होती है और पितृ दोष से भी मुक्ति मिलती है। इस दिन ज्ञात अज्ञात और जिन लोगों की मृत्यु की तिथि याद ना हो, वे इस दिन अपने पितरों का श्राद्ध व तर्पण कर सकते हैं।

ज्योतिष शास्त्र में सर्वपितृ अमावस्या का महत्व बताते हुए कुछ उपाय भी बताए गए हैं। इन उपायों को करने से जीवन में सुख-शांति और समृद्धि रहती है और पितरों के आशीर्वाद से सभी कष्टों का निवारण होता है।

सर्वपितृ अमावस्या के इस उपाय से सभी कार्य होंगे पूरे

सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों को प्रसन्न करने के लिए तर्पण और श्राद्ध करने का विशेष महत्व बताया गया है। साथ ही इस दिन पितरों के नाम का दान भी अवश्य करना चाहिए। इस दिन गाय, कुत्ते, बिल्ली, कौए, चीटियों को भी अवश्य भोजन कराना चाहिए। ऐसा करने से पितर प्रसन्न होते हैं और सभी कार्य संपन्न होते हैं।

सर्वपितृ अमावस्या के दिन शाम के समय घर के दक्षिण दिशा में एक दीपक जलाना चाहिए। इसके बाद घर के मेन गेट के दोनों ओर दीपक रखना चाहिए। दीपक जलाकर पितरों से जाने अनजाने हुई गलती की माफी मांगनी चाहिए। साथ ही एक दोने में भोजन की कुछ चीजें रखकर गेट के पास रख दें। सर्वपितृ अमावस्या की शाम को ही सभी पितृगण अपने गंतव्य की ओर वापस चले जाते हैं। ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद बना रहता है और कभी किसी चीज की कमी नहीं होती। सर्वपितृ अमावस्या के दिन श्राद्ध कर्म के लिए बनाए गए भोजन से पंचबलि के लिए भोजन अवश्य निकालना चाहिए। पंचबलि अर्थात गाय, कुत्ते, कौआ, देव, चीटियां। इनके लिए भोजन का कुछ अंश निकालकर देना चाहिए। इसके बाद शाम के समय दक्षिणाभिमुख होकर पितरों को पितृ तर्पण करना चाहिए। ऐसा करने से पितर प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। शास्त्रों में बताया गया है कि पितरों के प्रसन्न होने पर ही देवतागण प्रसन्न होते हैं। सर्वपितृ अमावस्या के दिन पीपल में पितरों का वास माना जाता है इसलिए इस दिन पीपल के पेड़ पर कच्ची लस्सी, चीनी, चावल, दूध, जल, काले तिल, फूल अर्पित करें और ऊँ पितृभ्य नमः मंत्र का जप करें और 11 बार परिक्रमा करें। इसके बाद पितृसूक्त का पाठ करें। फिर शाम के समय पीपल पर दीपक जलाएं और काले तिल अर्पित करें। ऐसा करने से पितरों की कृपा से जीवन में सुख समृद्धि के मार्ग बनते हैं और पितरों की परिवार के सदस्यों पर कृपा भी बनी रहती है।

सर्वपितृ अमावस्या के दिन चीटियों को शक्कर मिलाकर आटा डालें, गाय को हरा चारा खिलाएं, मछलियों को आटे की गोलियां खिला दें।

पितृपक्ष में पशु पक्षियों को अन्न जल देना बहुत फायदेमंद बताया गया है। इसके बाद शाम के समय अपनी क्षमता अनुसार 2, 5 या 16 दीपक जलाने चाहिए। ऐसा करने से घर में हमेशा खुशहाली और शांति बनी रहती है और परिवार के सदस्यों की उन्नति होती है।

सर्वपितृ अमावस्या के दिन तर्पण और श्राद्ध कर्म करने के बाद गरीब व जरूरतमंद लोगों को भोजन अवश्य करना चाहिए।

साथ ही पितरों के नाम का सामर्थ्य अनुसार दान अवश्य करना चाहिए। ऐसा करने से पितर बेहद प्रसन्न होते हैं और वे अपने परिजनों की सभी परेशानियों को दूर करते हैं। साथ ही इस उपाय से आर्थिक परेशानियों से भी मुक्ति मिलती है।

पितृपक्ष में कर लें पीपल का इनमें से कोई एक उपाय

पीपल के पेड़ में पितरों का वास माना गया है। शास्त्रों के नियमानुसार पितृपक्ष में पीपल के पेड़ की पूजा करने से हमें पितरों का आशीर्वाद मिलता है और हमें कभी उनकी नाराजगी नहीं झेलनी पड़ती। सरसों के तेल का दीपक जलाएं पितृपक्ष में किसी भी दिन शाम के वक्त गोधूलि बेला में पीपल के वृक्ष के पास सरसों के तेल का दीपक जलाकर पितरों का स्मरण करें और उन्हें दीपदान करें। ऐसा करने से वह प्रसन्न होते हैं और उनका मार्ग रोशन होता है।

हनुमान चालीसा का पाठ

पितृपक्ष में पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर हनुमान चालीसा पढ़ने से हनुमान जी प्रसन्न होते हैं और जीवन की परेशानियों को हर लेते हैं। जीवन की हर बाधा समाप्त होती है।

पितृ अमावस्या पर करें यह उपाय

पितृ अमावस्या पर इस बार शनि अमावस्या का भी योग है। इस दिन पीपल वृक्ष के पूजन और सात परिक्रमा करने से और काले तिल से युक्त सरसों के तेल के दीपक को जलाकर छायादान करने से शनि की पीड़ा कम होती है और पितर भी प्रसन्न होते हैं।

अकाल मत्यु से बचने का उपाय

पितृपक्ष में सोमवार के दिन पीपल के 5 पत्ते लेकर उस पर सफेद चंदन से ऊं नमः शिवाय लिखकर शिवलिंग पर अर्पित करें। इस उपाय को करने से भगवान महाकाल आपकी अकाल मृत्यु से रक्षा करते हैं और आपको दुर्घटनाओं से बचाते हैं।

पीपल की परिक्रमा-पितृपक्ष में रोजाना सुबह स्नान के बाद अन्न जल ग्रहण करने से पीपल के पेड़ की 7 बार परिक्रमा करें और अपने पितरों का स्मरण करें।

सर्व पितृ अमावस्या पर अपनाएं ये सरल उपाय

29 सितंबर से शुरू हुए पितृ पक्ष 14 अक्टूबर को समाप्त होंगे। सर्व पितृ अमावस्या पितृ पक्ष का अंतिम दिन होता है तथा इस दिन पितरों के लिए खास अनुष्ठान किए जाते हैं। इसके अगले दिन से शारदीय नवरात्रि आरम्भ होती हैं। सर्वपितृ अमावस्या के दिन महालया अमावस्या, पितृ अमावस्या या पितृ मोक्ष अमावस्या भी बोलते हैं। अश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्व पितृ अमावस्या पड़ती है। अश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 13 अक्टूबर 2023 की रात 09 बजकर 50 मिनट पर होगा तथा 14 अक्टूबर की रात 11 बजकर 24 मिनट पर ख़त्म होगी। उदया तिथि के मुताबिक, इस वर्ष सर्व पितृ अमावस्या 14 अक्टूबर 2023 को मनाई जाएगी। वही इस दिन किए गए कुछ विशेष उपायों से पितरों की नाराजगी दूर होती है तथा पूर्वज प्रसन्न रहते हैं। आइये आपको बताते हैं सर्वपितृ अमावस्या के विशेष उपायों के बारे में।

ब्राह्मण और गरीबों को भोजन कराएं:-

सर्व पितृ अमावस्या के दिन ब्राह्मण को घर बुलाकर उन्हें भोजन कराएं। इसके साथ ही गरीब एवं जरूरतमंदों को भी भोजन कराएं। पूर्वजों के नाम पर भोजन निकालें और किसी खुले स्थान या छत पर रख दें। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और परिवार के सदस्यों पर अपनी कृपा बनाए रखते हैं।

दान-पुण्य के कार्य:-

सर्व पितृ अमावस्या के दिन दान-पुण्य के कार्य किए जाते हैं। मान्यता है कि इससे पितरों के आत्मा को शांति प्राप्त होती है। इस दिन कपड़ा, अनाज, गाय का घी, चांदी और काले तिल का दान बेहद शुभ माना जाता है।

पितरों को तर्पण दें:

यदि पितृ पक्ष के चलते पितरों को तर्पण नहीं दे पाएं, तो सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों को तर्पण अवश्य देना चाहिए। मान्यता है कि इससे घर के पूर्वज प्रसन्न होते हैं एवं सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

पशु-पक्षियों को भोजन कराएं:

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पशु-पक्षियों के लिए भोजन अवश्य निकालें। श्राद्ध के लिए सात्विक भोजन तैयार करें। ऐसा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं तथा आशीर्वाद देते हैं।

भारत पाकिस्तान मैच में दहाड़ेगा टाइगर, ये ऐसा होगा जो हिंदी सिनेमा में कभी नहीं हुआ

यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स की पांचवी फिल्म 'टाइगर 3' दिवाली के दौरान किस दिन रिलीज होगी, इस बात का फैसला भले अब तक न हो पाया हो लेकिन, ये तो तय हो चला है कि इस फिल्म का 16 अक्तूबर को आने वाला ट्रेलर कुछ धमाल होने वाला है। और, एक और धमाल इस ट्रेलर को लेकर इन दिनों चल रहे क्रिकेट वर्ल्ड कप में भी होने वाला है। यशराज फिल्म्स ने सलमान के साथ इस फिल्म को लेकर कुछ ऐसे वीडियो शूट किए हैं जो भारत-पाकिस्तान मैच के सजीव प्रसारण के दौरान दिखाए जाएंगे।

सलमान खान कहते हैं, "लोगों ने 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है' और वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्में देखी हैं। और, इसके चलते उनकी उम्मीदें भी अब इस फ्रेंचाइजी की हर फिल्म से बढ़ती ही जाएगी। इन दर्शकों को परदे पर कुछ ऐसा दिखाना जरूरी है जो जो आश्चर्यजनक रूप से अद्वितीय हो। 'टाइगर 3' की टीम ने इसीलिए इस फिल्म में एक्शन का दायरा वाकई बहुत बढ़ा दिया है। इसे शानदार होना ही है क्योंकि इसके अलावा हमारे पास कोई अन्य विकल्प नहीं था।"

मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित 'टाइगर 3' के ट्रेलर को लेकर इंटरनेट पर खासी उत्सुकता बनी हुई है। यह फिल्म यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स के अगले अध्याय का खुलासा करने के लिए तैयार है। रॉ एजेंट अविनाश सिंह राठौड़ की कहानी कहती टाइगर फ्रेंचाइजी अब इस स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा फिल्म 'पठान' से बन चुकी है। फिल्म 'एक था टाइगर' में अविनाश सिंह राठौड़ पाकिस्तानी साजिश का खुलासा खुलासा करते करते खुद एक पाकिस्तानी एजेंट से प्यार कर बैठता है। फिल्म 'टाइगर जिंदा है' की कहानी इकरित जाती है और वहां ये दोनों मिलकर आईएस की कैद से नर्सों को आजाद कराते हैं।

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की चारों फिल्में सुपर हिट रही हैं और हिंदी सिनेमा की इस अनोखी फ्रेंचाइजी ने बॉक्स ऑफिस पर 100 प्रतिशत ब्लॉकबस्टर परिणाम दिया है। इस फ्रेंचाइजी की दो और फिल्में 'वॉर 2' और 'टाइगर वर्सेज पठान' पर भी काम शुरू हो चुका है। इसके अलावा इस यूनिवर्स में एक महिला रॉ एजेंट की भी एंट्री तय हो चुकी है, ये किरदार आलिया भट्ट को मिला है। इस यूनिवर्स में इसके पहले कैटरीना कैफ और दीपिका पादुकोण महिला जासूसों के तौर पर नजर आ चुकी हैं लेकिन इन दोनों का ताल्लुक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से रहा है।

सलमान खान कहते हैं "फिल्म 'टाइगर 3' की टीम ने इस बार उन चीजों को आजमाया और अपनाया है जो किसी भारतीय फिल्म में कभी नहीं देखी गईं। इन बड़े पैमाने पर तैयार किए गए एक्शन दृश्यों का हिस्सा बनना मुझे खूब पसंद आया और जब मैं उन दृश्यों को कर रहा था तो मैं सेट पर किसी जिज्ञासु बच्चे की तरह ही था। अब जब हम इस फिल्म के ट्रेलर को लॉन्च करेंगे तो दर्शकों को भी ऐसे ही कुछ लम्हों से रूबरू कराएंगे।"

'लोगों के कमेंट्स ने असहज कर दिया था' सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर खुलकर बोलीं तमन्ना

तमन्ना भाटिया

दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार तमन्ना भाटिया अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। इन दिनों वह अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर खबरों में बनी रहती हैं। जब से एक्ट्रेस ने विजय वर्मा संग अपना रिश्ता लोगों के सामने स्वीकार किया है, तभी से दोनों कलाकार एक-दूसरे को लेकर मीडिया के सामने काफी मुखर रहे हैं। अब तमन्ना ने सोशल मीडिया पर हो रही ट्रोलिंग पर खुलकर बात की है।

तमन्ना भाटिया उन कुछ अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ बॉलीवुड में भी सफलतापूर्वक अपनी पहचान बनाई है। हालांकि, अभिनेत्री को अक्सर सोशल मीडिया पर काफी नकारात्मकता का सामना करना पड़ा है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, अभिनेत्री ने इसके बारे में खुलकर बात की और बताया कि उन्होंने इससे कैसे निपटना सीखा।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में तमन्ना से पूछा गया कि वह सोशल मीडिया पर नफरत और ट्रोलिंग से कैसे निपटती हैं। इसपर अभिनेत्री ने कहा कि उनके पेशे में यह महत्वपूर्ण है कि वह जो करती हैं उसे लोग पसंद करें। उन्होंने कहा, 'जब मेरे साथ ऐसा हुआ, तो पहले पल के लिए इसने मुझे हैरत में डाल दिया और मैं इससे बहुत असहज थी क्योंकि इससे मुझे सच में ऐसा महसूस हुआ कि क्या हो रहा है? क्या मैंने जो किया है वह गलत है ?'

तमन्ना ने आगे कहा, 'मैंने आगे महसूस किया कि मुझे सिर्फ वह बनने पर ध्यान केंद्रित करना है,जो मैं बनना चाहता हूं। मुझे इसकी चिंता नहीं करनी चाहिए कि इतने सारे लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं क्योंकि उन्होंने कभी मेरी जर्नी नहीं देखी है और उन्होंने मेरा जीवन नहीं जीया है।उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि मैं कौन हूं। वे केवल अपने स्तर से बात कर रहे हैं।'

वर्क फ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया को आखिरी बार वेब सीरीज 'आखिरी सच' में काम करते हुए देखा गया था। रॉबी ग्रेवाल द्वारा निर्देशित और निर्विकार फिल्म्स द्वारा निर्मित, इस सीरीज में अभिषेक बनर्जी, शिविन नारंग, दानिश इकबाल, निशु दीक्षित, कृति विज और संजीव चोपड़ा भी हैं।

'लियो' के लिए दलपति विजय ने ली 120 करोड़ की फीस

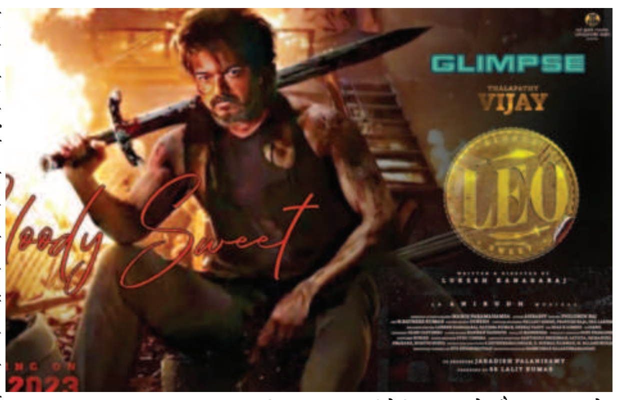

तमिल सुपरस्टार विजय अपनी आगामी फिल्म 'लियो' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी यह फिल्म 19 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जहां फिल्म का प्रमोशन जोरों पर है, वहीं एक रिपोर्ट में अभिनेता की फीस को लेकर बड़ा दावा किया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक विजय ने लियो के लिए कथित तौर पर 120 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक लिया है। वहीं, फिल्म का बजट 300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर सामने आया था, जिसमें अभिनेता अपनी दमदार अदाकारी दिखाते हुए नजर आए थे। अगर रिपोर्ट के दावों को सही मान लिया जाए तो अब रजनीकांत के बाद, विजय कॉलीवुड में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अभिनेता बन गए हैं। इस रिपोर्ट से प्रशंसक इस बात पर बहुत खुश हैं कि अभिनेता ने 'वेट्री' में एक बाल कलाकार के रूप में 500 रुपये से शुरुआत की और अब 100 करोड़ रुपये से अधिक कमाने वाले अभिनेता बन गए हैं। बता दें कि विजय तमिल सिनेमा के सबसे सफल अभिनेताओं में से एक हैं। उनके फैंस उन्हें दलपति कहकर संबोधित करते हैं। 1990 के दशक के बाद अभिनेता के स्टारडम में गजब का इजाफा देखने को मिला और इसके बाद 'मर्सल' और 'सरकार' जैसी फिल्मों के बाद से उनकी फीस में भी काफी बढ़ोतरी देखने को मिली है।

लोकेश कनगराज के साथ विजय की पहली फिल्म मास्टर थी। इस फिल्म ने कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये की कमाई की थी। उम्मीद जताई जा रही है कि लियो उनके पिछले रिकॉर्ड को बड़े अंतर से तोड़ देगी। गौरतलब है कि 'लियो' एक एक्शन ड्रामा है। फिल्म में विजय, तृषा, संजय दत्त, अर्जुन, मिसस्किन, मंसूर अली खान, गौतम वासुदेव मेनन, प्रिया आनंद, मैथ्यू थॉमस, सैंडी और अनुराग कश्यप हैं। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है।

नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में हनुमान बनेंगे सनी देओल!

डायरेक्टर नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में सनी देओल भगवान हनुमान के किरदार में नजर आ सकते हैं। सोर्स का कहना है कि सनी के लुक को ध्यान में रखते हुए मेकर्स ने उन्हें इस रोल के लिए अप्रोच किया है। हालांकि मेकर्स या सनी की तरफ से इस बात कर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है।

सोर्स का दावा, सनी ये रोल प्ले करने के लिए उत्साहित हैं

एक रिपोर्ट के मुताबिक, नितेश तिवारी और उनकी टीम रामायण में भगवान हनुमान के रोल के लिए सनी देओल से बातचीत कर रही है। एक सोर्स ने पिंकविला को बताया है, भगवान हनुमान ताकत के प्रतीक हैं। फिल्म इंडस्ट्री में बजरंग बली के किरदार को सही ढंग से फिल्मी पर्दे पर सनी से बेहतर दूसरा कोई नहीं निभा सकता है।

सनी भी इस रोल को प्ले करने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं और वो इस रोल के लिए काफी उत्साहित भी हैं। हालांकि अभी तक इस रोल के सनी के नाम को पूरी तरह से लॉक नहीं किया है।

सनी के साथ भगवान हनुमान के जीवन पर दूसरी फिल्म भी बनेगी

सोर्स का ये भी कहना है कि डायरेक्टर नितेश तिवारी अपने प्रोड्यूसर अल्लू अरविंद, मधु मंटेना और नमित मल्होत्रा के साथ भगवान हनुमान पर एक अलग फिल्म बनाना चाहते हैं। इस फिल्म में सनी ही हनुमान का रोल प्ले करेंगे। रामायण में हनुमान के जीवन के हिस्से को बहुत अधिक नहीं दिखाया जा रहा है। इसी कारण डायरेक्टर उनकी लाइफ पर एक पूरी अगल फिल्म बनाना चाहते हैं।

फिल्म पर्दे पर रणबीर के साथ पहली बार दिखेंगे सनी

इस फिल्म में राम के किरदार के लिए रणबीर कपूर का नाम फाइनल हो गया है। सनी अगर इस फिल्म का हिस्सा बनते हैं, तो पहली बार सनी और रणबीर को एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर देखा जाएगा।

सीता के रोल में दिख सकती हैं तमिल एक्ट्रेस साई पल्लवी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म में नितेश तिवारी ने मां सीता के रोल के लिए तमिल एक्ट्रेस साई पल्लवी को कास्ट करने का फैसला लिया है। एक्ट्रेस इस फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं।

इससे पहले दीपिका पादुकोण और फिर आलिया भट्ट को मां सीता के रोल के लिए कास्ट करने की बात सामने आई थी। हालांकि, इटाइम्स के मुताबिक डायरेक्टर ने कभी भी आलिया भट्ट को ये रोल ऑफर नहीं किया था। वहीं फिल्म में रावण के रोल में केजीएफ फेम यश नजर आ सकते हैं।

रामायण पर आदिपुरुष कंट्रोवर्सी का असर

फिल्म रामायण को दंगल और छिछोरे जैसी फिल्में डायरेक्ट कर चुके नितेश तिवारी डायरेक्ट करने वाले हैं। इस फिल्म की शूटिंग फरवरी 2024 से शुरू होने वाली है। इस फिल्म को पहले मधु मंटेना, नमित मल्होत्रा और अल्लू अरविंद प्रोड्यूस कर रहे थे, हालांकि इससे पहले रामायण पर बनी फिल्म आदिपुरुष पर हुई कंट्रोवर्सी के चलते तीनों प्रोड्यूसर्स ने फिल्म छोड़ दी है।

पर्दे पर फ्लॉप द वैक्सीन वॉर बढ़ाएगी ऑस्कर लाइब्रेरी की शोभा, खुशी से झूमे विवेक अग्निहोत्री

विवेक अग्निहोत्री की हालिया रिलीज फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही है। हालांकि, फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मूवी की तारीफ करते नजर आए थे। यह फिल्म महामारी के दौरान वैक्सीन के निर्माण को लेकर हुए संघर्ष को दर्शाती है। इसकी चर्चा चारों ओर है। वहीं, अब 'द वैक्सीन वॉर' को लेकर बड़ी खुशखबरी सामने आई है, जिसका सीधा संबंध ऑस्कर लाइब्रेरी से है।

नाना पाटेकर और पल्लवी जोशी अभिनीत फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' भले ही कारोबार के मामले में ढीली रही है, लेकिन चर्चा के मामले में यह नंबर 1 पर है। फिल्म की चर्चा दुनिया भर में हो रही है। इसी कड़ी में खबर आई है कि अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज की लाइब्रेरी ने अपने प्रतिष्ठित कोर कलेक्शन का स्थायी हिस्सा बनने के लिए 'द वैक्सीन वॉर' की पटकथा की एक प्रति प्राप्त करने में गहरी रुचि व्यक्त की है। यह प्रतिष्ठित संग्रह सिनेमाई सामग्री का खजाना है, जो विशेष रूप से पुस्तकालय के वाचनालय में अध्ययन के लिए उपलब्ध कराया जाता है।

नवीनतम घटनाक्रम में, विवेक अग्निहोत्री निर्देशित इस फिल्म को अकादमी ने अपनी लाइब्रेरी के लिए आमंत्रित किया है। खबर का खुलासा करते हुए, फिल्म निर्माता ने एक्स पर साझा किया, 'मुझे गर्व है कि द वैक्सीन वॉर की स्क्रिप्ट को लाइब्रेरी द्वारा अकादमी कलेक्शंस में आमंत्रित और स्वीकार किया गया है।' विवेक अग्निहोत्री ने आगे जोड़ा, 'मुझे खुशी है कि सैकड़ों वर्षों तक अधिक से अधिक गंभीर लोग भारतीय सुपरहीरो की इस महान कहानी को पढ़ेंगे।'

विवेक अग्निहोत्री ने अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज से प्राप्त ईमेल का एक स्क्रीनशॉट भी साझा किया, जिसमें कहा गया था कि वे लाइब्रेरी के स्थायी मुख्य संग्रह के लिए 'द वैक्सीन वॉर' की पटकथा की एक प्रति प्राप्त करने में रुचि रखते हैं। 'द वैक्सीन वॉर' में नाना पाटेकर, अनुपम

खेर, राइमा सेन, पल्लवी जोशी और सप्तमी गौड़ा मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म चिकित्सा बिरादरी और वैज्ञानिकों के समर्पण को श्रद्धांजलि देती है, जिन्होंने महामारी के बीच सात महीने की अवधि के भीतर कोविड-19 वैक्सीन कोवैक्सिन विकसित की। यह भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक प्रोफेसर बलराम भार्गव की पुस्तक 'गोइंग वायरल' पर आधारित है।

प्रोजेक्ट के बारे में बोलते हुए, निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने बताया था, 'जब द कश्मीर फाइल्स को कोविड लॉकडाउन के दौरान स्थगित कर दिया गया था, तो मैंने इस पर शोध करना शुरू कर दिया। फिर हमने आईसीएमआर और एनआईवी के वैज्ञानिकों के साथ शोध करना शुरू किया, जिन्होंने वैक्सीन बनाई। उनके संघर्ष और बलिदान की कहानी जबरदस्त थी और शोध के दौरान हमें समझ आया कि कैसे इन वैज्ञानिकों ने न केवल विदेशी एजेंसियों बल्कि हमारे अपने लोगों द्वारा भारत के खिलाफ छेड़े गए युद्ध को लड़ा। फिर भी, हमने सबसे तेज, सबसे सस्ता और सबसे सुरक्षित टीका बनाकर महाशक्तियों के खिलाफ जीत हासिल की। मैंने सोचा कि यह कहानी जरूर बताई जानी चाहिए ताकि हर भारतीय अपने देश पर गर्व महसूस कर सके।'

सोनाक्षी सिन्हा की पहली कमाई थी तीन हजार रुपए : जब सलमान को ये पता चला तो हंसने लगे थे

सोनाक्षी सिन्हा जब कॉलेज में थीं, तभी से उन्होंने कमाना शुरू कर दिया था। इस दौरान एक दिन उनकी मुलाकात सलमान खान और अरबाज खान से हुई। बातचीत के दौरान जब सलमान को पता चला कि सोनाक्षी की पहली फीस तीन हजार रुपए हैं, तो वो बहुत हंसने लगे थे। बाद में सलमान ने सोनाक्षी से उन्हीं पैसों से गिफ्ट खरीद कर देने के लिए कहा था।

पहली कमाई सुनकर हंसने लगे थे सलमान

एक इंटरव्यू में सोनाक्षी ने बताया कि जब वो कॉलेज में पढ़ रही थीं, तब कॉलजे में फैशन वीक का इवेंट हुआ था। ये इवेंट 5 दिन का था। इस इवेंट में सोनाक्षी ने वालंटियर के तौर पर काम किया था। यहां पर उनका काम गेस्ट की देखभाल करना था। इस इवेंट में सलमान खान भी अपने भाई अरबाज खान के साथ आए हुए थे। जब सलमान ने सोनाक्षी को काम करते देखा तो वो हैरान रह गए। वजह ये थी कि सोनाक्षी के पिता शत्रुघ्न सिन्हा जाने-माने एक्टर और राजनेता रहे हैं। इसके बावजूद सोनाक्षी बहुत ही सादगी के साथ अपना काम कर रही थीं।

मुलाकात के दौरान हुई बातचीत के दौरान सलमान ने सोनाक्षी से उनकी पहली फीस पूछ ली, जो इवेंट के दौरान मिला था। जवाब में उन्होंने 3 हजार रुपए बताए। ये सुन सलमान हंसने लगे और उन्होंने इन्हीं पैसों से सोनाक्षी से गिफ्ट्स की मांग की। इसी इवेंट में अरबाज खान ने सोनाक्षी से कहा था कि वो एक स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं और वो उस कहानी में फिट बैठेंगी। अरबाज ने कहानी के हिसाब से उन्हें वेट कम करने की सलाह भी दी थी। जब सोनाक्षी ने अधिकतर वेट कम कर लिया था, तब अरबाज ने उन्हें फिल्म दबंग ऑफर की थी।

शहनाज का आउटफिट ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर ट्रोल्स को करारा जवाब, बोलीं- लोगों की नेगेटिविटी से सीखती हूं बहुत कुछ

'बिग बॉस 13' से इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाने वाली शहनाज गिल अपनी फिल्म 'थैंक यू फॉर कमिंग' को लेकर चर्चा में हैं। इसके साथ ही वह फिल्म में अपने देसी से बोल्ड ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। जहां फैंस को उनका यह अंदाज काफी अच्छा लगा तो वहीं, दूसरी तरफ कुछ लोगों को यह ट्रांसफॉर्मेशन पसंद नहीं आया, जिसके चलते वह ट्रोल हो रही हैं। अब हाल ही में, मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में शहनाज ने फिल्म और ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर खुलकर बात की।

लोगों की नेगेटिविटी से सीखती हूं बहुत कुछ

मीडिया से बातचीत में शहनाज ने कहा कि मुझे इन खास आउटफिट में देखने में लोगों को थोड़ा समय लगेगा। आदी होने में काफी वक्त लगता ही है। इसलिए जिन्हें मेरा यह अंदाज पसंद नहीं आया, उन्हें आदी होने में थोड़ा समय लगेगा। मैं बता दूं कि देसी दिखने के अलावा भी बहुत कुछ कर सकती हूं।

'थैंक यू फॉर कमिंग' एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे इन लोगों की नेगेटिविटी से बहुत कुछ सीखने को मिलता है, जो लोग मुझे कुछ करने को बोलते हैं। मैं उसका उल्टा ही करती हूं। मैं अपनी लाइफ को दिलचस्प बनाना चाहती हूं। इसलिए मुझे रिस्क लेना पसंद है।

कपड़ों से कैरेक्टर जज न करें लोग

एक्ट्रेस ने बताया, 'मैं कमेंट्स में देखती हूं कि कुछ लोग तारीफ करते है तो वहीं दूसरी ओर मेरे कपड़ों को लेकर कैरेक्टर जज करते है। इन लोगों को बताना चाहती हूं कि सूट पहनने वाली महिलाएं अच्छी और छोटे कपड़े पहने वाली चरित्रहीन होती हैं। ऐसा नहीं है। छोटे कपड़ों को भी सुंदर ढंग से पहन सकते हैं तो उन्हें शर्मिंदा महसूस न कराएं और अपनी धारणा बदलें।'

धर्मेंद्र ने गुस्से में चलाई थी अमिताभ पर असली गोली

शोले के सेट पर मरते-मरते बचे थे बिग बी कौन बनेगा करोड़पति में शेयर किया किस्सा

फिल्म शोले के सेट पर अमिताभ बच्चन मरते-मरते बचे थे, वो भी धर्मेंद्र के हाथों। ये मजेदार किस्सा अमिताभ बच्चन ने कौन बनेगा करोड़पति 15 में सुनाया है। फिल्म में अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र, जय और वीरू के रोल में थे। हाल ही में कौन बनेगा करोड़पति 15 की हॉटसीट पर CRPF, DIG प्रीत मोहन सिंह पहुंचे थे, जो फिल्म शोले के बड़े फैन थे। जब उन्होंने शोले के लिए अपना प्यार व्यक्त किया तो अमिताभ बच्चन ने सेट पर बाल-बाल बचने का किस्सा शेयर किया। अमिताभ ने बताया कि क्लाइमैक्स सीन की शूटिंग के दौरान धर्मेंद्र ने गुस्से में उन पर असली गोलियां चला दी थीं।

दरअसल किस्सा कुछ यूं है कि क्लाइमैक्स सीन को असल दिखाने के लिए डायरेक्टर रमेश सिप्पी ने सेट पर कुछ असली गोलियां भी रखी थीं, जिन्हें कुछ खास सीन में ही इस्तेमाल करना था। फिल्म के क्लाइमैक्स के लिए धर्मेंद्र पर एक सीन फिल्माया जाना था, जिसमें वो नकली गोलियां बंदूक में भरकर चलाते हैं।

करीब तीन बार सही शॉट देने की नाकाम कोशिश करने के बाद धर्मेंद्र काफी गुस्से में आ चुके थे। जब चौथी बार वही सीन शूट होने लगा तो धर्मेंद्र बेहद नाराज थे। ऐसे में जैसे ही डायरेक्टर रमेश सिप्पी ने एक्शन बोला तो धर्मेंद्र ने गुस्से में गलती से बंदूक में पास रखी असली गोलियां भर लीं और उन्हें अमिताभ बच्चन पर चला दिया। खुशकिस्मती से धर्मेंद्र का निशाना खराब था, जिससे गोलियां अमिताभ बच्चन के कान के पास से गुजरी और उनकी जान बच गई। बता दें कि शोले के क्लाइमैक्स में वाकई अमिताभ बच्चन को मरते दिखाया गया था। फिल्म शोले 1975 में रिलीज हुई थी, जो आज भी इंडियन सिनेमा के इतिहास की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक है। फिल्म में अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र के अलावा हेमा मालिनी, जया बच्चन, अमजद खान, संजीव कुमार भी अहम किरदारों में थे।

ये फिल्म 1973 की फिल्म जंजीर के 2 साल बाद 1975 में रिलीज हुई थी। फिल्म जंजीर से अमिताभ बच्चन को स्टार का दर्जा मिला था, हालांकि शोले के बाद से ही उन्हें सुपरस्टार कहा जाने लगा। जिस समय फिल्म की शूटिंग हुई थी, तब जया बच्चन भी गर्भवती थीं।

'वो किसी का दिल नहीं दुखा सकतीं ..', ब्रेकअप के सालों बाद किरण कुमार ने की रेखा की तारीफ

हिंदी सिनेमा की खूबसूरत अदाकारा रेखा का नाम कई एक्टर्स के साथ जुड़ चुका है। उनमें से एक किरण कुमार भी हैं। 1970 में रेखा और किरण कुमार के अफेयर की खूब चर्चा हुई थी। हालांकि ये रिश्ता ज्यादा दिन नहीं चला और दोनों अलग हो गए। किरण कुमार ने रेखा संग कभी पैचअप करने की कोशिश नहीं की, लेकिन हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने रेखा की जमकर तारीफ की।

एक इंटरव्यू में किरण कुमार ने कहा कि वह यह नहीं कह सकते कि एक इंसान के रूप में रेखा ने उन पर व्यक्तिगत रूप से असर छोड़ा है, लेकिन वह अपने जीवन में जिस भी महिला से मिले हैं, उन्होंने किसी न किसी तरह से उन्हें आगे बढ़ने में मदद की है। आपको बता दें कि साल 1995 में एक इंटरव्यू के दौरान रेखा ने किरण को मम्माज बॉय कहा था। इसे लेकर सिद्धार्थ ने किरण से सवाल किया। जिसपर जवाब देते हुए उन्होंने कहा, "रेखा जी एक प्यारी इंसान हैं, उनका दिल सोने का है और चेहरा डीवा का। मुझे समझ नहीं आता कि इतने सालों बाद आज भी वह ऐसी कैसे दिख सकती हैं?" किरण ने आगे कहा, "वह एक ऐसी इंसान हैं जिनके प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है। लंबे समय से मेरी उससे मुलाकात नहीं हुई है, लेकिन वह ऐसी व्यक्ति हैं जिसे मैं हमेशा अपने दिल में संजो कर रखूंगा, बस इतना ही।"

उनसे पूछा गया कि क्या रेखा ने उन्हें जीवन में आगे बढ़ने में मदद की है? इसपर किरण ने कहा, "किसी ने मुझे आगे बढ़ने में मदद नहीं की, मैं खुद अपने विकास के लिए जिम्मेदार हूं। मैं अपनी लाइफ में जितनी भी महिलाओं से मिला हूं, सभी ने मुझे एक बेहतर इंसान बनने में मदद की। ऐसा कोई एक इंसान नहीं है, जिसकी वजह से मैं आगे बढ़ा हूं, मेरी कामयाबी मेरी खुद की है, मेरी असफलताएं मेरी अपनी हैं। मैं उनका श्रेय किसी को नहीं दूंगा।"

रेखा से बात करना चाहते हैं किरण

किरण कुमार ने कहा कि अगर उन्हें रेखा से बात करने का मौका मिले तो वह बहुत खुश होंगे। लेकिन उन्हें कभी ये मौका नहीं मिला। "मैं उनसे संपर्क नहीं करना चाहता। मैं उन्हें फोन करके यह नहीं कहना चाहता, 'मैम, मैं आपसे मिलना चाहता हूं।' मैं ऐसा नहीं करना चाहता। उनकी अपनी लाइफ है और मेरी अपनी। अगर किस्मत ने चाहा तो हम मिलेंगे और दोस्त की तरह बात भी करेंगे। उनके पास सोने का दिल है, दिल की सोना है वो।"

रेखा की इस हरकत पर दी सफाई

साल 1975 में स्टारडस्ट को दिए इंटरव्यू में की गई अन्य टिप्पणी पर भी उनसे सवाल किया गया। जिसमें रेखा ने उनकी एक्स गर्लफ्रेंड की नकल की थी। कहा जाता है कि इसपर किरण काफी नाराज हो गए थे। इसपर किरण ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "ऐसा कुछ भी कभी नहीं हुआ था। मैं यह भी नहीं जानता कि यह पूर्व-प्रेमिका कौन हो सकती है। मैं इस बारे में कुछ नहीं जानता। वह बहुत बड़ी इंसान हैं, वो ऐसा क्यों करेंगी?

सनी देओल-राजकुमार संतोषी के बीच क्यों हुआ था विवाद? 27 वर्ष बाद निर्देशक का बड़ा खुलासा

सनी देओल ने 1990 के दशक में फिल्म निर्माता राजकुमार संतोषी के साथ अपनी कुछ सबसे बड़ी हिट फिल्में दीं। 'घायल', 'घातक' और 'दामिनी' सनी की सबसे लोकप्रिय फिल्मों में से हैं। वहीं, अब यह दोनों 27 वर्ष के लंबे ब्रेक के बाद एक बार फिर पर्दे पर धमाल मचाने आ रहे हैं। दोनों ने आमिर खान समर्थित फिल्म 'लाहौर 1947' के लिए सहयोग किया है। सनी देओल इन दिनों फॉर्म में हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'गदर 2' बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ती नजर आई है। वहीं, अब राजकुमार संतोषी ने लंबे अंतराल के बाद सनी संग वापस काम करने को लेकर चुप्पी तोड़ी है। साथ ही अभिनेता संग विवाद पर बड़ा बयान देकर सुर्खियों में आ गए हैं।

राजकुमार संतोषी-सनी देओल का सहयोग

राजकुमार संतोषी और सनी की फिल्म 'दामिनी' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी। इस फिल्म ने उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी दिलाया। हालांकि, उसके बाद सनी और राजकुमार ने कभी साथ काम नहीं किया, जिससे साबित हो गया कि दोनों के बीच मनमुटाव हो चुका है। वहीं, अब 'लाहौर 1947' पर वापस से सहयोग के एलान मात्र ने फैंस के उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है।

सनी संग मनमुटाव पर संतोषी का बयान

इसी बीच राजकुमार संतोषी ने सनी देओल संग विवाद पर चुप्पी तोड़ी है। मशहूर फिल्म निर्माता ने हालिया इंटरव्यू में कहा, 'हमारे बीच मनमुटाव हुआ, लेकिन उन्होंने मुझे उस वक्त पहचाना जब दुनिया मुझे नहीं जानती थी। घायल मेरी पहली फिल्म है। उन्होंने मुझे फिल्म बनाने का मौका दिया। उन्होंने इसका निर्माण किया। मैं फिल्म इंडस्ट्री में बिल्कुल नया था, लेकिन उन्होंने मुझे अपने तरीके से फिल्म बनाने की पूरी आजादी दी। ये उनका बड़प्पन है।'

सनी-राजकुमार के विवाद का कारण

संतोषी और देओल के बीच दरार की अफवाहें तब शुरू हुईं, जब यह खबर आई कि ये दोनों भगत सिंह पर दो फिल्में बना रहे हैं। जाहिर तौर पर संतोषी को सनी देओल की 23 मार्च 1931: शहीद का निर्देशन करना था, जिसमें बॉबी देओल ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बजाय, उन्होंने अजय देवगन अभिनीत 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' का निर्देशन करना चुना। कथित तौर पर इससे दोनों के बीच दरार आ गई। इसके बाद फिल्में बॉक्स ऑफिस पर टकरा गईं। तभी से राजकुमार संतोषी और सनी देओल ने कभी साथ काम नहीं किया।

सामंथा रुथ प्रभु ने नागा चैतन्य संग पैचअप की खबरों पर लगाया विराम, एक्ट्रेस ने हटवाया एक्स पति के नाम के टैटू

साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस को फिल्म खुशी में देखा गया था। इस फिल्म में वह विजय देवरकोंडा के साथ नजर आई थीं। इन दिनों एक्ट्रेस अपने करियर से ब्रेक लेकर छुट्टीयां इंज्वाय कर रही हैं। इसी बीच खबरें उनकी अपने एक्स पति के साथ पैचअप की खबरें सामने आई। लोगों का कहना है कि दोनों तलाक के बाद एक बार फिर साथ आ गए हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने इन सभी खबरों पर विराम लगा दिया है। दरअसल एक्ट्रेस ने अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिनको देखने ये कयास लगाए जाने लगे हैं कि शायद अब सामंथा और नागा चैतन्य अब कभी एक नहीं होंगे।

सामंथा ने हटवाया एक्स पति के नाम का टैटू

दरअसल सामंथा ने नागा चैतन्य के नाम का टैटू बनवाया था। तलाक के बाद भी एक्ट्रेस उसे हटवाया नहीं था। जिससे उनके चाहने वालों को उम्मीद थी कि दोनों शायद फिर से एक हो सकते हैं। लेकिन अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं।

जिसमें वह पिंक कलर की ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। वहीं इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अपनी रिब फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। लेकिन आपको शायद याद ना हो कि नागा चैतन्य से शादी के बाद सामंथा ने अपनी रिब पर 'Chay' नाम का एक टैटू बनवाया था। लेकिन अब इन तस्वीरों में यह टैटू गायब दिख रहा है। इन तस्वीरों के बाद साफ हो गया है कि एक्ट्रेस ने एक्स पति के नाम का टैटू मिटवा दिया है।

कैसे शुरू हुई पैचअप की खबरें

बता दें कि हाल ही में नागा चैतन्य ने अपनी इस्टा स्टोरी पर सामंथा के डॉग की फोटो शेयर की थी। इसके बाद फैंस कयाल लगाने लगे थे शायद दोनों एक बार फिर से पैचअप करने वाले हैं। बता दें कि सामंथा और नागा ने साल 2017 में शादी की थी। दोनों ने हिंदू और क्रिश्चियन रीति रिवाज से शादी की थी। वहीं साल 2021 में दोनों आपसी सहमती से अलग हो गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक अब नागा एक्ट्रेस शोभिता धूलिपाला को डेट कर रहे हैं।

बेज एंड ब्लैक सलवार-कुर्ता में नजर आईं अमृता अरोड़ा के साथ मलाइका

मलाइका अरोड़ा अक्सर अपने ड्रेसिंग सेंस को लेकर लाइमलाइट में रहती हैं। बुधवार को मलाइका को उनकी बहन और एक्ट्रेस अमृता अरोड़ा के साथ मुंबई में देखा गया। इस दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में एक तरफ जहां मलाइका एथनिक लुक में दिखीं। वहीं अमृता का कूल अंदाज देखने को मिला।

मलाइका और अमृता का लुक

मलाइका ने बेज एंड ब्लैक सिंपल सलवार सूट पहना है, जिसमें वह काफी खूबसूरत लग रही हैं। इस लुक को उन्होंने ब्लैक गॉगल्स के साथ कम्पलीट किया है। अमृता की बात करे तो उन्होंने ब्लैक जीन्स और व्हाइट ओवर-साइज शर्ट पहनी है। कर्ली हेयर और ब्लैक गॉगल्स में अमृता काफी गॉर्जियस लग रही हैं। दोनों बहनों ने साथ में पैपराजी को पोज दिए। इस दौरान मलाइका के साथ उनका पेट डॉग कैस्पर भी था।

मलाइका का वर्कफ्रंट

मलाइका अरोड़ा को कुछ महीने पहले उनके ओटीटी डेब्यू रियलिटी शो मूविंग इन विद मलाइका में देखा गया था। इस शो को फैंस ने काफी पसंद भी किया था। इसके अलावा वह गुरु रंधावा के हालिया रिलीज सॉन्ग 'तेरा की ख्याल' में नजर आई थीं। उनकी पर्सनल लाइफ की बात करे तो उन्होंने अरबाज खान से शादी की थी फिर 2017 में दोनों का तलाक हो गया। अब वह बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर के साथ रिलेशनशिप में हैं।

गौतम अदाणी को पीछे छोड़कर मुकेश अंबानी फिर बने नंबर वन, 100 अमीर भारतीयों की सूची जारी

नई दिल्ली , 12 अक्टूबर (एजेंसिया) फोर्ब्स इंडिया ने गुरुवार को अपनी 100 भारतीय अमीरों की सूची जारी की। इन अरबपतियों की कुल संपत्ति 799 अरब डॉलर है जो पिछले बाद से कम है। पिछले साल उनकी कुल संपत्ति 800 अरब डॉलर थी। फोर्ब्स की ओर से जारी सूची के अनुसार 2022 में दूसरे स्थान पर रहे मुकेश अंबानी ने उस समय टॉप पर रहे टॉपर गौतम अदाणी को दूसरे नंबर पर धकेल दिया है। इस साल की सूची में सबसे ज्यादा फायदा पॉलीकैब इंडिया के इंदर जयसिंघानी को हुआ, उनकी नेटवर्थ 12 महीनों में ही लगभग दोगनुी हो गई है।

पिछले एक साल में शेयर बाजार में 14 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई

फोर्ब्स के अनुसार भारत के शेयर बाजार में पिछले एक साल के दौरान 14 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। हालांकि, डॉलर के मुकाबले कमजोर मुद्रा के कारण, बाजार सूचकांकों में वृद्धि का देश के सबसे अमीर लोगों की संपत्ति पर असर नहीं दिखा। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति 92 अरब डॉलर (लगभग 7.6 लाख करोड़ रुपये) है। अंबानी ने इस साल जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की लिस्टिंग और रिलायंस बोर्ड में उनके बच्चों की गैर-कार्यकारी निदेशकों के रूप में नियुक्ति जैसे कदम उठाए हैं। पिछले साल अंबानी को पीछे छोड़कर सबसे अमीर भारतीय बने गौतम अदाणी की नेटवर्थ हिंडनबर्ग रिपोर्ट के कारण 82 अरब डॉलर से घटकर 68 अरब डॉलर रह गई। बता दें कि अदाणी समूह के शेयर बाजारों में उथल-पुथल के बाद भारतीय-अमेरिकी राजीव जैन की कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स ने कंपनी में निवेश किया जिसके बाद कीमतों में स्थिरता आई।

फोर्ब्स की लिस्ट में एचसीएल के शिव नादर तीसरे नंबर पर

सूची में स्थान के मामले में एचसीएल के शिव नादर इस साल सबसे अधिक लाभ में रहे। वह 29.3 अरब डॉलर (करीब 2.4 लाख करोड़ रुपये) की संपत्ति के साथ वे सूची में दो पायदान चढ़कर फिर से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। ओपी जिंदल समूह की सावित्री जिंदल 24 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ सूची में चौथे स्थान पर हैं। डीमार्ट के मालिक राधाकिशन दमानी नेटवर्थ में भारी नुकसान के बावजूद पांचवें स्थान पर बरकारार हैं। उनकी कुल संपत्ति 23 अरब डॉलर है जबकि पिछले साल यह 27.6 अरब डॉलर थी।

फोर्ब्स की लिस्ट में जगह बनाने के लिए 2.3 अरब डॉलर की नेट वर्थ का रखा गया कटऑफ

इस साल एलीट क्लब में जगह बनाने के लिए नेट वर्थ कटऑफ 2.3 अरब डॉलर का रखा गया है। इस सूची में इंदर जयसिंघानी 32वें नंबर पर हैं। हालांकि, वह इस साल प्रतिशत के मामले में सबसे अधिक लाभ हासिल करने वाले व्यक्ति रहे। उनके परिवार की कुल संपत्ति बीते एक साल के दौरान लगभग दोगुनी हो गई क्योंकि उनकी तार और केबल कंपनी, पॉलीकैब इंडिया को देश भर में बढ़ते विद्युतीकरण से लाभ हुआ। फोर्ब्स की इस साल की सूची में तीन नए लोगों को शामिल किया गया है इनमें लैंडमार्क ग्रुप की चेयरपर्सन रेणुका जगतियानी (4.8 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 44वें नंबर पर), एशियन पेंट्स की दानी फैमिली (आठ अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 22वें नंबर पर) और केपीआर मिल के संस्थापक और चेयरमैन गारमेंट एक्सपोर्टर केपी रामासामी (2.3 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 100वें नंबर पर) शामिल हैं। रंजन पाई 2.75 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ फोर्ब्स की लिस्ट में 86वें नंबर पर हैं।

सीतारमण ने मोरक्को में अमेरिकी वित्त मंत्री के साथ की बैठक

आईएमएफ की नीतिगत प्राथमिकताओं पर चर्चा

नई दिल्ली , 12 अक्टूबर (एजेंसिया) केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को आईएमएफ की नीतिगत एवं इसकी सदस्यता विषय पर आयोजित एक गोलमेज चर्चा में शिरकत की। इस बैठक की मेजबानी मोरक्को के मराकोच में विश्व बैंक-आईएमएफ की वार्षिक बैठक के मौके पर अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने की। मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस दौरान कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी तरह से पूंजी-संपन्न बनाए रखने की जरूरत है। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट जारी कर इस बैठक का ब्योरा देते हुए कहा कि वित्त मंत्री ने आईएमएफ के उद्देश्य और कर्ज नीतियों के अलावा इसे एक सशक्त, कोटा-आधारित और

समुचित संसाधन वाला संगठन बनाने की बात कही। उन्होंने गरीबी ह्रास एवं विकास ट्रस्ट (पीआरजीटी) के वित्त पोषण और आईएमएफ के कामकाजी सुधारों के बारे में भी चर्चा की।

जी 20 समूह की प्राथमिकताओं का किया जिक्र

सीतारमण ने जी 20 समूह की प्राथमिकताओं का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के लिए समन्वित और सर्वसम्मति पर आधारित समाधान की दिशा में आगे बढ़ने के लिए बहुपक्षवाद के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुद्रकोष का खास ध्यान वृहद-आर्थिक निगरानी और नीतिगत मार्गदर्शन पर होना चाहिए। इसके अलावा सदस्यता की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखना होगा।

वित्त मंत्री ने आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड में कामकाज संबंधी सुधारों और लैंगिग को भारत का समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि भारत में हाल ही में महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के कानून पारित किया है।

आईडीबी के अध्यक्ष से भी की मुलाकात

बयान के अनुसार, सीतारमण ने अंतर-अमेरिकी विकास बैंक (आईडीबी) के अध्यक्ष इलान गोल्डफैजन से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच मौजूदा विकास चुनौतियों एवं अवसरों पर चर्चा हुई। गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 11 से 15 अक्तूबर तक मोरक्को के पांच दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। इस दौरान वह बैठकों के अलावा इंडोनेशिया, मोरक्को, ब्राजील, स्विट्जरलैंड, जर्मनी और फ्रांस के साथ द्विपक्षीय बैठकें लेंगी ।

सितंबर में खुदरा महंगाई में 1.81% की गिरावट:5.02% रही

अगस्त में 6.83% थी; सब्जियों के दाम कम होने से आई गिरावट

नई दिल्ली , 12 अक्टूबर (एजेंसिया) सितंबर में फुटकर महंगाई में 1.81% की गिरावट देखने को मिली है। सितंबर में फुटकर महंगाई दर 5.02% पर आ गई। अगस्त में ये 6.83% पर थी। जुलाई में 7.44% थी।

सब्जियों के दाम कम होने चलते इसमें गिरावट देखने को मिल सकती है। बीते महीने शहरी महंगाई दर घटकर 4.65% पर आ गई जो अगस्त में 6.59% पर थी। ग्रामीण महंगाई दर भी सितंबर में घटकर 5.33% पर आ गई है जो अगस्त में 7.02% थी।

कहां बढ़ी और कहां घटी महंगाई

दालों की महंगाई 11.85% से घटकर सितंबर में 10.95% रही। मीट और मछली की महंगाई 3.68% से बढ़कर सितंबर में 4.11% रही।अंडों की महंगाई सितंबर में 4.31% से बढ़कर 6.42% रही।दूध और दूध से बने प्रोडक्ट्स की महंगाई दर 7.73% से घटकर सितंबर में 6.89% रही।सब्जियों की महंगाई अगस्त में 26.14% से घटकर सितंबर में 3.39% रही। सितंबर में ईंधन और बिजली की महंगाई दर 4.31% से घटकर -0.11% रही। वित्तीय वर्ष 2024 के लिए महंगाई दर का अनुमान 5.4%इसी महीने हुई आरबीआई मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा था कि वित्तीय वर्ष 2024 के लिए महंगाई अनुमान को 5.4% पर बरकरार रखा है। पिछली मीटिंग में इसे 5.1% से बढ़ाकर 5.4% किया था। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि सितंबर में महंगाई में कमी आने की उम्मीद है।

महंगाई कैसे प्रभावित करती है?

महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 6% है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 94 रुपए होगा।

इसलिए महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी।

आरबीआई कैसे कंट्रोल करती है महंगाई?

महंगाई कम करने के लिए बाजार में पैसों के बहाव (लिक्विडिटी) को कम किया जाता है। इसके लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया रेपो रेट बढ़ाता है। जैसे आरबीआई ने अप्रैल, जून और जुलाई में रेपो रेट में इजाफा न करने का फैसला किया था। इससे पहले आरबीआई ने रेपो रेट में लगातार 6 बार इजाफा किया था। आरबीआई ने महंगाई के एफ अनुमान में भी कटौती की थी।

महंगाई कैसे बढ़ती-घटती है?

महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वह ज्यादा चीजें खरीदेंगे।

ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी।

सीपीआई से तय होती है महंगाई

एक ग्राहक के तौर पर आप और हम रिटेल मार्केट से सामान खरीदते हैं। इससे जुड़ी कीमतों में हुए बदलाव को दिखाने का काम कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी सीपीआई करता है। हम सामान और सर्विसेज के लिए जो औसत मूल्य चुकाते हैं, सीपीआई उसी को मापता है। कच्चे तेल, कमोडिटी की कीमतों, मेन्युफैक्चर्ड कॉस्ट के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जिनकी रिटेल महंगाई दर तय करने में अहम भूमिका होती है। करीब 300 सामान ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर रिटेल महंगाई का रेट तय होता है।

फेस्टिव सीजन शुरू होने से पहले फिर महंगा हुआ सोना

चांदी के दाम भी बढ़े, प्रमुख शहरों के लेटेस्ट रेट

नई दिल्ली , 12 अक्टूबर (एजेंसिया) रविवार से भारत में त्योहारी सीजन की शुरुआत होने जा रही है। ऐसे में लोग इस दौरान जमकर सोने-चांदी की शॉपिंग करते हैं। अगर आप भी ऐसी प्लानिंग बना रहे हैं तो बता दें कि आपके लिए झटके की खबर है। गुरुवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 58,000 के स्तर को पार कर गया। शुरुआती दौर में गोल्ड जहां 58,045 रुपये पर खुला था। इसके बाद इसकी कीमत में और बढ़त दर्ज की गई है और 11 बजे तक यह कल के मुकाबले 154 रुपये यानी 0.27 फीसदी तेजी के साथ 58,094 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बुधवार को वायदा बाजार में सोना 57,940 के स्तर पर बंद हुआ था।

सोने के साथ-साथ चांदी भी हुई महंगी

सोने के अलावा चांदी की कीमत की बात करें तो इसमें भी आज तेजी देखी जा रही है। वायदा बाजार में चांदी आज 69,734 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर खुली है। इसके बाद इसकी कीमत में और तेजी देखी गई है और यह कल के मुकाबले 409 रुपये यानी 0.59 फीसदी महंगी होकर 69,835 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। कल चांदी 69,325 रुपये रुपये पर बंद हुई थी।

इन 10 बड़े शहरों में जानें सोने-चांदी के नए रेट्स-

मुंबई में 24 कैरेट गोल्ड 58,910 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
चेन्नई में 24 कैरेट गोल्ड 59,070 रुपये, सिल्वर 75,500 रुपये प्रति किलोग्राम
कोलकाता में 24 कैरेट गोल्ड 58,910 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
दिल्ली में 24 कैरेट गोल्ड 59,060 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
नोएडा में 24 कैरेट गोल्ड 59,060 रुपये, सिल्वर 7,600 रुपये प्रति किलोग्राम
गाजियाबाद में 24 कैरेट गोल्ड 59,060 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
जयपुर में 24 कैरेट गोल्ड 59,060 रुपये, सिल्वर 70,600 रुपये प्रति किलोग्राम
लखनऊ में 24 कैरेट गोल्ड 59,060 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
पटना में 24 कैरेट गोल्ड 58,960 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
गुरुग्राम में 24 कैरेट गोल्ड 59,060 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
पुणे में 24 कैरेट गोल्ड 58,910 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
गोवा में 24 कैरेट गोल्ड 58,910 रुपये, सिल्वर 71,000 रुपये प्रति किलोग्राम

इंटरनेशनल मार्केट में क्या है सोने-चांदी का हाल?

इजराइल-हमास संघर्ष की शुरुआत के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में बढ़त दर्ज की जा रही है। आज की बात करें तो सोना कल के मुकाबले 0.24 फीसदी तक चढ़कर 1,878.50 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी की बात करें तो इसकी कीमत में भी आज 0.72 फीसदी का उछाल दर्ज किया जा रहा है और यह 22.29 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। गौरतलब है कि कई एक्सपर्ट्स का यह मानना है कि इजराइल और हमास के बीच युद्ध का असर सोने के दाम में तेजी देखी जा सकती है। निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में देख रहे हैं जिसका असर सोने की कीमत पर पड़ सकता है।

नहीं निकल रही लागतः रामानुजगंज बाजार में किसानों ने फेंके टमाटर

तीन रुपये किलो का मिल रहा रेट

रायपुर , 12 अक्टूबर (एजेंसिया) बलरामपुर जिले की शहर नगर पंचायत रामानुजगंज में दो महीने पहले टमाटर का रेट ढाई सौ से तीन सौ रुपय किलो तक पहुंच गया था। वहीं, पिछले कुछ दिनों से लगातार टमाटर के रेट में गिरावट आ रही थी। आज स्थिति ऐसी हो गई कि रामानुजगंज के थोक सब्जी बाजार में टमाटर का थोक रेट तीन रुपये किलो हो गया है। किसानों ने इससे हताश और निराश होकर टमाटर को बीच बाजार में फेंक दिया। किसान मुकेश दास और सूरज धारकर ने बताया कि उन्होंने टमाटर की खेती करने में जितनी लागत लगाई थी। उन्हें उसका 20 प्रतिशत भी नहीं मिल रहा है। टमाटर तोड़ने में जितना खर्चा आया है, उसका भाव भी न मिलने से परेशान और निराश हैं। इसीलिए उन्होंने टमाटर को बीच रास्ते में फेंक दिया। क्षेत्र के दर्जनों गांव के सैकड़ों किसानों के द्वारा टमाटर का उत्पादन किया गया है, लेकिन लगातार टमाटर का मूल्य जहां दो अंको में आ गया था वहीं कुछ दिन पहले से एक अंक में आ गया है। स्थिति ऐसी हो गई कि आज थोक सब्जी बाजार मे चार रुपये किलो टमाटर बिक रहा था, जिसमें एक रूपये किलो कमीशन में चला जाता है। इस प्रकार किसान को मात्र तीन रुपये किलो का ही मूल्य मिला। ऐसे में किसानों की हताशा और निराशा देखी सकती थी। कई किसान तो टमाटर को ऐसे ही छोड़कर चल दिए। वहीं, मुकेश दास और सूरज धारकर ने बीच बाजरा में ही टमाटर फेंक दिए।

आईटी स्टॉक्स में गिरावट के चलते लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, टीसीएस, इंफोसिस और टेक महिंद्रा नीचे फिसला

नई दिल्ली , 12 अक्टूबर (एजेंसिया) दो दिनों के शानदार तेजी के बाद गुरुवार के कारोबार सत्र में भारतीय शेयर बाजार में ऊपरी स्तरों से मुनाफावसूली देखने को मिली है। सुबह बाजार हरे निशान में खुला था लेकिन आईटी सेक्टर के स्टॉक्स में आई बिकवाली के चलते बाजार में गिरावट देखने को मिली। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 65 अंकों की मामूली गिरावट के साथ 66,408 अंकों पर बंद हुआ है जबकि नेशनल स्टॉक का निफ्टी 17 अंकों की गिरावट के साथ 19,794 अंकों पर बंद हुआ है।

सेक्टर का हाल

आज के ट्रेड में बैंकिंग, ऑटो, एफएमसीजी, मेटल्स, एनर्जी, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर के शेयरों में तेजी रही। जबकि आईटी और रियल एस्टेट सेक्टर के स्टॉक्स में गिरावट देखने को मिली है। आज के ट्रेड में मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में भी तेजी रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 16 शेयर तेजी के साथ और 14 गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 30 शेयर तेजी के साथ और 20 गिरावट के साथ बंद हुए।

निवेशकों की संपत्ति में उछाल

शेयर बाजार के गिरावट के साथ बंद होने के बावजूद निवेशकों की संपत्ति में बढ़ोतरी देखने को मिली है। आज के ट्रेड में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 322.08 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो एक दिन पहले के सत्र में 321.61 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 47,000 करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है।

चढ़ने - गिरने वाले स्टॉक्स

आज के ट्रेड में मारुति सुजुकी 1.68 फीसदी, एनटीपीसी 1.47 फीसदी, पावर ग्रिड 1.39 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 0.92 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.80 फीसदी टाटा स्टील 0.72 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि टेक महिंद्रा 2.57 फीसदी, टीसीएस 1.78 फीसदी, एचसीएल टेक 1.69 फीसदी, इंफोसिस 1.59 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या में	सिंह...	04-26 बजे
चंद्र-	कन्या में	कन्या..	06-31 बजे
मंगल	तुला में	तुला...	08-42 बजे
बुध-	कन्या में	वृश्चिक.	10-55 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	13-02 बजे
शुक्र-	सिंह में	मकर..	14-52 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	16-30 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-06 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	19-51 बजे
		वृष--	21-51 बजे
		मिथुन..	00-04 बजे
		कर्क...	02-15 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय- 06-12
सूर्य अस्त- 17-52
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी - 21 -51- तक उपरान्त अमावस्या
मास - आश्विन कृष्ण पक्ष , शुक्रवार 13 October
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी - 14- 10 - तक उपरान्त हस्त
योग - ब्रह्म - 10 - 04 - तक उपरान्त ऐन्द्र
करण- विष्टि - 08 -55 - तक उप- शकुनि
विशेष:- चतुर्दशी श्राद्ध
व्रत -त्योहार - कल देवपितृकार्ये सर्वपितृ शनैश्चरी अमावस्या

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 10:34 से 12:02 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल.	06:12 - 07:38	शुभ	रोग.	17:52 - 19:27	अशुभ
लाभ.	07:38 - 09:06	शुभ	काल.	19:27 - 20:59	अशुभ
अमृत.	09:06 - 10:34	शुभ	लाभ.	20:59 - 22:31	शुभ
काल.	10:34 - 12:02	अशुभ	उत्पात	22:31 - 00:02	अशुभ
शुभ.	12:02 - 13:30	शुभ	शुभ	00:02 - 01:34	शुभ
रोग	13:30 - 14:59	अशुभ	अमृत.	01:34 - 03:06	शुभ
उत्पात	14:59 - 16:27	अशुभ	चंचल.	03:06 - 04:38	शुभ
चंचल	16:27 - 17:52	शुभ	रोग.	04:38 - 06:12	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपके अनिर्णय की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है । परिवार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरुरत है । आपको इनसे सम्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा । पुरानी अधूरी -अनसुलझी बातें अब आपको परेशान करेंगी और आप इन्हें सुलझाए बिना आगे नहीं बढ़ सकते ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं । प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें । अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें । अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें । आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थिति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे ।आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप किसी भी सरकारी हस्तक्षेप के बिना छुट्टियों के कुछ दिन बिताने के बाद अब वापस अपनी कार्य करने की शैली में वापस आ गए है , लेकिन आपके ग्राहकों, सहयोगियों के व्यवहार से ऐसा नहीं लगता । उन्हें समझे और उनकी समस्याओं के प्रति सम्मान दिखाए । उन्हें कार्यो से हटकर कुछ मानसिक शांति देने का प्रयास करे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा । आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है ।आपको रचनात्मक आलोचना को सही तरीके से ही लें और बदतमीज हुए बिना ही अपनी बात को समझाने से कोशिश करें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है ।आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा । जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं,उसे सफलता में बदलने के लिए अपनी पूरी उर्जा को उसमें लगा दें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे । समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी । कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा । कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा । अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज के दिन आपका भाग्य आपके साथ है । आज आप ऐसा भी कुछ कर सकते हैं जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी ना हो । आपके सभी प्रयासों में भाग्य आपका साथ देगा ।आपको पता है कि मेहनत से ही सफलता मिलती है । अभी तक आपका भाग्य आपके साथ नही था ,लेकिन आज आप अपने समर्पण की बदौलत कुछ भी हासिल कर पायेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप अपनी बढ़ी हुई जिम्मेदारियों से परेशान हैं,लेकिन अभी आपको कोई राहत मिलती दिखाई नही दे रही । सबसे अच्छा यही है की आप शिकायत करना छोड़कर अपने कामों को पूरा करें । जितनी जल्दी पूरा करेंगे ,उतनी ही जल्दी बोझ कम होता जाएगा । लेकिन इसका अर्थ यह भी नही है कि आपको इसे लापरवाही से पूरा करना है ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

इजराइल के गोला-बारूद खत्म हो रहे?

अमेरिका-यूरोप के पास भी कमी, कहां गया सारा एम्युनिशन स्टॉक

न्यूयार्क, 12 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 9 अक्टूबर यानी सोमवार की सुबह। अमेरिका में बाइडेन प्रशासन के सीनियर अधिकारियों ने एक अर्जेंट मीटिंग बुलाई। इसमें सांसद और सिक्योरिटी हेड्स शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि, 'मिडिल ईस्ट में अमेरिका के सबसे करीबी साथी इजराइल को आयरन डोम में इस्तेमाल होने वाली इंटरसेप्टर मिसाइलों और सटीक निशाने पर हमला करने वाली मिसाइलों की सख्त जरूरत है। इजराइल अमेरिका में बने कम डायमीटर के बम भी चाहता है।' इजराइल पर हमास के हमले को 48 घंटे भी नहीं बीते थे कि इस मीटिंग ने इजराइल में गोला-बारूद की कमी की तरफ ध्यान खींचा। अमेरिका ने एम्युनिशन की पहली खेप इजराइल पहुंचा दी है। इस जंग का अंजाम पता नहीं, इसलिए ऐसी बहुत सारी मदद भेजनी पड़ सकती है। ऐसे में सवाल है कि अमेरिका-यूरोप गोला-बारूद की सप्लाई शॉर्टेज से क्यों जूझ रहे हैं, वो यूक्रेन और इजराइल में से किसकी मदद करेंगे

अमेरिका का गोला-बारूद का स्टॉक कहां गया

जनवरी 2023 यानी 10 महीने पुरानी बात है। अमेरिका ने इजराइल स्थित अपने हथियारों के खजाने से 155एमएम के करीब 3 लाख तोप के गोले यूक्रेन भेजने का फैसला किया। इस मुद्दे पर इजराइल के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रिचर्ड हेचट ने कहा कि यूक्रेन को दिए गए गोला-बारूद का मालिकाना हक अमेरिका के पास है। अमेरिका ने इजराइल स्थित अपने सैन्य अड्डे से यूक्रेन को सप्लाई किए हैं। ऐसे में इस बात से इजराइल का कोई लेना-देना नहीं है।

इससे भी कुछ महीने पहले यानी 2022 में अमेरिका ने इजराइली खजाने से 10 लाख ईरानी तोप के गोले यूक्रेन को भेजे थे। इन्हें अमेरिका ने जब्त किया था। अमेरिका समेत नाटो के सभी देश रूस के खिलाफ यूक्रेन को हथियार भेजकर मदद कर रहे हैं। फॉरेन पॉलिसी मैगजीन को एक जर्मन अधिकारी ने बताया कि यूरोपीय देश गोला-बारूद की कमी का सामना कर रहे हैं, क्योंकि उनके स्टॉक यूक्रेन जंग में खप गए।

सभी नाटो देश मिलकर भी उतना गोला नहीं तैयार कर पा रहे हैं, जितने की यूक्रेन को जरूरत है। इसे यूक्रेनी सांसद ऑलिक्जेड्रा उस्तीनोवा के एक बयान से समझा जा सकता है। उन्होंने सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि हमारी सेना हर रोज 10,000 से अधिक गोले दागने की क्षमता रखती है। जबकि गोले की कमी की वजह से हमारी सेना सिर्फ 6,000 गोले दाग रही है। मतलब महीने में 1 लाख 80 हजार तोप के गोले की जरूरत तो सिर्फ यूक्रेन को है। तोप के गोलों में कमी की बात पर अमेरिका ने सितंबर में कहा था कि तोपों के गोले बनाने की क्षमता को तेजी से बढ़ाया जा रहा है। अमेरिका का लक्ष्य 2025 तक हर महीने 1 लाख तोप के गोले बनाने का है। साफ है कि यूक्रेन हर महीने जितने गोले दाग रहा है, उससे 80 हजार कम गोले का उत्पादन अमेरिका कर रहा है।

हमास-इजराइल जंग के बीच अगर अमेरिका गोला-बारूद की सप्लाई यूक्रेन को जारी रखता है तो इससे इजराइल की सेना के लिए परेशानी बढ़ सकती है। इसकी वजह यह है कि इजराइल गोला-बारूद के लिए पूरी तरह से अमेरिका पर निर्भर है।

1973 में हुई अरब-इजराइल जंग के बाद अमेरिका ने इजराइल में हथियार और गोला बारूद रखने के लिए बड़े-बड़े गोदाम बनाए। 1980 में दोनों देशों के बीच एक समझौता हुआ। इसके जरिए पेंटागन को इजराइल में हथियार रखने के लिए कानूनी वैधता मिल गई। इन गोदामों में अमेरिकी सेना के टैंक और बख्तरबंद गाड़ियां भी रखी गई हैं। 2000 के बाद से अमेरिका के थल सेना, नौसेना और वायु सेना से जुड़े हर तरह के हथियार को इजराइल के सैन्य अड्डे में रखा जाने लगा। मकसद सिर्फ एक- मिडिल ईस्ट में इजराइल को

मजबूती देना था।

एनबीसी के मुताबिक एक समझौते के जरिए संकट की स्थिति में इजराइल को उसके देश में मौजूद अमेरिकी हथियारों को इस्तेमाल करने का अधिकार है। पिछले महीनों में यहां रखे गोला-बारूद यूक्रेन भेज दिए गए। अब अचानक इजराइल को जरूरत पड़ी तो उसके भंडार खाली थे।

इजराइल ने इस स्थिति को भांप लिया था। उसने इसी साल अगस्त में अल्बिट सिस्टम नाम की कंपनी को 155एमएम के 10 लाख गोले का ऑर्डर दिया था। इसके अलावा सरकार ने एम107-ए3 तोप के गोले को खरीदने का फैसला किया। हालांकि, इन सभी ऑर्डर की सप्लाई 2024 से पहले होना मुश्किल है।

इजराइल को इस जंग में कितना गोला-बारूद चाहिए

2014 में इजराइली सेना ने 32 हजार से ज्यादा गोले गाजा पर दागे थे। इस बार स्थिति 2014 से कई गुना ज्यादा गंभीर है। इजराइल ने फुल स्केल वॉर का ऐलान किया है। ऐसे में गोला-बारूद की जरूरत भी पहले से कई गुना ज्यादा होगी। पेंटागन के एक अधिकारी का कहना है कि अमेरिका को उम्मीद है कि इजराइल जल्द ही और हथियार और गोला-बारूद की मांग करेगा। इस मांग को पूरा करना अमेरिका के लिए आसान नहीं होगा।

अधिकारी का कहना है कि इजराइल ने फाइटर प्लेन के जरिए सबसे ज्यादा जीबीयू-39 बम गाजा पर बरसाए हैं। ऐसे में इस बम की कमी होने पर इजराइल जल्द अमेरिका से इसकी मांग कर सकता है। इसके अलावा 122एमएम टैंक के गोले और मोर्टार की भी इजराइल में कमी हो सकती है। सबसे ज्यादा चुनौती इजराइल को आयरन डोम के लिए मिसाइलों की कमी नहीं होने देने की है। इजराइल का फोकस पूरी तरह से गाजा की तरफ है, लेकिन लेबनान से हिजबुल्ला के हमले का खतरा भी बना हुआ है। हिजबुल्ला ने बीते दिनों तीन जगहों से इजराइल पर गोले दागे। जवाब में इजराइल ने भी लेबनान की ओर दर्जनों मिसाइलें दागीं। हिजबुल्ला के पास 10 हजार से ज्यादा खतरनाक मिसाइलें हैं। ऐसे वक्त में अगर वह इन मिसाइलों का इस्तेमाल इजराइल के खिलाफ करता है तो कम से कम इतनी या इससे ज्यादा मिसाइलों का इस्तेमाल इजराइल को अपने बचाव में करना होगा। इस स्थिति में इजराइल को मदद कर पाना इस वक्त अमेरिका के लिए भी मुश्किल हो सकता है। इजराइल ईरान को लेकर भी अलर्ट है। जंग में ईरान की एंट्री होने पर इजराइल के लिए मुश्किलें और ज्यादा बढ़ेंगी। ऐसे में इजराइल को बड़ी मात्रा में गोला-बारूद की प्रॉपर सप्लाई जरूरी है।

यूक्रेन या इजराइल, कहां फोकस करेगा अमेरिका

अमेरिका के रक्षा सचिव लॉयड जे. ऑस्टिन ने हमास के हमले के अगले ही दिन 8 अक्टूबर को कहा था कि इजराइल की मदद के लिए हथियार और गोले-बारूद की पहली खेप भेज दी गई है। भूमध्य सागर से विमानवाहक पोत गेराल्ड आर. फोर्ड भी इजराइल की ओर रवाना हो गया है। बाइडेन ने भी वादा किया है कि इजराइल की हर तरह से मदद की जाएगी। क्या यूक्रेन की सप्लाई बाधित किए बिना इजराइल की मदद हो पाएगी? बाइडेन प्रशासन ने इस सवाल पर कहा कि इसमें चुनौतियां जरूर हैं, लेकिन वो मैनेज कर लेंगे। अमेरिका और इजराइल के बीच काफी पुराने सैन्य सहयोग के रिश्ते हैं। दोनों देशों ने 2016 में डिफेंस इक्विपमेंट खरीदने के लिए 38 बिलियन डॉलर की सालाना ग्रांट और 5 बिलियन डॉलर की मिसाइल डिफेंस के 10 साल के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। दूसरी तरफ रूस-यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद अमेरिका ने यूक्रेन को 44 अरब डॉलर की सुरक्षा सहायता भेजी है। आखिरी किश्त को दिसंबर 2022 में मंजूरी दी गई थी। डिफेंस एक्सपर्ट्स मानते हैं कि इजराइल और यूक्रेन के गोला-बारूद की जरूरतें अलग-अलग हैं।

इजराइल जंग के जिस फेज में है, फिलहाल उसकी प्रमुख जरूरत अपने नागरिकों की बस्तियों, सैन्य कमान सेंटर और कंट्रोल सेंटर की सुरक्षा के लिए इंटरसेप्टर मिसाइल्स की है। इसकी संभावना कम है कि इजराइल ने जंग की शुरुआत में ही अपने छोटे हथियारों के गोला बारूद खर्च कर दिए हों।

दूसरी तरफ यूक्रेन की प्रमुख जरूरतें गोला-बारूद, मिसाइल रक्षा प्रणाली और जमीनी वाहन हैं क्योंकि वह रूसी सैनिकों से क्षेत्र वापस लेने के लिए लड़ रहा है। इंस्टीट्यूट ऑफ पीस एंड कॉन्फ्लिक्ट स्टडीज के सीनियर फेलो अभिजीत अय्यर मित्रा के मुताबिक इस बात की संभावना है कि इजराइल के पास गोला-बारूद की कमी हो सकती है। हालांकि यूक्रेन और इजराइल जंग में एक बुनियादी अंतर है। यूक्रेनी सेना की तरह इजराइल की सेना ज्यादा गोले बर्बाद नहीं करती है। इसलिए इजराइल को यूक्रेन से कम गोले-बारूद की जरूरत होगी। अभिजीत अय्यर के मुताबिक इजराइली सेना को अपना लक्ष्य पता है। वह टेक्नोलॉजी के मामले में ज्यादा एक्सपर्ट है। ऐसे में वह काफी ज्यादा गोले बेकार नहीं करेगी। गाजा में घनी आबादी है। इजराइल के काफी नजदीक है। ऐसे में तोप के गोलों के ज्यादा इस्तेमाल की संभावना नहीं है। अगर ऐसा हुआ भी तो इजराइल हथियार गोला उत्पादन करने के मामले में किसी दूसरे देश से बेहतर है। ऐसे में इसकी संभावना कम है कि इजराइल को गोले-बारूद की ज्यादा कमी होगी।

पलामू के रास्ते झारखंड से विदा हो रहा मानसून

रांची, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड से मानसून की वापसी के बाद अब न्यूनतम तापमान में भी धीरे-धीरे कमी आने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 14 अक्टूबर के बाद तापमान में कमी आएगी। अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान भी 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा सकता है। करीब-करीब पूरे राज्य में ऐसी ही स्थिति रहेगी। राज्य में पिछले 24 घंटे में मानसून की स्थिति कमजोर रही। इस दौरान सिर्फ पाकुड़ में 5.5 मिलीमीटर बारिश हुई। रांची स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अभी मानसून वापसी की लाइन रौक्सल, डालटनगंज, कांकेर, बिजापुर और वेनुगला से होकर गुजर रही है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम बंगाल के बिहार, तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों से अगले दो दिनों में मानसून की पूरी तरह से वापसी

हो जाने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार आगामी 17 अक्टूबर तक राज्य में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के नीचे आने की संभावना है। इस दौरान रांची और आसपास के इलाके में मौसम साफ रहने का अनुमान है। जबकि न्यूनतम तापमान 22 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। राज्य में 1 से 11 अक्टूबर के बीच 134.2 मिलीमीटर बारिश हुई। सबसे अधिक 201.2 मिलीमीटर बारिश धनबाद में, बोकारो में 190.8, चतरा में 129.8, देवघर में 103.2, दुमका में 133.3, पूर्वी सिंहभूम में 110.5, गढ़वा में 190.2, गिरिडीह में 154.2, गोड्डा में 174.1, हजारीबाग में 164.3 और जामताड़ा में 162.6 मिलीमीटर बारिश हुई। कोडरमा में 129, लातेहार में 166.4, लोहरदगा में 138.6, पलामू में 152.5, रांची में 152.3 और साहेबगंज में 184.8 बारिश हुई। अक्टूबर में सबसे कम सिमडेगा में 74 और पश्चिमी सिंहभूम में 72.3 मिलीमीटर बारिश हुई।

ट्रेलर की टक्कर से आरक्षी की मौत

एसपी कार्यालय में था तैनात

जांजगीर चांपा, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। जांजगीर चांपा जिले में पुटपुरा और श्रीराम एनर्जी पेट्रोल पंप के बीच ट्रेलर की चपेट में आकर एक बाइक सवार आरक्षी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ट्रेलर में कोयला भरा हुआ था। हादसे के बाद ट्रेलर भी थोड़ी जाकर पलट गया। इसके बाद चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक आरक्षी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जानकारी के अनुसार, आरक्षी राजकुमार सोनी एसपी कार्यालय में एसपी अर्चना झा का रीडर था। वह 11 अक्टूबर को अपना काम खत्म कर बिलासपुर अपने परिवार के पास गया था। गुरुवार सुबह वह एसपी कार्यालय जांजगीर एनएच-49 मार्ग से आ रहा था। रास्ते में कोयला से भरा ट्रेलर जा रहा था। ट्रेलर को ओवरटेक करते समय वह उसकी चपेट में आ गया। हादसे में बाइक सवार आरक्षी की मौत हो गई और ट्रेलर भी पलट गया है। ट्रेलर चालक फरार है।

सिटी कोतवाली पुलिस को सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लगाया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया जाएगा। ट्रेलर चालक के खिलाफ सिटी कोतवाली में धारा 304ए के तहत कार्रवाई की जायेगी।

नक्सलियों ने किया दो करोड़ से ज्यादा का नुकसान

देर रात शिवपुर कठौतिया रेलवे लाइन पर माओवादियों ने किया हमला, कई गाड़ियां फूंकी, मोबाइल छीने

कटकमसांडी, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। नक्सलियों ने हजारीबाग जिले के कटकमसांडी थाना क्षेत्र के शाहपुर हेसा कुंदर गांव में भारी नुकसान पहुंचाया है। घटना देर रात 2 बजे के बाद की है। इलाके में चार वाहन को जला दिया गया है। इस हादसे में दो हाइवा, एक पेलोडेर और एक पिकअप शामिल है।

माओवादी उग्रवादियों ने कटकमसांडी थाना क्षेत्र के शिवपुर कठौतिया रेलवे लाइन निर्माण स्थल कटकमसांडी थाना क्षेत्र के शाहपुर के सीमा ने 11 अक्टूबर की देर रात लगभग 1:30 बजे हमला कर दिया। रॉयल इंफ्रो कंट्रोल लिमिटेड में 30 से 40 की संख्या में पहुंचे उग्रवादियों ने दस्ताने सीमा पहाड़ी मंदिर के सामने वाले कैंप में धावा बोला और वहां कार्यरत 15 से 20 कर्मियों को कब्जे में ले लिया।

गाड़ियों में लगा दी आग

सभी को रेलवे लाइन को पार कर कर दूसरी तरफ स्थित कैंप में रखा गया और चारों तरफ से घेर लिया 5 से 7 लोग कैंप के अंदर आए और सोए कर्मियों को उठाया, 15 लोगों का मोबाइल छीन लिया और कैंप के एक रूम में सभी को बंद कर दिया। गाड़ी से डीजल निकाल कर दो हाइवा और एक जैसी भी मशीन में छिड़क कर आग लगा दी। एक दूसरे कैंप में एक डीजल टैंकर एक हवा एक ट्रैक्टर डोजर तथा पिकअप वैन में भी डीजल डाला और आग लगा दिया।

नक्सलियों ने की चार राउंड फायरिंग

आग लगाने के बाद सभी उग्रवादियों ने घटनास्थल पर चार राउंड फायरिंग करते हुए, जंगल की ओर निकले। इससे पहले उग्रवादियों ने घटनास्थल पर एक पर्चा भी छोड़ा। इस पर्चे में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मारवाड़ी लिखा है परिचय में यह धमकी दी गयी है कि कोई भी सरकारी कार्य बिना आदेश का नहीं करें, बिना आदेश का करने पर फौजी कार्रवाई की जाएगी। जल जंगल हम जमीन हमारी है पुलिस मुखबारी बंद करो लिखे हुए थे।

लाठीचार्ज के बाद आक्रोश में एचईसी कर्मचारी

बकाया वेतन की मांग के साथ अब लाठी चार्ज करने वाले जवानों को सस्पेंड करने की भी मांग

रांची, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। एचईसी कर्मियों ने गुरुवार एचईसी हेडक्वाटर रोड को जाम कर रखा है। इस रोड से किसी भी वाहन को प्रवेश की अनुमति नहीं है। यह आक्रोश बुधवार हुए लाठीचार्ज के बाद देखने को मिल रहा है। दरअसल करीब 19 महीने का वेतन बकाया होने से एचईसी कर्मियों के सब्र का बांध बुधवार को टूटा जब एचईसी कर्मियों ने बकाया वेतन भुगतान की मांग करते हुए निदेशक (वित्त) राजेश कुमार द्विवेदी और निदेशक एसडी सिंह का घेराव कर दिया, जिससे अधिकारी करीब नौ घंटे तक अपने कार्यालय में ही बंधक बने रहे। कल लाठीचार्ज के बाद एचईसी के कर्मचारी आज भी सड़क पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार को हुए लाठीचार्ज के विरोध में कर्मचारियों ने आज सड़क जाम किया है। कर्मचारियों का कहना है कि लगभग 19 महीने का वेतन बकाया है जिसकी वजह से उन्हें जीवन यापन में भी परेशानी हो रही है।

रजरप्पा में इस नवरात्र होगी खास तैयारी

दक्षिणेश्वर काली की तर्ज पर बनेगा रामगढ़ के सिद्धपीठ रजरप्पा मां छिन्नमस्तिका का मंदिर

रामगढ़, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रसिद्ध सिद्धपीठ रामगढ़ जिले के रजरप्पा मंदिर में शारदीय नवरात्र को लेकर तैयारी तेज है। फूलों से मंदिर को सजाने के लिए कोलकाता से कारीगर बुलाए गये हैं। मंदिर परिसर की सफाई की जा रही है, हवन कुंड भी साफ किया जा रहा है। दामोदर भैरवी नदी के संगम स्थल पर पहली बार गंगा आरती लगातार नौ दिनों तक की जाएगी।

कोलकाता से आई 40 कारीगरों की टीम शरदीय नवरात्रि में मंदिर को फूलों से भव्य रूप देने की तैयारी में है। इस बार दक्षिणेश्वर काली मंदिर का प्रारूप दिया जायेगा। इस बार कई फूल जिसमें हाइड्रेंजस, पियोनिया, लिली, एंथुरियम, फल, फूल से मंदिर को आकर्षक तरीके से सजाया जाना है। इस बार नवरात्र के दौरान गंगा आरती विशेष आकर्षण का केंद्र होगा। रजरप्पा के इतिहास में पहली बार नौ दिनों तक गंगा आरती हो रही है।

भाजपा में सबसे ज्यादा वकालत की डिग्री वाले प्रत्याशी

केन्द्रीय मंत्री और सांसद समेत 15 उम्मीदवार 12वीं पास, 21 ग्रेजुएट, 17 पोस्ट ग्रेजुएट

रायपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवारों की दो लिस्ट जारी कर चुकी है। प्रदेश की 90 में से 85 सीटों पर प्रत्याशी तय कर दिए गए हैं। बीजेपी की दोनों लिस्ट में प्रोफेशनल डिग्रीधारी ज्यादातर नेताओं ने वकालत की पढ़ाई की है। लिस्ट में केन्द्रीय मंत्री रेणुका सिंह और रायगढ़ सांसद गोमती साय समेत 15 ऐसे प्रत्याशी हैं, जो 12वीं पास हैं।

पूर्व मंत्री दयालदास बघेल समेत 6 प्रत्याशियों ने केवल 10वीं तक की पढ़ाई की है। इसी तरह 10 ऐसे प्रत्याशी हैं जिनके पास वकालत की डिग्री है। प्रत्याशियों में 21 ग्रेजुएट और 17 पोस्ट ग्रेजुएट हैं। वहीं, 4 डॉक्टर, 2 पूर्व आईएएस और 4 प्रत्याशियों के पास दूसरी प्रोफेशनल डिग्री है। बीजेपी के 2 प्रत्याशी ऐसे भी हैं जिन्होंने 5वीं और 8वीं तक ही पढ़ाई की है।

बीजेपी के प्रत्याशियों में प्रोफेशनल डिग्रीधारियों में सबसे ज्यादा संख्या वकालत करने वालों की है। 10 ऐसे प्रत्याशी हैं,

जिन्होंने एलएलबी और एलएलएम जैसी डिग्री लेने के बाद राजनीति में प्रवेश किया वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जिन्होंने छात्र राजनीति करते हुए अपनी पढ़ाई पूरी की। पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने 1977 में छात्र राजनीति की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने एमकॉम, एमए, एलएलबी और डीबीएम की डिग्री ली। 1990 में वो पहली बार विधायक बने और फिर 2018 में 7वीं बार विधायक का चुनाव जीता। इस बार भी रायपुर दक्षिण से पार्टी ने बृजमोहन पर ही भरोसा जताया है। वकालत की पढ़ाई करने वाले ननकीराम कंवर भी हैं। 1969 में जनसंघ के समय से ही ननकीराम कंवर पार्टी से जुड़े हैं। उनके पास एमए और एलएलबी की डिग्री है। उन्होंने 1972 में पहला चुनाव लड़ा, लेकिन 1977 में पहली बार जीत हासिल की और फिर 1990 से 2008 तक विधायक रहे। 2013 में हार मिली लेकिन 2018 में फिर से विधायक चुने गए। ननकीराम कंवर ने ही पीएससी मामले को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका लगाई है।

एमए और एलएलबी की पढ़ाई करने वाले धरमलाल कौशिक बिलासपुर जिले की बिल्हा सीट से बीजेपी की टिकट पर तीसरी बार विधायक बने हैं। कौशिक ने संगठन की राजनीति करते हुए अपनी राजनीति की शुरुआत की। वो पार्टी के मंडल महामंत्री, मंडल अध्यक्ष, युवा मोर्चा अध्यक्ष, जिला महामंत्री, प्रदेश मंत्री और प्रदेशाध्यक्ष रह चुके हैं।

2003 में विधानसभा चुनाव हारने के बाद बीज और कृषि विकास निगम का अध्यक्ष रहते हुए उन्हें राज्यमंत्री का दर्जा मिला था। फिर 2008 से 13 तक वो विधानसभा अध्यक्ष रहे। 2013 में विधानसभा चुनाव हारने के बाद उन्हें प्रदेश भाजपा की कमान मिली। 2018 में सरकार जाने के बाद उन्होंने नेता प्रतिपक्ष का पदभार संभाला था। हालांकि बाद में नारायण चंदेल को नेता प्रतिपक्ष बना दिया गया।

युवती को अगवा कर 15 लाख की फिरौती मांगी

कोरबा, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोरबा में अगवा कर फिरौती मांगे जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घर से सिलाई सीखने के नाम पर निकली युवती रहस्यमयढंग से लापता हो गई थी। उसके दूसरे ही दिन से 15 लाख रुपए फिरौती मांगे जाने का सिलसिला शुरू हो गया। अपहरणकर्ता रकम नहीं देने पर युवती की हत्या कर शव घर भेजने की धमकी दे रहे हैं। मामले में पुलिस ने तहकीकात शुरू कर दी है। बांगो थानांतर्गत ग्राम पंचायत लेपरा के आश्रित ग्राम चुनभट्ठी में कृष्णा विश्वकर्मा रहते हैं। वह अपनी पत्नी और कुछ अन्य ग्रामीणों के साथ बुधवार को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा था। कृष्णा ने बताया कि उसकी 28 वर्षीय बेटी संतोषी सिलाई का काम सीखना चाहती थी। इसके लिए वह कोरबा में रहने वाली अपनी सहेली के पास तीन चार बार आ चुकी थी। वह 28 सितंबर की सुबह भी कोरबा के लिए रवाना हुई थी। वे हर बार की तरह शाम तक बेटी के घर लौट आने की उम्मीद में बैठे रहे, लेकिन संतोषी घर नहीं पहुंची। उसकी सहेली और नाते रिश्तेदारों में पूछताछ की गई तो कोई भी जानकारी हाथ नहीं लगी।

29 सितंबर को संतोषी के मोबाइल से एक कॉल आया। मोबाइल रिसीव करने पर किसी और की आवाज सुनाई दी। कॉल करने वाले ने संतोषी को अगवा कर लेने की जानकारी दी। उसने 15 लाख रुपए फिरौती की मांग की। कथित अपहरणकर्ता ने रकम नहीं देने पर बेटी का कत्ल कर शव घर भेज देने की धमकी दी। यह सिलसिला पिछले 12 दिनों से चला आ रहा है। कथित अपहरणकर्ता परिजनों के अलावा ग्रामीणों से भी संपर्क कर फिरौती की मांग कर रहा है। कृष्णा का कहना है कि उसके पास थोड़ी बहुत जमीन है, जिसमें खेती किसानी कर मुश्किल से परिवार का भरण पोषण होता है। ऐसे में उसके लिए 15 लाख रुपए फिरौती दे पाना बेहद ही मुश्किल है। उसने अपनी बेटी को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छुड़ाने की गुहार पुलिस के आला अफसर से लगाई है। मामले में बांगो पुलिस ने मामला दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है। कृष्णा का कहना है कि उसकी बेटी 12 दिनों से लापता है। अपहरणकर्ता लगातार 15 लाख फिरौती के लिए धमकी दे रहे हैं। घटना के दूसरे ही दिन उसने मामले की सूचना पुलिस को दे दी थी। आरोप है कि पुलिस सिर्फ गुमशुदगी दर्ज कर औपचारिकता निभाती रही है, जिससे हताश पिता को कोसों दूर सफर कर पुलिस मुख्यालय आना पड़ा। मामले को एसपी अभिषेक वर्मा ने बताया की मामले को गंभीरता से लेते बांगो थाना में जुर्म दर्ज किया गया है। और फोन डिटेल के आधार पर जांच की जा रही है।

माइनिंग लीज मामले में अगली सुनवाई 29 नवंबर को

रांची, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड हाई कोर्ट में खनन पट्टा आवंटन को लेकर दायर सुनील कुमार महतो की जनहित याचिका पर आज सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ में सुनवाई हुई है। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने पक्ष रखा है।

वकील ने बताया कि यह मामला अलग है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्नी और साली के नाम इंडस्ट्रियल यूज की जमीन ली है। इस मामले में राज्य सरकार और मुख्यमंत्री की ओर से वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल, महाधिवक्ता राजीव रंजन और पीयूष चित्रेश ने इस मामले में अपना पक्ष रखा। मुख्यमंत्री की तरफ से पक्ष रखते हुए वकीलों ने कहा, यह मामला पहले ही सुप्रीम कोर्ट में खारिज हो चुका है। सरकार की ओर से याचिकाकर्ता के आरोपों से संबंधित शपथ पत्र पर जवाब दाखिल करने, काउंटर एफिडेविट दायर करने के लिए समय मांगा गया। इस मामले में अगली सुनवाई अब 29 नवंबर को होगी

मां पार्वती की मूर्ति तोड़ी, वस्त्र निकालकर फेंके

भिलाई, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भिलाई के कैंप-2 में बुधवार देर रात शिव-पार्वती की मूर्ति को खंडित कर दिया गया। मंदिर में पार्वती की मूर्ति का एक हाथ टूटा हुआ मिला है। वहीं पास में ही मूर्ति के कपड़े भी उतार कर फेंके गए थे। अगले दिन सुबह घटना का पता चलने के बाद से लोग आक्रोशित हो गए और प्रदर्शन करने लगे। पुलिस लोगों को शांत करने की कोशिश कर रही है। संतोषी पारा की इस घटना के बाद महिलाओं ने दोबारा मूर्ति को वस्त्र पहनाया। घटना की जानकारी मिलते ही बजरंग दल के लोग सुबह से वहां एकत्र हो गए और हंगामा जारी है। वे आरोपी की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है।

इजराइल पर हमले के 5 घंटे बाद की सैटेलाइट तस्वीरें

इनमें जली हुई इमारतें दिखीं, हमास लड़ाकों ने घर में घुसकर लोगों को गोलियां मारीं

जेरुशलम, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। 7 अक्टूबर, समय- सुबह 11:31 बजे। हमास ने सुबह 6:30 बजे इजराइल पर हमला किया। हमले के पांच घंटे बाद, यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने सैटेलाइट से इजराइल की कुछ तस्वीरें खीचीं। इन तस्वीरों में गाजा पट्टी से लगे इजराइली शहरों में तबाही दिखाई दी।

पृथ्वी को लगातार ऑब्जर्व करने वाली सेंटिनल-2 सैटेलाइट ने ये तस्वीरें ली हैं। इसमें जले हुए घर और तबाह हुई इमारतें दिख रही हैं। हमास ने सुबह करीब 6 से 6:30 के बीच रॉकेट से इजराइल पर हमले शुरू कर दिए थे। इस बीच हमास के लड़ाके बॉर्डर पार करके इजराइल में घुसपैठ की। लड़ाकों ने इजराइलियों के घर में घुसकर उन पर गोलियां बरसाईं।

जिन जगहों पर हमास ने सबसे ज्यादा लोगों को निशाना बनाया उनमें किबुत्ज नीर ओज भी शामिल है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, किबुत्ज नीर ओज में हमले से पहले करीब 350-400 लोग थे। हमले के बाद यहां मुश्किल से 200 लोग बचे हैं।

किबुत्ज नीर ओज के लोगों पर हमास के अत्याचार से जुड़े कई

वीडियो और फोटोज लगातार सामने आ रहे हैं। द टाइम्स ने ऐसा ही एक 30 मिनट का वीडियो वेरिफाई किया। एक कमरे के अंदर खून से लथपथ करीब 6 शव नजर आए। इस बीच एक बंदूकधारी गोलियां चलाना शुरू करता है और यह वीडियो यहीं खत्म हो जाता है। इजराइली सेना ने बताया कि नीर ओज में कितने लोगों को अगवा किया गया है, इसका डेटा अभी नहीं मिल पाया है। इजराइल का बॉर्डर इलाका किबुत्ज रीम। यहां इजराइल के नोवा म्यूजिक फेस्ट के लिए जुटे हजारों लोगों पर गाजा पट्टी की तरफ से रॉकेट दागे गए। पैराग्लाइडर्स, मोटरसाइकिल, गाड़ियां और ट्रैक्टर पर सवार हमास के लड़ाकों ने भी ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू कर दी। म्यूजिक फेस्टिवल के पास के ही एक मिलिट्री बेस पर भी हमला हुआ। हमास ने म्यूजिक फेस्टिवल के वेन्यू को तीन तरफ से घेर लिया था। सिर्फ एक ही दिशा ऐसी थी, जहां से भाग पाना संभव था। इस दिशा में हमास के लड़ाके इजराइलियों को टारगेट बना रहे थे। लोग अपनी गाड़ियों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन फायरिंग इतनी ज्यादा थी कि ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था।

इजराइल के इमरजेंसी वर्कर्स ने किबुत्ज बीरी से करीब 100 शव बरामद किए हैं। बीरी में हमास के लड़ाके 7 अक्टूबर को सुबह करीब 6 बजे दाखिल हुए थे। इसके बाद हमास ने लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। कई लोगों को इस दौरान अगवा भी किया गया। इनमें से कुछ की हत्या कर दी गई।

फेंसिंग तोड़ इजराइल में दाखिल हुए हमास के लड़ाके

शनिवार की सुबह इजराइल पर हमले शुरू हुए। हमास के लड़ाकों ने इजराइली नागरिकों पर गोलीबारी की। इजराइली सैनिकों और पुलिस पर रॉकेट दागे और गाजा पट्टी के आसपास की फेंसिंग को तोड़ दिया। हमले होते ही कुछ इजराइली बॉम्ब शेल्टरों की तरफ भागे, तो कुछ दूसरे लोगों ने लड़ाकों से लड़ने की भी कोशिश की।

हमास को कहां से मिलती है फंडिंग

अमेरिका और यूरोप ने हमास को एक आतंकी संगठन घोषित किया है। इसलिए उसे आधिकारिक मदद नहीं मिल पाती जैसे वेस्ट बैंक में पीएलओ को मिलती है। फिलिस्तीनी प्रवासियों और फारस की खाड़ी के प्राइवेट डोनर्स ने इस उग्रवादी आंदोलन को ज्यादातर फंडिंग की है। कुछ इस्लामिक चैरिटी ने हमास समर्थित ग्रुप्स को पैसा दिया है।

गाजा की माली हालत बेहद खराब है। गाजा में रहने वाले फिलिस्तीनियों की जिंदगी अंतरराष्ट्रीय मदद पर निर्भर है। ये मदद आमतौर पर संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के जरिए गाजा तक पहुंचती है। इस वक्त हमास के सबसे बड़े मददगारों में ईरान शामिल है। वो पैसा, हथियार और ट्रेनिंग सब दे रहा है। एक अनुमान के मुताबिक ईरान हमास को सालाना करीब 100 मिलियन डॉलर यानी करीब 830 करोड़ रुपए की मदद देता है। 2002 में राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के सत्ता में आने के बाद से तुर्की हमास का एक कट्टर समर्थक और इजराइल का आलोचक रहा है। तुर्की केवल राजनीतिक रूप से हमास का समर्थन करने की बात करता है, लेकिन उस पर हमास के उग्रवाद को भी फंडिंग करने का आरोप लगाया जाता है।

लोगों को हथकड़ी बांधकर मौत के घाट उतारा जा रहा

हमास की बर्बरता पर इजराइली रक्षा बलों का दावा

जेरुशलम, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस्राइल पर हमला करना हमास के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। हमास के हमले का जवाब देते हुए इस्राइल ने गाजा पट्टी पर बड़ी तबाही मचाई है। जंग जारी है और दोनों ओर से रॉकेट, बम और गोलियां लगातार चल रही हैं। इस्राइल आतंकवादी ग्रुप के ठिकानों को चुन-चुन का खत्म करने में लगा है। हालांकि, इस बीच इस्राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने हमास पर आरोप लगाया है कि उसने लोगों के साथ जॉम्बी जैसा व्यवहार किया है। बता दें, इस्राइल के 1200 लोग मारे जा चुके हैं। वहीं कई लोगों के बंधक बनाए जाने की खबर सामने आ रही है। इस्राइल के रक्षा बलों ने दावा किया कि हमास ने कई लोगों को बंधक बना लिया है और उन्हें मौत की सजा दी जा रही है। आईडीएफ के अधिकारी जोनाथन कॉनरिकस ने बताया, 'बच्चों को मारने की खबरें सामने आ रही थीं, लेकिन हमारे लिए इस पर विश्वास करना मुश्किल था। हम यह यकीन नहीं कर पा रहे थे कि हमास इतनी बर्बरता पर उतर आएगा। हालांकि, गवाहों के सामने आने से इसकी

पुष्टि हो गई है कि हमास यही कर रहा है।' उन्होंने दावा किया कि हमास जॉम्बी फिल्म की तरह गाजा पट्टी में इस्राइल की महिलाओं और बच्चों को हथकड़ी लगाकर मौत के घाट उतार रहा है। बता दें, यह बयान ऐसे समय में आया है जब इस्राइल ने शनिवार को आतंकवादियों के अचानक हुए हमले के जवाब में गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर बमबारी की। इस्राइल ने दावा किया कि गाजा पट्टी में हमास के कई ठिकाने हैं। सुरंगों और बंकरों से यह नेटवर्क चल रहा है। उन्होंने कहा कि वह इन ठिकानों को निशाना बनाने की योजना बना रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर इस्राइल लेबनान के हमलों से भी जूझ रहा है। ऐसे में आईडीएफ लेबनान को नियंत्रित करने की भी कोशिश कर रहा है।

अब तक क्या कुछ हुआ?

आतंकी संगठन हमास और इस्राइल के बीच संघर्ष शुरू हुए छह दिन हो चुके हैं। अब तक दोनों ही तरफ से एक-दूसरे पर हमले जारी हैं। इनमें 2400 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जहां इस्राइल में हमास के हमले में 1200 लोग मारे गए हैं, तो वहीं गाजा पट्टी में इस्राइली वायुसेनी की गोलीबारी में 1200 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। मृतकों में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इस बीच इस्राइल के पीएम नेतन्याहू ने कहा है कि उनकी सेना हमास का नामोनिशान तक मिटा देगी।

सऊदी क्राउन प्रिंस की ईरानी राष्ट्रपति से फोन पर बात

फिलिस्तीनियों के खिलाफ वॉर क्राइम रोकने पर सहमति बनी, समझौते के बाद पहली बार बात

जेरुशलम, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग के बीच ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से फोन पर बात की। फरवरी में चीन की तरफ से समझौता कराए जाने के बाद ये पहला मौका था, जब दोनों

देशों के नेताओं ने बात की। ईरान के स्टेट मीडिया के मुताबिक, बातचीत के दौरान राष्ट्रपति रईसी और सऊदी क्राउन प्रिंस के बीच फिलिस्तीन के खिलाफ वॉर क्राइम रोकने पर सहमति बनी।

मोहम्मद बिन सलमान ने कहा- सऊदी जंग को रुकवाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहा है। हम इसके लिए सभी क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय पार्टीज से बात कर रहे हैं। सऊदी अरब ने इस बात पर भी जोर दिया कि जंग में आम नागरिकों को टारगेट नहीं किया जाना चाहिए।

वहीं इस फोन कॉल पर अमेरिका के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा- हम हमास के खिलाफ जंग में इजराइल के साथ हैं। इस बीच हम लगातार सऊदी अरब के लीडर्स के संपर्क में हैं।

सऊदी बोला- हमारा मकसद फिलिस्तीनियों को उनका हक दिलवाना

इजराइल हमास जंग के बीच कुछ देश इजराइल, तो कुछ फिलिस्तीनियों के पक्ष में हैं। क्राउन प्रिंस ने 2 दिन पहले कहा था कि सऊदी अरब फिलिस्तीनियों के साथ खड़ा है। उनका मकसद फिलिस्तीन के लोगों को उनके अधिकार दिलवाना है।

फिलिस्तीनियों को भी एक सभ्य जीवन और शांति का हक है, जिससे वो अपने सपने पूरे कर सकें।

दूसरी तरफ, ईरान ने जंग की शुरुआत से हमास के हमलों का समर्थन किया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने 10 अक्टूबर को कहा था- हमास के हमले में इजराइल की कुछ अहम जगहों को नुकसान पहुंचा है। उनके लिए दोबारा खड़ा होना इतना आसान नहीं होगा। इजराइल में जो भी हो रहा है, उसके लिए वो खुद जिम्मेदार हैं।

ऑटोमन साम्राज्य से लेकर इजरायल तक

खून से सना है मात्र 41 किमी लंबे गाजा पट्टी का इतिहास

गाजा पट्टी, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। फलस्तीनी आतंकी गुट हमास के इजरायल पर किए गए भीषण हमले के बाद दोनों ही पक्षों में जोरदार लड़ाई जारी है। इजरायल जहां हमास की हर तरफ फैली सुरंगों को बंकर बस्टर बम से निशाना बना रहा है। वहीं हमास भी इजरायल पर रॉकेट की बारिश जारी रखे हुए है। अब तक इस लड़ाई में जहां इजरायल के 1200 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। वहीं गाजा में इजरायली फाइटर जेट के पलटवार से भी 1200 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और 3 लाख 38 हजार लोगों को वस्थिापित होना पड़ा है। इजरायल के करीब 3 लाख सैनिक कभी भी गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर धावा बोल सकते हैं। इजरायल ने इसके लिए पूरी तैयारी कर ली है। करीब 20 लाख की आबादी वाले गाजा पट्टी के इतिहास पर नजर डालें तो यह तुर्की के ऑटोमन साम्राज्य के दौर से ही भयानक लड़ाइयों का गवाह रह चुका है।

गाजा भूमध्यसागरीय तट पर एक तटीय पट्टी है, जो प्राचीन व्यापार और समुद्री मार्गों के एक चौराहे के रूप में एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थान रखती है। गाजा ने एक अशांत अतीत का सामना किया है। साल 1917 में तुर्क साम्राज्य के शासन से लेकर पिछली शताब्दी में ब्रिटिश, मिस्र और इजरायली सैन्य शासन तक चली हिंसा के फलस्वरूप आज फलस्तीनी लोगों का घर गाजा दुनिया की सबसे बड़ी खुली जेल के रूप में तब्दील हो गया है। इजरायल और मिस्र ने इसके चारों ही ओर से कड़ी नाकेबंदी कर रखी है। साल 1940 के दशक के अंत में जब फलस्तीन में ब्रिटिश औपनिवेशिक प्राधिकरण कमजोर हुआ, तो यहूदी और अरब समुदायों के बीच तनाव बढ़ गया। यह आखिरकार मई 1948 में नए-नए स्थापित यहूदी राज्य इजरायल और उसके मुस्लिम अरब पड़ोसियों के बीच एक पूर्ण युद्ध में बदल गया।

इस संघर्ष ने हजारों फलस्तीनी लोगों को विस्थापित कर दिया। इससे वे गाजा पट्टी में शरण लेने के लिए मजबूर हो गए। मिस्र की हमलावर सेना ने इस संकीर्ण तटीय पट्टी पर कब्जा कर लिया, जिससे गाजा की आबादी लगभग 200,000 हो गई। मिस्र ने दो दशकों तक चले अपने सैन्य शासन के तहत गाजा पट्टी का प्रशासन किया। मिस्र ने फलस्तीनी लोगों को मिस्र में काम करने और अध्ययन करने की अनुमति दी। फलस्तीनी 'फदायनि' जिनमें से कई शरणार्थी थे, उन्होंने इजरायल पर हमले किए, जिससे इजरायल को इसका जवाब देना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) की स्थापना की, जो वर्तमान में गाजा पट्टी और अन्य क्षेत्रों में 16 लाख पंजीकृत फलस्तीनी शरणार्थियों को सेवाएं प्रदान करती है। साल 1967 के पश्चिम एशिया के संघर्ष के दौरान इजरायल ने गाजा पट्टी पर कब्जा कर लिया। उस समय, एक इजरायली जनगणना में गाजा की आबादी 394,000 दर्ज की गई थी, जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक शरणार्थी थे। मिस्र के तस्वीर से बाहर होने के साथ, गाजा के कई लोगों को इजरायल के विभिन्न उद्योगों में रोजगार मिला।

ससुरालियों की प्रताड़ना से परेशान नवविवाहिता ने दी थी जान पति समेत आठ लोग गिरफ्तार

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। गौरेला थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में पुलिस ने गुरुवार को पति, सास और देवर सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन सभी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। अब गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

गौरेला थाना क्षेत्र के कोटखर्रा गांव निवासी निर्मला टांडिया ने अपने ससुरालियों की प्रताड़ना से परेशान होकर 8 जुलाई 2023 फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। निर्मला के पिता और अन्य परिजनों ने निर्मला के पति, सास और देवर सहित अन्य लोगों के ऊपर दहेज को लेकर प्रताड़ना का आरोप लगाया था। साथ ही बांझ जैसे शब्दों से ताने दिए जाने का भी आरोप लगाया था। जानकारी के अनुसार, आठ जुलाई को निर्मला के पति पुष्पेंद्र टांडिया ने निर्मला से झगड़ा किया। इसके बाद रात में निर्मला टांडिया ने घर में ही फांसी लगाकर जान दे दी।

बाइडेन बोले- आतंकियों ने बच्चों के सिर कलम किए

फिर व्हाइट हाउस को सफाई देनी पड़ी, हमास ने कहा- अफवाहें फैलाना बंद करें

वाशिंगटन, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में बुधवार को राष्ट्रपति जो बाइडेन हमास-इजराइल जंग पर भाषण दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा- इजराइल पर हमास का हमला, पूरी तरह से क्रूरता का काम है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं आतंकियों को बच्चों के सिर कलम करते हुए देखूंगा। बाइडेन के इस बयान पर व्हाइट हाउस को सफाई देनी पड़ी।

व्हाइट हाउस ने बीबीसी से कहा- बाइडेन ने ऐसी कोई तस्वीर नहीं देखी है। उन्होंने ये बात इजराइली रिपोर्ट के हवाले से कही। ये कौन-सी रिपोर्ट है इसके बारे में व्हाइट हाउस ने कोई जानकारी नहीं दी है।

दरअसल, 7 अक्टूबर को शुरू हुई हमास-इजराइल जंग के बाद कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि हमास ने कई इजराइली बच्चों के सिर कलम किए हैं। हालांकि इजराइल ने इसकी पुष्टि नहीं की है। इन रिपोर्ट्स पर हमास ने भी बयान जारी किया है।

बच्चों को बचाने के लिए माता-पिता ने अपनी जान कुर्बान कर दी। हमास ने पूरे परिवारों को

खत्म किया। अब भी लोग अपनों की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। उन्हें नहीं पता कि वो जिंदा हैं भी या नहीं।

म्यूजिक फेस्टिवल अटैंड करने आई महिलाओं से रेप किया, उन्हें किसी ट्रॉफी की तरह पेश किया।

हमास ने मजबूती से बच्चों को मारने के बाइडेन के दावे को खारिज किया है। हमास के प्रवक्ता गाजी हामद ने कहा है कि हमें एक ऐसी तस्वीर दिखा दीजिए जिसमें हमने औरतों और बच्चों को मारा है। हम आम नागरिकों को नहीं मारते हैं। ये पश्चिमी देशों और उनकी मीडिया का फैलाया प्रोपेगैंडा है।

वहीं, इजराइल की डिफेंस फोर्सेस ने कहा है कि हमास के लड़ाके अपने साथ आईएसआईएस के झंडे लेकर आए थे। उन्होंने इजराइल की महिलाओं और बच्चों का संहार किया है।

नाटो देशों को दिखाई हमास के कत्लेआम की अनसेंसर्ड वीडियो

इजराइल के डिफेंस मिनिस्टर योआव गैलांट ने ब्रसेल्स में नाटो देशों के साथ बैठक की। उन्होंने 31 नाटो देशों के रक्षा मंत्रियों को इजराइल में हमास के कत्लेआम की अनसेंसर्ड तस्वीरें दिखाईं। उन्होंने कहा ये 2023 है, 1943 नहीं, जब हिटलर ने हमारा जनसंहार किया था। हम वही यहूदी नहीं हैं। हम देश मजबूत है।

इससे पहले इजराइल की सेना विदेशी मीडिया को उन इलाकों में ले गई थी, जहां हमास ने घुसपैठ कर लोगों को घरों में घुसकर मारा था। इजराइल ने हमास पर युद्ध अपराध करने के आरोप लगाए हैं।

क्या है वॉर क्राइम?

अगर जंग के दौरान कोई देश बेहद घातक बमों का इस्तेमाल आम नागरिकों, रिहायशी इलाकों, स्कूलों या अस्पतालों को निशाना बनाने के लिए करता है, तो उसके खिलाफ हेग कन्वेंशन 1899 और 1907 के तहत वॉर क्राइम यानी युद्ध अपराध का मुकदमा चलाया जा सकता है।

वॉर क्राइम युद्ध के नियमों का उल्लंघन है, जिसके तहत जानबूझकर नागरिकों को मारना या जानबूझकर युद्ध बंदियों को मारना, यातना देना, बंधक बनाना, नागरिक संपत्ति को अनावश्यक रूप से नष्ट करना, युद्ध के दौरान यौन हिंसा, लूटपाट, सेना में बच्चों की भर्ती, नरसंहार आदि जैसे अपराध शामिल हैं।

क्या नेतन्याहू हैं जंग के जिम्मेदार

पूरे फिलिस्तीन पर कब्जे की चाहत, प्रदर्शन या सत्ता की सनक, क्या राजनीति बनी हमले की वजह

जेरुशलम, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। तारीख - 29 दिसंबर 2022। जगह - इजराइल की संसद नीसेट। यहां बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और इजराइल की 37वीं सरकार बनी। एक साल पहले ही यानी 2021 में नेतन्याहू को घोटालों के आरोपों की वजह से प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। तब कई पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स ने कहा था कि ये उनके राजनीतिक करियर का अंत है। नेतन्याहू ने उन्हें गलत साबित किया और बहुमत नहीं मिलने के बावजूद छठी बार देश के प्रधानमंत्री बने।इजराइल में किसी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिलना हैरानी की बात नहीं है। वहां 74 साल के इतिहास में ऐसा एक भी बार नहीं हुआ कि कोई पार्टी अपने दम पर सरकार बना पाई हो।

इस बार हैरानी की सबसे बड़ी वजह नेतन्याहू की नई सरकार में शामिल कट्टरपंथी पार्टियां थीं। दरअसल, नेतन्याहू ने सत्ता में वापसी करने के लिए शास, यूटीजे, धार्मिक जियोनिज्म, ओत्जमा येहुदित और नोआम जैसी धुर दक्षिण पंथी पार्टियों का समर्थन लिया है। इनमें कई पार्टियां तो पूरे फिलिस्तीन पर कब्जे के समर्थन में है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इन्हीं वजहों से इजराइल में नई सरकार बनते ही फिलिस्तीन के साथ विवाद बढ़ना तय हो गया था।

हमास के हमले के लिए इजराइल की 3 राजनीतिक वजह जिम्मेदार

ऐसे शख्स को मंत्री बनाया जो फिलिस्तिनियों को इजराइल से निकालना चाहते हैं

नेतन्याहू ने नई सरकार में तमर बेन-ग्विर को राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री बनाया है। बेन-ग्विर इजराइल के सबसे विवादित नेताओं में एक हैं। वो अति-राष्ट्रवादी मीर कुहान के कुहानिस्ट विचारधारा के अनुयायी हैं। कुहानिस्ट विचारधारा का मानना है कि इजराइल में गैर यहूदियों को मतदान तक का अधिकार नहीं होना चाहिए।

कुहान संगठन अरब लोगों और मुसलमानों को यहूदी समुदाय और इजराइल का दुश्मन मानता है। इसी वजह से कुहान संगठन पर

1994 में इजराइल ने बैन लगा दिया था, लेकिन उस विचार पर चलने वालों को न रोक सका। इसके एक समर्थक बारूक गोल्डस्टीन ने 29 मुस्लिमों की हत्या कर दी थी। बेन-ग्विर, बारूक के बड़े फैन हैं और इसकी तस्वीर घर में टांग कर रखते हैं।

बेन ग्विर उन इजराइली सैनिकों को लीगल माफी देना चाहते हैं , जो फिलिस्तीनियों को गोली मारने के दोषी पाए गए हैं। पेशे से वकील बेन ग्विर यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद के पास अक्सर आते जाते रहते हैं। यहां उन पर भड़काऊ बयान देने के आरोप लगते हैं। वो मस्जिद के पास अकसर कहते हैं- मैं यहां देश बचाने आया हूं, मैं जिहादियों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा हूं।

ऐसे बयान देने पर एक बार तो उन पर मस्जिद के पास किसी फिलिस्तिनी ने पत्थर मार दिया था। इस पर बेन ग्विर ने अपनी हैंडगन उठा ली और सुरक्षा कर्मियों से कहा कि वो आस-पास मौजूद सभी अरब लोगों की हत्या कर दें। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू, उनके गठबंधन दल के नेता और रक्षा मंत्री बेन ग्विर वेस्ट बैंक पर कब्जे के हिमायती रहे हैं। वो नहीं चाहते कि फिलीस्तीन का वजूद भी रहे। इस लिहाज से पूरी सरकार का फोकस वेस्ट बैंक पर था। इजराइल की ज्यादातर सेना इसी इलाके में तैनात थी। हमास ने इसका फायदा उठाया और गाजा पट्टी की तरफ से इजराइल में घुसपैठ और हमला करने में कामयाब रहे। इजराइल के अखबार हारेट्ज ने नेतन्याहू को जंग का जिम्मेदार ठहराते हुए एक कॉलम लिखा है। इसमें कहा गया है कि नेतन्याहू ने जानबूझकर गाजा में हमास की सत्ता को स्थापित कराया।

हमास से लड़ने रिटायर्ड इजराइली जनरल ने उठाई बंदूक

जेरुशलम, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइली सेना के रिटायर्ड जनरल जिव 7 अक्टूबर की सुबह बाइक पर सवार थे तभी सायरन बजने लगे। उनके पास फोन आने लगे। उन्हें बताया गया कि हमास ने रॉकेट से हमला कर दिया है। रिटायर्ड जनरल फौरन घर पहुंचे, यूनिफॉर्म पहनी, अपनी 9 मिलीमीटर की पिस्तौल उठाई। कुछ ही मिनट में वो गाजा बॉर्डर के पास पहुंच गए। जैसे ही गाड़ी से उतरे एक धमाका हुआ और काले रंग के धुएं का गुबार उठा। हमास के हमले के फौरन बाद तो इजराइली सेना मौके पर नहीं पहुंची थी इसलिए रिटायर्ड जनरल ने मोर्चा संभालने की कोशिश की।

जिव ने कहा- हमले के फौरन बाद तो सैनिक नहीं थे लेकिन गाजा बॉर्डर के पास पहुंचने पर कुछ सैनिक दिखे। इनकी संख्या बेहद ही कम थी। वो टुकड़ों में लड़ाकों से लड़ रहे थे। उन्हें साथ मिलकर हमले की रणनीति बनाना शायद नहीं आता था। इसलिए मैंने उनकी मदद की। जिव ने बताया कि दूर-दूर तक हमास के लाड़के ही दिख रहे थे। वो सैकड़ों की तादाद में थे। मशीन गन से गोलियां बरसा रहे थे। ग्रेनेड फेंक रहे थे। उन्होंने कहा- लड़ाकों ने मुझ पर भी हमला किया।

जनरल जिव, इजराइल डिफेंस फोर्स के ऑपरेशन्स डायरेक्टोरेट के पूर्व हेड लोगों के बीच काफी पॉपुलर हैं। जंग के बीच पिछले एक हफ्ते में उन्होंने दो काम किए हैं, उस वजह से अब वो लोगों के लिए हीरो भी बन गए हैं। एक हफ्ते में वो सिर्फ एक पिस्तौल लेकर जंग के मैदान में लड़ने पहुंच गए, नए सैनिकों को लड़ने के लिए तैयार किया, लोगों को रेस्क्यू करने में भी मदद की।

विधानसभा में अवैध नियुक्तियों की जांच रिपोर्ट पेश करने के लिए मिला एक और मौका

हाई कोर्ट ने सचिव को दिया आदेश

रांची, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा में हुई अवैध नियुक्ति की जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर हाईकार्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। इस दौरान विधानसभा की ओर से उपस्थित अधिवक्ता अनिल कुमार ने कोर्ट को बताया कि जस्टिस विक्रमादित्य कमेटी की रिपोर्ट मांगने के लिए एसजे मुखोपाध्याय कमेटी को पत्र लिखा है। कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद उसे अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ ने इस मामले में एक और मौका देते हुए अगली सुनवाई के लिए 9 नवंबर की तारीख मुकर्रर कर दी है। झारखंड विधानसभा में 150 से भी अधिक अवैध नियुक्तियों की जांच होने के बाद भी कार्रवाई न होने पर शिव शंकर शर्मा ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2005 से 2007 के बीच विधानसभा में हुई नियुक्तियों में भारी गड़बड़ी हुई है।

अभी रानी के किले पर नहीं हुआ हमला, इसलिए चुप हैं वसुंधरा

जयपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। वसुंधरा राजे सिंधिया सरकार में मंत्री रहे राजपाल सिंह शेखावत को उनका बहुत करीबी नेता माना जाता है। वे जयपुर की झोटवाड़ा सीट से 2008 और 2013 में विधायक रह चुके हैं। पिछले चुनाव में वे कांग्रेस के लालचंद कटारिया से चुनाव हार गए थे। लेकिन बदली हवा में इस बार यहां से उनकी जीत पक्की मानी जा रही थी, लेकिन भाजपा ने उनका नाम काट दिया है...

भाजपा ने राजस्थान के लिए घोषित की गई 41 सीटों में से वसुंधरा राजे सिंधिया के करीबी नेताओं को किनारे लगा दिया है। राजपाल सिंह शेखावत और नरपत सिंह राजवी जैसे वसुंधरा के अनेक करीबियों पर भाजपा केंद्रीय नेतृत्व की गाज गिरी है। पहली लिस्ट में एक भी चेहरा ऐसा शामिल नहीं है, जिसे वसुंधरा का खास आदमी कहा जा सके। अभी तक अटकलें लगाई जा रही थीं कि वसुंधरा करीबियों को टिकट न मिलने पर रानी का विद्रोह सामने आ सकता है। लेकिन फिलहाल ऐसा कुछ नहीं हुआ है। वसुंधरा के कुछ समर्थकों ने अपना टिकट कटने पर विरोध जरूर जताया है, लेकिन स्वयं वसुंधरा ने इस पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। क्या उन्हें किसी बात की प्रतीक्षा है,या महत्त्वाकांक्षी रानी ने समय की नजाकत को भांपते हुए केंद्रीय नेतृत्व के सामने हथियार डाल दिए हैं?

सबसे करीबी को नहीं मिला टिकट

वसुंधरा राजे सिंधिया सरकार में मंत्री रहे राजपाल सिंह शेखावत को उनका बहुत करीबी नेता माना जाता है। वे जयपुर की झोटवाड़ा सीट से 2008 और 2013 में विधायक रह चुके हैं। पिछले चुनाव में वे कांग्रेस के लालचंद कटारिया से चुनाव हार गए थे। लेकिन बदली हवा में इस बार यहां से उनकी जीत पक्की मानी जा रही थी, लेकिन भाजपा ने उनका नाम काट दिया है। उनकी जगह राज्यवर्धन सिंह राठौर को चुनाव में उतारा गया है। उनका विरोध अवश्य हो रहा है, लेकिन राठौर का विरोध भी उस स्तर पर नहीं हो रहा है, जिसकी आशंका जताई जा रही थी।

सबसे चौंकाने वाला निर्णय, लेकिन विरोध नहीं

वसुंधरा राजे सिंधिया खेमे के माने जाने वाले नरपत सिंह राजवी इस समय जयपुर की विद्याधर नगर सीट से लगातार तीसरी बार विधायक हैं। वे पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत के दामाद भी हैं। इस सीट पर उनके प्रभाव के कारण इस पर उनका नाम लगभग तय माना जा रहा था, लेकिन उनका टिकट कट गया है। उनके सीट पर सांसद दिया कुमारी को मैदान में उतार दिया गया है। अनुमान यही लगाया जा रहा था कि वसुंधरा के करीबी और शेखावत परिवार का सदस्य होने के कारण उनका टिकट कटने से विरोध हो सकता है। लेकिन भाजपा ने पहली लिस्ट में जिन सात सांसदों को टिकट थमाया है, उनमें दिया कुमारी ही एकमात्र सांसद हैं, जिनका अभी तक खुलकर विरोध नहीं हो रहा है।

क्या वसुंधरा तब भी चुप रह जाएंगी?

इसी प्रकार संदीप चौधरी जैसे कई वसुंधरा के करीबी हैं, जिन्हें फिलहाल अभी तक टिकट नहीं दिया गया है। यूनूस खान, अशोक परनामी, कालीचंद सर्राफ, प्रह्लाद गुंजल और कई अन्य करीबियों को अभी तक टिकट नहीं मिला है। यदि भाजपा की अगली सूची में भी वसुंधरा समर्थकों को टिकट नहीं मिला तो क्या वसुंधरा राजे सिंधिया तब भी चुप रह जाएंगी?

बगावत की थी आशंका

चर्चा है कि वसुंधरा ने अपने कम से कम 52 विशेष समर्थकों को चुनाव में जुटने का संदेश दे दिया है। यदि इन समर्थकों को भाजपा से टिकट मिलता है, तो वे पार्टी के सिंबल पर चुनाव लड़ेंगे, लेकिन यदि उन्हें टिकट नहीं मिला, तो वे स्वतंत्र चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहें, ऐसा निर्देश उन्हें दे दिया गया है। यदि ऐसा होता है और वसुंधरा समर्थक उम्मीदवार पांच-दस हजार वोट भी काटते हैं तो इससे भाजपा को बड़ा नुकसान हो सकता है।

'अभी रानी के किले पर हमला नही हुआ'

राजस्थान की राजनीति के जानकार अजय राज शर्मा ने अमर उजाला से कहा कि अभी से यह कहना सही नहीं होगा कि वसुंधरा राजे सिंधिया के करीबियों को पूरी तरह अलग कर दिया गया है। भाजपा ने पहली सूची में उन्हीं क्षेत्रों को शामिल किया है, जहां या तो भाजपा कभी नहीं जीतती थी, या जिन सीटों पर उसकी जीत हमेशा सुनिश्चित मानी जाती थी। लेकिन अभी वसंधरा राजे सिंधिया के मूल इलाके झालावाड़ और इसके आसपास के इलाकों की सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा नहीं हुई है। ऐसे में अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि वसुंधरा करीबियों को पूरी तरह किनारे लगा दिया गया है।

वसुंधरा को भी मिल सकता है टिकट

अजय राज शर्मा ने कहा कि वसुंधरा को टिकट मिलने पर भी तमाम आशंकाएं जाहिर की जा रही थीं। लेकिन अब चर्चा है कि भाजपा उन्हें मैदान में उतार सकती है। इससे भाजपा के चुनावी मुहिम को तेजी मिल सकती है और उसकी जीत का आंकड़ा बढ़ सकता है। जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, उनमें भाजपा के लिए यदि कहीं से बेहतर समाचार सुनने को मिल सकता है, तो वह राजस्थान ही हो सकता है। ऐसे में वह अपनी इस जीत को इतना बड़ा अवश्य रखना चाहेगी, जो दूसरे राज्यों में नुकसान के शोर को कमजोर कर सके।

भाजपा से टिकट नहीं मिला तो बीएसपी उम्मीदवार बने भवानी सिंह

कहा- ईआरसीपी प्राथमिकता

दौसा, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा की लिस्ट आने के बाद बगावती तेवर दिखाने वाले नेताओं की तादाद बढ़ती जा रही है। दौसा जिले के बांदीकुई में भाजपा से टिकट नहीं मिला तो भवानी सिंह गुर्जर ने बीएसपी का दामन थाम लिया है। राजस्थान में भाजपा के टिकट फाइनल हो रहे हैं तो बगावत के सुर भी तेज हो रहे हैं। दौसा जिले के बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र में कुछ दिन पहले भाजपा से टिकट मांग रहे भवानी सिंह गुर्जर की जगह पार्टी ने भागचंद टांकड़ा को टिकट दे दिया। इस पर भवानी सिंह ने बीएसपी का दामन थाम लिया। पार्टी के नाराज नेता भाजपा की परेशानी बन सकते हैं।

दौसा जिले के बांदीकुई विधानसभा से बसपा का टिकट मिलने के बाद भवानी सिंह ने कहा कि जीता तो बांदीकुई को जिला बनाना प्राथमिकता होगी। रेहडिया बांध ईआरसीपी योजना के अंतर्गत लाया जाएगा। बांदीकुई के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

दौसा जिले के बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) ने जिले का दूसरा टिकट गुर्जर समाज को दिया है। भवानी सिंह माल को अपना प्रत्याशी बनाया है। बीएसपी का टिकट लेने के बाद आम जनता से अपने पक्ष में वोट करने की अपील की। साथ ही कहा कि रेहडिया बांध, ईआरसीपी योजना और क्षेत्र में उद्योग स्थापित करना प्राथमिकता रहेगा।

इसके अलावा पानी के साथ ही अन्य विकास के मुद्दे भी प्राथमिकता रहेगी। भवानी सिंह माल मूल रूप से ठेकेदारी करते हैं। इन्होंने भाजपा से टिकट मांगा था। भाजपा ने भागचंद टांकड़ा पर दांव खेला, तो भवानी सिंह ने बसपा का दामन थाम लिया।

बीजेपी विधायक वासुदेव देवनानी बोले- पार्टी बिल्कुल एकजुट

जयपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान चुनाव को लेकर भाजपा विधायक वासुदेव देवनानी से बात की गई तो उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराजगी को भी पल दो पल वाला बताया।

।राजस्थान विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। भाजपा ने काफी सोच वाली रणनीति के साथ अपने 41 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। वहीं जब चुनाव को लेकर भाजपा विधायक वासुदेव देवनानी से बात की गई तो उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराजगी को भी पल दो पल वाला बताया। उन्होंने कहा कि सब पार्टी को जिताने में एकजुट नजर आएंगे। वसुंधरा राजे भी नाराज नहीं हैं।

वासुदेव देवनानी ने कहा कि 41 उम्मीदवारों की पहली सूची पर बोलना चाहूंगा। कहना चाहूंगा कि ऐसा कहीं किसी के लिए नाराजगी नहीं है। वसुंधरा राजे की नाराजगी की खबर भी महज

मीडिया की खबर है। वह पूरी बैठक और फैसले में सहभागी रही हैं। सर्वसम्मति से सभी नाम तय किए गए हैं। जहां तक विद्याधर नगर से सिटिंग विधायक नरपत सिंह राजवी के टिकट काटे जाने के बाद उनकी नाराजगी वाले बयान की बात है तो वे ही उत्तर देंगे।

वासुदेव ने कहा कि वे हमारे श्रेष्ठ कार्यकर्ता हैं। पार्टी ने स्थानीय स्तर पर चर्चा करके ही यह फैसला किया है। मुझे लगता है कि मतदान का प्रतिशत बढ़े चुनाव आयोग और संगठन दोनों चाहते हैं। सब की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए आगे पीछे तारीख की गई है। हमने नेतृत्व को भी हमारी भावनाओं से अवगत करवा दिया है। दूसरी सूची की जहां तक बात है, नवरात्रि शुरू होने के साथ ही केन्द्रीय नेतृत्व सर्वे करने के बाद जीतने वाले संभावित उम्मीदवार का नाम शामिल करके जारी कर देगी।

चुनाव जीतने के लिए लिए जा रहे धड़ाधड़ फैसले

काम किया दिल से, कांग्रेस फिर से, यह नारा तो वे बोल रहे हैं काफी वक़्त से, लेकिन आचार संहिता लगने से 2 दिन पहले उन्होंने धड़ाधड़ फाइलों पर साइन किए। आरपीएससी के सदस्य पहले नहीं बनाए, लेकिन जाते जाते नियुक्ति कर डाली। राजनीतिक बोर्ड का भी यही हाल है। यह सब बताता है कि चुनाव जीतने के लिए ही वे यह सभी फैसले कर रहे हैं, जिसे जनता अब अच्छी तरह समझ चुकी है। पिछले 3 साल में 19 बोर्ड बनाए, उसके बारे में कभी सुध नहीं ली। बिजली के बिल और करप्शन में भी उनके दावे खोखले हुए हैं। महिला अत्याचार से भी लोग दुखी हैं। नौजवान इनसे परेशान हैं कि बेरोजगारी भत्ता तक उन्हें नहीं दिया गया।

केंद्र के पैसों का उपयोग नहीं होने के आरोप लगाए

कर्ज से परेशान किसान के पोस्टर को लेकर भाजपा में सामने आये विवाद पर देवनानी ने कहा कि कई और किसानों के भी पोस्टर लग गए। उसकी बात वे नहीं करते। वे तो केवल भाजपा को घेरने के लिए आरोप लगाते हैं।

पूर्व एमएलए अनिता का एलान, नगर विधानसभा से लड़ूंगी चुनाव, कहा- बीजेपी से लेना देना नहीं

भरतपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। गर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक अनीता सिंह गुर्जर ने कहा कि भाजपा को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया, लेकिन पार्टी ने उन्हें धोखा दिया है। अब वह पार्टी के बंधन से मुक्त हो चुकी हैं।

भरतपुर जिले की नगर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक अनीता सिंह गुर्जर ने चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है। अनीता ने कहा- उन्हें चुनाव लड़ने का आदेश सर्व समाज के लोगों ने दिया है। उनके आदेश का पालन करते हुए वह नगर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी। भाजपा से उनका कोई लेना देना नही है। भाजपा को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा

दिया, लेकिन पार्टी ने उन्हें धोखा दिया है। अब वह पार्टी के बंधन से मुक्त हो चुकी हैं।

पूर्व विधायक अनीता सिंह ने बताया कि उनके पास चार-पांच हजार समर्थकों और ग्रामीणों के फोन आए। उन्होंने मुझे सुंदरावली गांव में हो रही बैठक में बलुाया। वहां, लोगों ने पार्टी द्वारा टिकट नहीं देने को धोखा बताया। इस दौरान बड़ी संख्या में बैठक में मौजूद लोगों ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का आदेश दिया है।

पूर्व विधायक अनीता ने कहा- उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेताओं से पहले बातचीत की थी, उन्होंने टिकट देने का पूरा भरोसा दिया था। लेकिन, अब नगर विधानसभा का टिकट जवाहर सिंह बेढम को दिया गया है। पार्टी ने टिकट नहीं देकर उन्हें बंधन से मुक्त कर दिया है। अब मैं परिवार और समाज के लोगों के बंधन में हूं। सभी लोगों ने चुनाव लड़ने को कहा है, उनके आदेश की पालना करते हुए नगर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ूंगीं। हार-जीत तो भगवान के हाथ में है। बता दें नगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी जवाहर सिंह बेढम टिकट मिलने के बाद पूर्व विधायक अनीता सिंह गुर्जर से मिलने पहुंचे थे। लेकिन, अनीता ने उनसे बातचीत करने से मना कर दिया। इसी से संकेत मिल गए थे कि अनीता टिकट नहीं मिलने के कारण भाजपा से नाराज हैं।

सीपी जोशी बोले- कांग्रेस का जाना तय, सरकार बनने के बाद कर्मों की सजा मिलेगी

जयपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस का जाना तय है। जनता ने कमल का फूल खिलाने का मन बना लिया है। कांग्रेस को भी लग रहा है कि विदाई तय है। लेकिन, जिसने भ्रष्टाचार किया है भाजपा सरकार आने के बाद उसे उसके कर्मों की सजा मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रत्याशियों की पहली सूची आ चुकी है। प्रदेश में बहुत अच्छा वातावरण है। लोगों, कार्यकर्ताओं और जनता के मन में सिर्फ और सिर्फ कमल का फूल है। जनता ने मन बना लिया है कि इस बार प्रचंड बहुमत के साथ जीत दिलानी

है। इस कांग्रेस सरकार के 5 साल के कार्यकाल में लूट मची रही। अब पार्टी के लोग, विधायक और मंत्री कह रहे हैं कि हम किस मुंह से जनता के बीच में जाएं। हमने कोई काम नहीं किया, जिन वादों की बुनियाद पर सरकार बनाई उसमें से एक भी पूरा नहीं किया।

सीपी जोशी ने कहा- अब ये लोग आचार संहिता को भी नहीं मान रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दिल्ली में सरकारी गाड़ी में सोनिया गांधी के घर जाते हैं। मुख्यमंत्री का प्रोटोकॉल। अगर, गहलोत साहब आचार संहिता का पालन नहीं करेंगे तो क्या संदेश देना चाहते हैं।

सीपी जोशी ने कहा- इनको लग रहा है कि विदाई तय है तो जाते-जाते फिर कहीं कोई खेल करके जाओ। लेकिन, यह सोच लेना, जिसने भ्रष्टाचार किया है भाजपा सरकार आने के बाद उसे उसके किए कर्मों की सजा मिलेगी।

घी लूटने की मची होड़ : डिब्बे-ड्रम लेकर पहुंचे लोग, टैंकर पलटने से सड़क पर फैल गया था

भिवाड़ी, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलवर जिले के भिवाड़ी में गुरुवार को घी से भरा टैंकर सड़क पर पलट गया। जैसे ही आस-पास के लोगों को इसकी जानकारी मिली, वे अपने-अपने घर से डिब्बे, ड्रम, बर्तन और बाल्टी लेकर घी लूटने मौके पर आ पहुंचे। यहां तक कि कुछ लोग घी ड्रम में भरकर ले जाने के लिए ट्रैक्टर लेकर भी आए। घी लूटने की होड़ से सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। मामला गुरुवार सुबह 9 बजे यूआईटी थाने के सामने का है।

घटना के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया था, जिसे बाद में भिवाड़ी पुलिस ने यूआईटी सेक्टर-6 से गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ की जा रही है।

भिवाड़ी के अजंता चौक पर स्थित अजंता सोया फैक्ट्री से घी भरकर खुशखेड़ा में बिस्किट फैक्ट्री में भेजा जा रहा था। यूआईटी थाने के सामने मोड़ पर ड्राइवर ने टैंकर को तेजी से घुमाया। इससे टैंकर पलट गया। टैंकर में रखा 30 टन घी सड़क पर फैल गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया। क्रेन की मदद से टैंकर को सड़क से हटाया गया। पुलिस ने बताया कि सड़क पर घी फैलने की वजह से कई वाहन फिसलने लगे थे। लिहाजा करीब 15 हजार लीटर पानी से सड़क को साफ किया गया।

बताया गया कि कंपनी को करीब 30 से 35 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

फोन टैपिंग केस: दिल्ली एचसी ने सीएम गहलोत के ओएसडी की गिरफ्तारी पर रोक रखा बरकरार

जयपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव की तारीख का ऐलान हो चुका है. राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा को दिल्ली क्राइम ब्रांच ने नोटिस किया है. इसके खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी. दिल्ली हाईकोर्ट ने लोकेश शर्मा ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक बरकरार रखी है. इससे लोकेश शर्मा ने राहत की सांस ली है.

दिल्ली हाईकोर्ट ने राजस्थान फोन टैपिंग प्रकरण में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी और प्रदेश कांग्रेस सेंट्रल वॉर रूम के को-चेयरमैन लोकेश शर्मा के अरेस्ट पर रोक को 18 अक्टूबर तक बरकरार रखने का फैसला सुनाया है. राजस्थान फोन टैपिंग प्रकरण में दिल्ली हाईकोर्ट में लोकेश शर्मा के मामले की सुनवाई हुई. फोन टेपिंग मामले की दिल्ली हाईकोर्ट में लगभग 40 मिनट तक चली सुनवाई के दौरान लोकेश शर्मा की तरफ से सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ अग्रवाल ने हाईकोर्ट में उनकी ओर से वकालत की. उन्होंने दिल्ली पुलिस के आरोपों को बेबुनियाद बताया. बहस में उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार पहले ही कह चुकी है कि उसने कॉल इंटरसेप्ट किए, इसके लिए विभाग के अधिकारी जिम्मेदार हो सकते हैं. उन्होंने कहा कि लोकेश शर्मा मीडिया में प्रचार के लिए दोषी हो सकते हैं, लेकिन उन्हें अवैध रिकॉडिंग के लिए कैसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है?

लोकेश शर्मा के वकील ने कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि 8 महीने बाद उनके खिलाफ केस दायर किया गया है और क्यों इसमें देरी हुई. इसका कोई कारण नहीं बताया गया है. दिल्ली पुलिस ने 3 फोन नंबरों के बीच कॉन्फ्रेंस कॉल की बात कर रही है, जबकि एक भी फोन नंबर शिकायतकर्ता गजेंद्र सिंह शेखावत का नहीं होने के बावजूद वह कैसे आरोप लगा सकते हैं कि उनका कॉल रिकॉर्ड किया गया. पूरा घटनाक्रम राजस्थान में घटित होना पाया गया, फिर दिल्ली पुलिस कैसे एफईआई दर्ज कर सकती है? उन्होंने कहा कि ये फोन नंबर में से कोई भी दिल्ली का उपभोक्ता नहीं है. वहीं, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल संजय जैन का कहना था कि इस मामले में लोकेश शर्मा और राजस्थान सरकार के अधिकारी इस केस की जांच के मामले में सहयोग नहीं कर रहे हैं. इस पर राजस्थान सरकार के वकील सिद्धार्थ लूथरा ने आपत्ति जताई और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल के आरोपों को निराधार बताया. हाईकोर्ट में जैन द्वारा शर्मा की गिरफ्तारी पर लगी रोक हटाने की मांग की गई.

बीजेपी सांसद के काफिले पर हमला

पथराव में बाल-बाल बचे, पार्टी के लोग ही बताए जा रहे हमलावर

सांचौर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। देवजी एम पटेल ने कहा कि हमलावर बाहरी लोग थे, पार्टी के नहीं। उन्होंने दावा किया, "वे पार्टी से जुड़े हुए नहीं थे। वे असामाजिक तत्व थे जो अन्य स्थानों से आए थे। मैने उनमें से दो-तीन की पहचान की है। बीजेपी सांसद देवजी एम पटेल के काफिले पर कुछ लोगों ने पथराव किया। पुलिस के मुताबिक, ये लोग राजस्थान में 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सांचौर सीट से देवजी एम पटेल के नामांकन का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस हमले में देवजी पटेल बाल-बाल बच गए, लेकिन उनके वाहन समेत काफिले में शामिल कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हमलावरों के खिलाफ सांचौर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

हमला करने वाले लोगों को दानाराम चौधरी का समर्थक माना जा रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में दानाराम को सांचौर से हार का सामना करना पड़ा था। दानाराम चौधरी जालौर से भाजपा सांसद पटेल की उम्मीदवारी का विरोध कर रहे हैं। यह हमला तब हुआ जब पटेल पथमेड़ा में एक मंदिर में पूजा करने के बाद सांचौर स्थित अपने घर लौट रहे थे।

प्रदर्शनकारियों ने देवजी पटेल के खिलाफ नारे भी लगाए और उन्हें काले झंडे दिखाए। सांचौर के पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने कहा, "हमने कुछ हमलावरों की पहचान कर ली है लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

हालांकि देवजी एम पटेल ने कहा कि हमलावर बाहरी लोग थे, पार्टी के नहीं। उन्होंने दावा किया, "वे पार्टी से जुड़े हुए नहीं थे। वे असामाजिक तत्व थे जो अन्य स्थानों से आए थे। मैने उनमें से दो-तीन की पहचान की है।" उनके अनुसार प्रदर्शनकारियों ने पथमेड़ा से एक कार में उनका पीछा किया था और हमला स्थल पर एकत्र हुए समूह में शामिल हो गए थे।

बीजेपी सांसद ने कहा, "उन्होंने मेरी कार रोकी। मैंने उनसे बात करने की कोशिश की, लेकिन उनके इरादों को भांपते हुए मैंने दरवाजे का शीशा चढ़ा दिया।" राजस्थान की 200 सदस्यीय विधानसभा के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा जबकि मतगणना 3 दिसंबर को होगी।

लोगों से ठगी करने वाला फर्जी पुलिसकर्मी गिरफ्तार

असली होने का कुछ यूं दिखाया धौंस

उदयपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में उदयपुर जिले की प्रतापनगर थाना पुलिस ने एक फर्जी पुलिसकर्मी को पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक, फर्जी पुलिसकर्मी लोगों को ठगी का शिकार बनाता था। पुलिस ने यह कार्रवाई मुखबीर की सूचना पर की है। उदयपुर की प्रतापनगर थाना पुलिस ने एक वर्दीधारी फर्जी पुलिसकर्मी को धर दबोचने में कामयाबी हासिल की है। आरोपी को जब पुलिस के जवान सादे कपड़ों में पकड़ने गए, तब पुलिस के जवानों को फर्जी पुलिसकर्मी पहले थाने की असली पुलिस होने का धौंस दिखाने का प्रयास किया। लेकिन जब पुलिसकर्मियों ने उससे पहचान पत्र मांगा तो उसकी पोल खुल गई।

प्रतापनगर थानाधिकारी हिमांशु सिंह ने बताया कि इस मामले में कानोड़ हाल सेक्टर-14 निवासी देवराज सिंह उर्फ देवेन्द्र सांखला को गिरफ्तार किया है, जिस वक्त देवराज को पकड़ा गया तब वह पुलिस की वर्दी में था और खुद को पुलिस सब इंस्पेक्टर बता रहा था।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने दो युवकों को मारी टक्कर, एक की मौत

धौलपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। धौलपुर में एक टैक्टर की टक्कर के बाद सवार युवक की मौत हो गई, जबकि सड़क पर खड़ा एक अन्य युवक घायल हो गया। गंभीर हालत में उसका इलाज चल रहा है।

धौलपुर जिले के कोलारी थाना इलाके में सिगोरा गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवार और सड़क किनारे खड़े राहगीर को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई, जबकि दूसरे घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उधर, हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया है।

स्कूल की दहलीज पर कदम रखने वाली छात्रा के पिता ने दो शिक्षकों पर लगाए गंभीर आरोप

बीकानेर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बीकानेर जिले से एक शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां कक्षा पांच में पढ़ने वाली बच्ची के पिता ने स्कूल के दो शिक्षकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीकानेर के खाजूवाला में 'शिक्षा के मंदिर' में कक्षा पांचवीं में पढ़ने वाली छात्रा के साथ शर्मनाक कृत्य सामने आया है। छात्रा के पिता ने स्कूल के दो शिक्षकों पर छेड़छाड़ और मारपीट का आरोप लगाया है।

पीड़िता के पिता का आरोप है कि लगभग ढाई महीने पहले पैराटीचर हंसराज ने उनकी बेटी को प्रताड़ित कर उसे स्कूल से निकाल दिया था। अपने साथ हुए बर्ताव से बच्ची डरी सहमी हुई है। इस बात का उलाहना देने जब वह स्कूल पहुंचे तो उनके साथ एक अन्य शिक्षक रमेश कुमार ने अभद्रता करते हुए जातिसूचक गालियां निकाली।

खाजूवाला पुलिस ने इस प्रकरण में एससी-एसटी एक्ट और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले की जांच खाजूवाला सीओ विनोद कुमार करेंगे। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम खाजूवाला पहुंचीं और मामले की छानबीन की।

कांग्रेस ने पार्टी नेताओं के खिलाफ टिप्पणी के लिए ओवैसी बंधुओं की आलोचना की

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने एमआईएम नेता असदुद्दीन औवेसी और अकबरुद्दीन औवेसी द्वारा कांग्रेस के दिग्गज नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और रेवंत रेड्डी के खिलाफ की गई हालिया टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है।टीपीसीसी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शेख अब्दुल्ला सोहेल ने गुरुवार को एक मीडिया बयान में ओवैसी बंधुओं पर आगामी चुनावों से पहले अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। सोहेल ने बताया कि चुनावी मौसम में औवेसी बंधु अधिक मुखर हो जाते हैं। उन्होंने पुराने शहर में विकासात्मक मुद्दों की उपेक्षा के लिए एमआईएम की आलोचना की।

उल्होंने कहा कि वास्तव में बीआरएस सरकार ने वास्तव में विकास करने की तुलना में पुराना शहर में आधारशिलाओं और उनके शिलान्यास समारोहों पर अधिक पैसा खर्च किया है। एमआईएम नेता लोगों की आलोचना और अगले चुनाव में प्रतिक्रिया से बचने के लिए कांग्रेस नेताओं के खिलाफ गैरजिम्मेदारना बयान दे रहे हैं। अब्दुल्ला सोहेल ने कहा कि न तो असदुद्दीन औवेसी और न ही अकबरुद्दीन औवेसी को सोनिया गांधी, राहुल गांधी या रेवंत रेड्डी की आलोचना करने का अधिकार है। उन्होंने एमआईएम पर एक राजनीतिक दल होने का आरोप लगाया जो लोगों के कल्याण के लिए काम नहीं करता है, बल्कि मुस्लिम वोटों को विभाजित करने और भाजपा को चुनाव जीतने में मदद करने के लिए उम्मीदवारों को मैदान में उतारकर संघ परिवार के भाड़े के व्यक्ति और एजेंट के रूप में कार्य करता है। उन्होंने एमआईएम पर उम्मीदवार खड़ा करने और वोटों को विभाजित करने की धमकी देकर प्रमुख दलों और उम्मीदवारों को ब्लैकमेल करने का भी आरोप लगाया। सोहेल ने कहा कि ओवैसी बंधुओं के लिए चुनाव पैसा कमाने का मौका है, न कि अपने प्रदर्शन पर विचार करने और अपनी विफलताओं का आकलन करने का समय। उन्होंने कहा कि एमआईएम लोगों के प्रति जवाबदेही की भावना से काम नहीं करती है। रेवंत रेड्डी का पुरजोर बचाव करते हुए अब्दुल्ला सोहेल ने कहा कि औवेसी बंधु उन पर बीजेपी एजेंट होने का आरोप लगाते रहे हैं। सोहेल ने कहा कि असल में एमआईएम ही है, जो बीजेपी और आरएसएस के एजेंट के तौर पर काम कर रही है। एबीवीपी में अपना राजनीतिक करियर शुरू करने के बावजूद, रेवंत रेड्डी ने कभी भी आरएसएस की विचारधारा का समर्थन नहीं किया और इसी कारण से उन्होंने संगठन छोड़ दिया।

पित्ती ट्रस्ट–अग्रवाल सेवा दल का 117वां नि:शुल्क मेगा मेडिकल कैंप 15 को

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन का 117वां निःशुल्क मेडिकल कैम्प आगामी 15 अक्तूबर को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक बेगम बाजार स्थित श्री माहेश्वरी भवन में आयोजित किया जाएगा। आज यहां अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में मेडिकवर अस्पताल द्वारा ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप की जांच की जाएगी शिविर में एलसीएस डूंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मारेडपल्ली के चिकित्सकों द्वारा नेत्रों की जांच निशुल्क रूप से की जायेगी और जरूरतमंद को निशुल्क चश्में और योग्य के लिए निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की जायेगी। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा दी जायेगी। दंत की जांच ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ. संजय सूर्यवंशी द्वारा की जायेगी। स्त्री रोग की जांच डॉ.श्रुति द्वारा की जायेगी। अस्थिरोग की जांच डॉ.वेमूरी वेंकटरामना द्वारा तथा कार्डियोलॉजी की सेवा डॉ.दीपक शाह द्वारा दी जायेगी। अवसर पर डायलिसिस रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की सेवा दी जायेगी।

अवसर पर बीबीआर ब्लड बैंक द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जायेगा। साथ ही श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता हैदराबाद द्वारा कृत्रिम अंग का शिविर लगाया जाएगा और योग्य को निशुल्क सहयोगी एवं आवश्यक उपकरण जैसे कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स एवं हैंड्स आदि का वितरण किया जाएगा। शिविर में नामों का पंजीकरण कार्यक्रम स्थल में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे के बीच किया जायेगा। शिविर की अधिक जानकारी के लिए शिविर संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, शशिकांत अग्रवाल, योगेश जैन, शेष कुमार गोयल, विनय जैन से संपर्क किया जा सकता है। सभी से इस सेवा का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

एनसीसी कैडेटों के लिए विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर महत्वपूर्ण : कर्नल सुनील अब्राहम

निजामाबाद एनसीसी ग्रुप द्वारा विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एपी एवं तेलंगाना एनसीसी निदेशालय द्वारा संचालित निजामाबाद एनसीसी ग्रुप द्वारा आज यानी दिनांक 12 से 23 अक्तूबर तक चलने वाले इस शिविर का शुभारंभ गजवेल स्थित शासकीय महाविद्यालय (पुरुष) के प्रांगण में भव्यता के साथ हुआ। इस शिविर के कैंप कमांडेंट कर्नल सुनील अब्राहम द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह शिविर जिसमें भारत वर्ष के विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के एनसीसी कैडेट्स भाग लेंगे और इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य यह है कि सभी कैडेट्स आपस में सांस्कृतिक धरोहरों को साझा करेंगे। शिविर के डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल पीएस नंदा ने बताया कि अलग अलग राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के सीनियर डिवीजन के एनसीसी कैडेट्स, एनसीसी अफसर, जीसीआई एवं पीआई भाग लेंगे और उन सभी के रहने की व्यवस्था गजवेल के शासकीय महाविद्यालय परिसर में की गई है और सभी को आगामी 12 दिनों में होने वाले सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा का इंतजार है। सभी कैडेट्स अपने अपने राज्यों के एनसीसी निदेशालय का प्रतिनिधित्व करेंगे और हम सभी को इस शिविर के सफल आयोजन का इंतजार है। इस शिविर में कैडेट्स के साथ विभिन्न बटालियन के सिविल कर्मचारी भी भाग लेंगे और इस शिविर का समापन 23 अक्तूबर को भव्यता के साथ होगा जिसमें एपी एवं तेलंगाना एनसीसी निदिशालय के डिप्टी डायरेक्टर जनरल एयर कमोडोर वीएम रेड्डी बतौर अतिथि भाग लेंगे।

ओम शब्द में पंच परमेष्ठी का समावेश : साध्वी डॉ. मंगलप्रज्ञाजी

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी शिष्या साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी ने आज भवन में प्रवचन में ॐ व रीम शब्दों का विवेचना किया। ओम शब्द में संस्कृत व्याकरण के अनुसार पंच परमेष्ठी का समावेश है व रीम शब्द में 24 तीर्थंकर स्थित रहते हैं। इसे बहुत ही सुंदर सरल तरीके से समझाया । तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद अध्यक्षा कविता जी आच्छा ने प्रवचन के पश्चात मुंबई में आयोजित अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल अधिवेशन की संक्षिप्त जानकारी दी। हैदराबाद महिला मंडल ने अखिल भारतीय स्तर पर पांच ट्राफियां प्राप्त कीं। घर घर अठाई हर घर अठाई श्रृंखला की कड़ी में एक अति विशेष मोका मिला है जब साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञा जी के सानिध्य में साध्वी श्री शौर्यप्रभाजी के अठाई तप की अनुमोदना का कार्यक्रम भी आज आयोजित हुआ। साध्वीश्री शौर्यप्रभाजी की 8 की तपस्या के उपलक्ष्य में महिला मंडल ने भाच्यां का प्रोग्राम रखा। साध्वी सुदर्शन प्रभा, साध्वी सिद्धियशा, साध्वी राजुलप्रभा व साध्वी चैतन्यप्रभा जी ने साध्वी शौर्यप्रभाजी के लिए तप अनुमोदन के गीत गाये।

राजनीतिक दलों को चुनाव नियमों का पालन करना चाहिए : दीपक तिवारी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपर जिलाधिकारी दीपक तिवारी ने कहा कि राजनीतिक दलों को चुनाव नियमों का पालन करना होगा। जिले के कागजनगर आरडीओ कार्यालय में विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चुनाव नियमों के कार्यान्वयन पर समीक्षा की गई। इस अवसर पर 001-सिरपुर रिटर्निंग अधिकारी, जिला अपर कलेक्टर ने कहा कि चूंकि जिले में चुनाव आचार संहिता लागू है, इसलिए अधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन जिम्मेदारी से करें और जिले में चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन रोकने के लिए पुख्ता निगरानी व्यवस्था के साथ कार्रवाई करें।उन्होंने बताया कि जिले के आसिफाबाद और सिरपुर विधानसभा क्षेत्र में 4 लाख 47 हजार 634 मतदाता और 414 सर्विस मतदाता हैं। यदि मतदाता सूची में कोई आपत्ति हो तो प्रपत्र 7 के माध्यम से आवेदन करें। उन्होंने बताया कि चुनाव के संचालन के लिए जिले में 597 मतदान केंद्र बनाए गए हैं और चुनाव के संचालन के तहत उड़नदस्ते, स्थैतिक निगरानी, वीडियो निगरानी, मीडिया प्रमाणीकरण और निगरानी समिति और लेखा टीमों की नियुक्ति और विभाजन किया गया है। उन्होंने कहा कि चूंकि चुनाव नियम लागू हो गये हैं, इसलिए राजनीतिक दलों को चुनाव नियमों का पालन करना होगा और कोई उल्लंघन नहीं करना होगा।उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को अपने प्रचार अभियान की जानकारी देनी चाहिए. उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्तियों पर कोई भी प्रचार संबंधी सामग्री नहीं होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को मतदाता सूचियां उपलब्ध करायी जाएंगी और चुनाव नियमों के अनुसार चुनाव से संबंधित किसी भी गतिविधि के लिए संबंधित चुनाव अधिकारियों की अनुमति लेनी होगी. उन्होंने कहा कि सी-व्हिसल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का तुरंत जवाब दिया जाएगा और 100 मिनट के भीतर उन्हें हल करने के लिए

कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को रैलियों, सार्वजनिक बैठकों, बैठकों, रोड शो और अन्य अभियानों के लिए सुविधा ऐप के माध्यम से आवेदन करना होगा और अनुमति लेनी होगी।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को चुनाव का पालन करना चाहिए।इस समीक्षा में निर्वाचन विभाग के अधिकारी, विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि व अन्य लोग शामिल हुए।

वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी हार

साउथ अफ्रीका ने 134 रन से हराया, डी कॉक का शतक, रबाडा ने झटके 3 विकेट

लखनऊ, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया को उनकी सबसे बड़ी हार मिली है। टीम को लखनऊ में साउथ अफ्रीका ने 134 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। इससे पहले साल 1983 में ऑस्ट्रेलिया को भारत ने 118 रन से हराया था।

इकाना स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। साउथ अफ्रीका ने पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट पर 311 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया टीम 40.5 ओवर में 177 रन ही बना सकी। साउथ अफ्रीका से ओपनर क्विंटन डी कॉक ने शतक लगाया, वहीं दूसरी पारी में कगिसो रबाडा ने 3 विकेट झटके।

109 रन की पारी खेलने के लिए डी कॉक को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। उन्होंने लगातार दूसरे वर्ल्ड कप मैच में शतक लगाया था।

ऑस्ट्रेलिया को वनडे वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी हार मिली है। टीम को इससे पहले भारत के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर साउथ अफ्रीका ने लगातार दूसरा मुकाबला जीता है। टीम ने पहले मुकाबले में श्रीलंका 102 रन से हराया था। पॉइंट्स टेबल में 4 पॉइंट्स के साथ साउथ अफ्रीका पहले नंबर पर पहुंच गया है, जबकि कंगारू टीम 9वें नंबर पर पहुंच गई।

छठ पूजा के लिए विशेष मुख्य सचिव को ज्ञापन

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ की छठ पूजा समिति ने प्रत्येक वर्ष की भांति नगरद्वय के सभी छठ घाटों पर सभी तरह की व्यवस्था के लिए संघ के एक प्रतिनिधिमंडल जिसमें उत्सव समिति के संयोजक आरपी सिंह के नेतृत्व में संघ के अध्यक्ष एलएल चौधरी तथा गोविंद तिवारी ने तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार, मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार सोमेश कुमार तथा मुख्य सचिव को छठ पूजा से संबंधित आग्रह पत्र दिया गया। सरकार के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार संघ के प्रतिनिधिमंडल को पूरी तरह से आश्वस्त किए एवं उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार की तरफ से इस महापर्व छठ में सरकार के तरफ से सभी तरह की पूरी व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने प्रतिनिधि मंडल के आग्रह पर कहा कि तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव के साथ स्वयं छठ पूजा में सम्मिलित होंगे तथा आश्वस्त किया कि छठ पूजा तैयारी का निरीक्षण करने दीवाली के बाद छठ घाट पर स्वयं आएंगे।

अग्र अखंड ज्योत रथ यात्रा का स्वागत किया गया

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा और महिला शाखा द्वारा अग्र अखंड ज्योत रथ यात्रा का स्वागत किया गया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति द्वारा शाखा के सेक्रेटरी पंकज गोयनका ने बताया कि शालिबंडा शाखा मे सुधा टॉकीज से बेला कॉलोनी स्थित नरेश बंसल के निवास तक रथ का भ्रमण कीया गया रास्ते में बैंड बाजे के साथ पुष्प वर्षा की गई और शाखा के सदस्य श्री शंकर जी अग्रवाल द्वारा रथ का स्वागत किया गया।

सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एवं महिला शाखा की सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ ने भगवान अग्रसेन जी की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर आरती की और पुष्पा वर्षा की तथा साथ ही रथ यात्रा के प्रभारी बिक्की सराफ एवं शाखा के सभी पदाधिकारियो का शाखा अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल एवं महिला शाखा अध्यक्ष श्रीमती मंजू अग्रवाल द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल ,उपाध्यक्ष आनंद संघी, सेक्रेटरी पंकज गोयनका, जॉइंट सेक्रेटरी राजू अग्रवाल कोषाध्यक्ष प्रेम अग्रवाल, के एस मेंम्बर उमेश अग्रवाल, आईपीपी महावीर प्रसाद डोकानिया, सलाहकार नरेश बंसल, संजय अग्रवाल, नवलकिशोर गोयल,एवं महिला शाखा से अध्यक्ष मंजू अग्रवाल उपाध्यक्ष प्रतिमा अग्रवाल सेक्रेटरी शीतल अग्रवाल, जॉइंट सेक्रेटरी पायल अग्रवाल आदि और शाखा के 100 से ज्यादा सदस्यों ने भाग लिया।

लाडनूं जैन परिषद की कार्यकारणी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। लाडनूं जैन परिषद हैदराबाद की कार्यकारणी की महत्वपूर्ण बैठक जुगल दुगड़ के कार्यालय परिषर में आयोजित की गई। बैठक में परिषद द्वारा प्रतिवर्ष अपने सदस्य परिवारों के लिए आयोजित किए जाने वाले दिवाली स्नेह मिलन के बारे में चर्चा की गई। दीवाली स्नेह मिलन आगामी 26 नवंबर रविवार को आयोजित करने का निर्णय किया गया।

लाडनूं जैन परिषद हैदराबाद की स्थापना का यह छबीसवां वर्ष है तथा परिषद अपनी स्थापना के बाद से ही अपने सदस्य परिवारों के आपसी मिलन तथा मनोरंजन के लिए दिवाली पर स्नेह मिलन का आयोजन करती रही है तथा होली पर लाडनूं के सदस्य परिवारों तथा लाडनूं की अन्य जगहों पर विवाहित बहिन बेटियों के परिवारों के साथ संयुक्त रूप से स्नेह मिलन का आयोजन करती है। बैठक में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले युवा प्रीमियम लीग क्रिकेट टर्नामेंट में लाडनूं की क्रिकेट टीम "लाडनूं लोइंस" को उतारने का सर्वसम्मत निर्णय किया गया। जिसके लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जायेंगे। क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों

को जोड़ने तथा तैयारी करवाने के लिए कुलदीप भरूंट को जिम्मेदारी दी गई। बैठक में सतीश दुगड़, मुकेश सुराणा, जुगल दुगड़, सुरपत दुगड़, राजीव जैन, राजकुमार बोकड़िया, मनोज डागा, निर्मल बेंगानी, प्रकाश बैद, राजेंद्र खटेड़, कुलदीप भरूंट, अशोक दुगड़, लक्ष्मीपत डूंगरवाल उपस्थित थे।

एनएफसी, सीआईएसएफ में अणुव्रत प्रेक्षा ध्यान कार्यक्रम

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अध्यात्म जगत के महासूर्य अणुव्रत अनुशास्ता महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमण जी की विदुशी शिष्या डॉ. मंगल तुलसी की प्रेरणा से श्रीमती निर्मला बौद ने एनएफसीसीआईएसएफ में अणुव्रत अमृत महोत्सव व पूज्यवर के 50वें दीक्षा महोत्सव महोत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रम किया।

वहां के प्रमुख अधिकारी कमाण्डर राहुल के स्वागत भाषण से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। निर्मला बैद ने अणुव्रत गीत से कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि बुद्धि के विकास से बहुत कार्य हो रहे हैं, परन्तु साथ में भावनात्मक विकास, भाव शुद्धि नहीं होने से कितने गलत काम भी हो रहे है। जैसे झरना बह रहा है, उसका पानी कितना स्वच्छ होता है और गतिशील भी होता है। जब उसमें गंदगी डाल देते है तो वह गंदा हो जाता है और सुगंधित पदार्थ डालते है तो वह सुगन्धमय बन जाता है वैसे ही हमार मन है बुरे विचार बुरा चिन्तन आता है तो मन मलिन हो जाता है और अच्छे विचार आते है तो मन व भाव स्वस्थ रहते हैं। जब क्रोध और अहंकार प्रबल होता है तब व्यक्ति अपना मान ही खो देता है, ऐसी आदतों से उसके आस-पास वाले सभी दुःखी रहते हैं। प्रसन्नता का वातावरण लील जाता है। कभी अचानक बुरे विचार क्यों आते है। हमारे भीतर संक्लेश और असंक्लेश दो धाराएं हैं। जैसी चीज प्रकट होती है वैसे ही व्यक्ति कुछ समय के लिए वैसे बन जाता है। इनसे बचने के लिए कुछ प्रयोग करवाये जिससे व्यक्ति अपना जीवन बदल सकता है। हनुमान जिनेंद्र की तरफ से साहित्य भेंट किया गया।

शेरीलिंगमपल्ली सीरवी समाज मे नवरात्रि महोत्सव 15 से

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शेरीलिंगमपल्ली स्थित पी.जे.आर.इन्केलेव मे श्री आईमाता मंदिर में रविवार 15 अक्टूबर से सोमवार 23 अक्टूबर तक समाज बन्धुओं के सानिध्य में नवरात्रि महोत्सव एवं डी.जे. की धुन पर रंगारंग डांडिया नृत्य कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति में विनोद गेहलोत ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य मे नवरात्रि महोत्सव व डांडिया नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मूर्ति स्थापना रविवार 15 अक्टूबर सायं 7.15 बजे, प्रतिदिन पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ प्रात: 7.15 बजे से 10.15 बजे तक एवं शाम 8.15 बजे से 11.15 बजे तक डांडिया नृत्य कार्यक्रम रहेगा। पूर्णाहुति कार्यक्रम 23 अक्टूबर प्रात: 7.15 बजे से 11 बजे तक रहेगा। 24 अक्टूबर को मूर्ति विर्सजन एवं समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था प्रात: 11.15 बजे से रहेगी। हवन में बैठने के लिए समाज बन्धु अपना नाम कोषाध्यक्ष विनोद गेहलोत के पास सम्पर्क कर दे सकते हैं। अध्यक्ष मनोज चौधरी, सचिव मांगीलाल सोनपरा, महिला अध्यक्षा इन्द्रा गेहलोत, सचिव गीतादेवी देवड़ा ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि नवरात्रि महोत्सव में सपरिवार भाग लेकर, माँ श्री आईजी का दर्शनकर कार्यक्रम का लाभ लें।

महिन्द्रा हिल्स स्थित पहाडी श्याम मन्दिर में ग्यारस के उपलक्ष्य में सांवरे के बांवरे द्वारा आयोजित श्री श्याम भजन संध्या में भजन प्रस्तुत करते हुए भजन गायक राजवर्धन (अहमदाबाद), प्रतीक दाहिमा एवं अंकित शर्मा। पहाडी श्याम मन्दिर के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया ने भजन गायकों एवं अतिथियों का सम्मान किया।

हैदराबाद जिला चुनाव अधिकारी रोनाल्ड रोज़ ने नोडल अधिकारी नियुक्त किए

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला चुनाव अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी करने के बाद हैदराबाद जिले में प्रभावी ढंग से चुनाव कराने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। अतिरिक्त स्वच्छता आयुक्त के पद पर कार्यरत आर. उपेंदर रेड्डी को हैदराबाद जिला चुनाव अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने मैन पावर नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसी प्रकार डिप्टी कलेक्टर श्रीधर ईवीएम वीवीपैट प्रबंधन के नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। क्षेत्रीय अग्निशमन अधिकारी प्रसन्न कुमार को परिवहन प्रबंधन नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। सामग्री प्रबंधन के लिए संयुक्त आयुक्त जयंत राव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी ने आईपीएस एमसीसी को नोडल नियुक्त किया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विक्रम सिंह मान को कानून व्यवस्था एवं जिला सुरक्षा योजना का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। खैरताबाद क्षेत्र के लेखा परीक्षक वी. शरत चंद्र व्यय को मौद्रिक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया। जीएचएमसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी मोहम्मद अली मुर्तुजा को मीडिया और संचार नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। अपर आयुक्त संपदा गीता राधिका को आईटी संबंधी नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। डिप्टी कलेक्टर पद्मप्रिया, अर्चना और श्रीकांत को रिपोर्ट एवं रिटेन नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत ने छुई नई ऊंचाइयां तो पाकिस्तान गर्त में पहुंचा

1951 से अब तक दोनों देशों का प्रदर्शन

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशियाई खेल 2023 में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया और कुल 107 पदक अपने नाम किए। वहीं, पाकिस्तान इस प्रतियोगिता में सिर्फ तीन पदक जीत पाया। 1958 में भारत ने सिर्फ 13 पदक जीते थे, जबकि पाकिस्तान को 26 पदक मिले थे। इसके बाद से भारत का प्रदर्शन लगातार सुधरा है और पाकिस्तान का प्रदर्शन खराब हुआ है।

एशियाई खेल 2023 का समापन हो चुका है। भारतीय एथलीट देश वापस लौट चुके हैं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर खेलमंत्री अनुराग ठाकुर और सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने सभी खिलाड़ियों का स्वागत किया। हालांकि, पड़ोसी देश पाकिस्तान में ऐसा कुछ नहीं हुआ। एशियाई खेल 2023 में पाकिस्तान ने कुल तीन पदक हासिल किए हैं। इनमें एक रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। इस प्रतियोगिता में पाकिस्तान ने आखिरी स्वर्ण 2014 में जीता था। वहीं, भारत ने इसी साल 28 स्वर्ण पदक जीते हैं। मौजूदा समय में पाकिस्तान का प्रदर्शन भले ही भारत की तुलना में बेहद खराब हो, लेकिन एक समय ऐसा भी था, जब पाकिस्तान भारत से दोगुने पदक जीता था। यहां हम हर एशियाई खेल में दोनों देशों का प्रदर्शन दिखा रहे हैं।

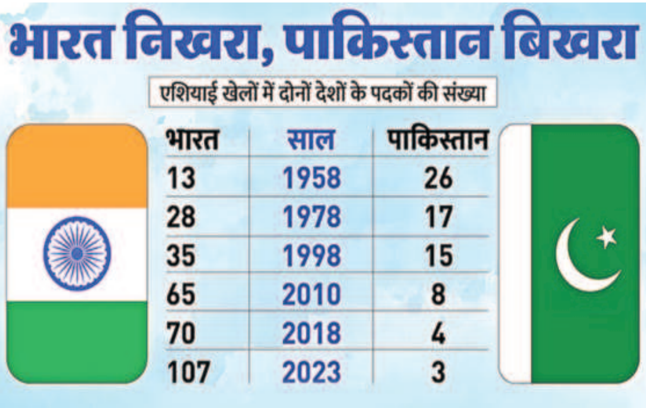
भारत निखरा, पाकिस्तान बिखरा

एशियाई खेलों में दोनों देशों के पदकों की संख्या

भारत	साल	पाकिस्तान
13	1958	26
28	1978	17
35	1998	15
65	2010	8
70	2018	4
107	2023	3

1951 में पहली बार एशियाई खेलों का आयोजन हुआ था। नई दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता में भारत ने 51 पदक जीते थे। पाकिस्तान ने इस प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया था। इसके बाद 1954 में भारत के प्रदर्शन में गिरावट आई और भारत की झोली में सिर्फ 17 पदक आए। वहीं, पाकिस्तान ने पहली बार एशियाई खेलों में भाग लिया और 13 पदक जीते। 1958 में भारत ने एशियाई खेलों में अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया और सिर्फ 13 पदक जीत पाया। इस बार पाकिस्तान ने भारत से ठीक दोगुने 26 पदक जीते। इसके बाद 1962 में पाकिस्तान ने 28 और भारत ने 33 पदक जीते। 1970 से पाकिस्तान के प्रदर्शन में गिरावट शुरू हुई और भारत का प्रदर्शन लगातार निखरता गया।

साल 2002 तक पाकिस्तान 10 के करीब पदक जीतता रहा, लेकिन कभी यह संख्या 17 के पार नहीं गई। वहीं, भारत इस दौरान लगातार अपना प्रदर्शन बेहतर करता रहा। आमतौर पर 20 से 30 पदक जीतने वाले भारत ने 1982 में 57 पदक जीते। यह उस समय देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। 1998 से भारत के पदक जीतने की निरंतरता बेहतर हुई और पदकों की संख्या 30 से ऊपर रहने लगी।

2002 के बाद आया बड़ा अंतर

2006 एशियाई खेलों में भारत ने 53 पदक जीते। वहीं, पाकिस्तान को सिर्फ चार पदक मिले। इसके बाद से हर बार भारत ने 50 से ज्यादा पदक जीते। 2018 में एक बार फिर भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 70 पदक अपने नाम किए। वहीं, पाकिस्तान का प्रदर्शन लगातार गिरता रहा। 2018 में भी पाकिस्तान को सिर्फ चार पदक मिले। 2023 में कहानी पूरी तरह बदल गई। भारत ने पहली बार पदकों का शतक लगाया और 107 पदक जीते। वहीं, पाकिस्तान सिर्फ तीन पदक जीत पाया। पाकिस्तान ने 2002 में 13 पदक जीते थे। इसके बाद से यह देश एशियाई खेलों में कभी दहाई का आकड़ा नहीं छू पाया है। अब तक पाकिस्तान ने इस प्रतियोगिता में सिर्फ 44 स्वर्ण जीते हैं, जबकि भारत 2023 में ही 28 स्वर्ण जीतने में कामयाब रहा है।

कुल प्रदर्शन में कितना अंतर

एशियाई खेलों में पाकिस्तान ने कुल 44 स्वर्ण, 64 रजत और 99 कांस्य पदक जीते हैं। कुल मिलाकर पाकिस्तान ने 207 पदक जीते हैं और एशियाई खेलों में इस देश की औसतन रैंक 18 है। वहीं, भारत ने एशियाई खेलों में अब तक 183 स्वर्ण, 239 रजत और 357 कांस्य पदक जीते हैं। भारत की झोली में कुल 779 पदक हैं और प्रतियोगिता में भारत की औसतन रैंक पांच है।

एशियाई खेलों में भारत और पाकिस्तान का प्रदर्शन

साल	भारत	पाकिस्तान
1951	51	भाग नहीं लिया
1954	17	13
1958	13	26
1962	33	28
1966	21	8
1970	25	10
1974	28	11
1978	28	17
1982	57	11
1986	37	9
1990	23	12
1994	23	10
1998	35	15
2002	36	13
2006	53	4
2010	65	8
2014	57	5
2018	70	4
2023	107	3
कुल	779	207

भारत-पाक मैच के लिए फैंस तैयार

क्रिकेट को सपोर्ट करने के लिए फैंस ने बॉडी को पेंट किया

अहमदाबाद, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अहमदाबाद में 14 अक्टूबर को होने वाले भारत-पाक के मुकाबले का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

फैंस ने क्रिकेट को सपोर्ट करने के लिए अपनी बॉडी को पेंट किया। फैन अरुण ने भारतीय और अनिल ने पाकिस्तान का झंडा अपने शरीर पर बनवाया है। दोनों फैन हर एशिया कप में बॉडी पेंट करवाते हैं।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर का बड़ा एलान

कहा- देश में खेलों को मिलेगा बढ़ावा, बनाई जाएगी नई संस्था

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अगला एशियन गेम्स जापान के शहर नागोया में खेला जाएगा। 16 दिन चले हांगझोऊ एशियाई खेलों में 13 विश्व रिकॉर्ड, 26 एशियाई और 97 गेम्स रिकॉर्ड टूटे। हांगझोऊ एशियाई खेलों के प्रदर्शन ने अगले वर्ष होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए उम्मीदें जगा दी हैं।

हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारत ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए 107 पदक जीते। इस बार भारतीय दल एशियाड में 100 पार के लक्ष्य को लेकर उतरा था और इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल भी किया। इस प्रदर्शन ने पूरे देश को गौरवान्वित किया। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एथलीट्स से मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। अब खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बड़ा एलान किया है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक स्वायत्त संस्थान 'मेरा युवा भारत' (एमवाई भारत) की स्थापना को मंजूरी दे दी, जो युवा विकास और युवाओं के विकास के लिए प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित एक व्यापक सक्षम तंत्र के रूप में काम करेगा। यह युवाओं को उनकी आकांक्षाओं को साकार करने और सरकार के ₹विकासशील भारत₹ के निर्माण में मदद करेगा।

खेल मंत्री ने कहा- मंगलवार को पीएम मोदी ने हमारे पदक विजेताओं और एशियाई खेलों के बाद अब तक सबसे अधिक पदक जीतकर लौटे एथलीटों को बधाई दी। अब 'MY भारत' यानी 'मेरा युवा भारत' नामक एक संस्था बनाने का निर्णय लिया गया है। यह एक व्यापक संस्थागत तंत्र होगा जिसके निर्माण के लिए अनुमति दे दी गई है।

खेल मंत्री ने कहा कि मेरा युवा भारत का प्राथमिक उद्देश्य युवाओं के विकास के लिए एक संपूर्ण सरकारी मंच बनाना है। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था के तहत, युवा राष्ट्र निर्माता बनेंगे, जिससे उन्हें सरकार और नागरिकों के बीच 'युवा सेतु' के रूप में कार्य करने की अनुमति मिलेगी।

अनुराग ठाकुर ने कहा- यह राष्ट्र निर्माण के लिए अपार युवा ऊर्जा का उपयोग करना चाहता है। मेरा युवा भारत राष्ट्रीय युवा नीति में 'युवा' की परिभाषा के अनुरूप 15-29 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं को लाभान्वित करेगा। विशेष रूप से किशोरों के लिए बनाए गए कार्यक्रम घटकों के मामले में, लाभार्थी 10-19 वर्ष के आयु वर्ग में होंगे।

अगला एशियन गेम्स जापान के शहर नागोया में खेला जाएगा। 16 दिन चले हांगझोऊ एशियाई खेलों में 13 विश्व रिकॉर्ड, 26 एशियाई और 97 गेम्स रिकॉर्ड टूटे। अगले खेलों के मेजबान नागोया के गर्वनर को समारोह में एशियाई ओलंपिक परिषद और नई दिल्ली में 1951 में हुए पहले एशियाई खेलों का ध्वज और मशाल सुपुर्द की गई। नागोया एशियाई खेलों से पहले भारतीय एथलीट अगले साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेंगे।

हांगझोऊ एशियाई खेलों के प्रदर्शन ने अगले वर्ष होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए उम्मीदें जगा दी हैं। एशियाड में 107 पदक जीतकर भारतीय दल ने इस बार सौ पार का लक्ष्य पूरा करते हुए पेरिस में टोक्यो ओलंपिक में जीते गए सात पदकों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पीछे छोड़ने के लिए कमर कस ली है। पेरिस में भारतीय दल का लक्ष्य 10 पदकों को पार करने का रहेगा। भारत ने पांच साल में ही एशियाई खेलों के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। 2018 के जकार्ता एशियाड में भारत ने 70 पदक जीते थे, जिसे 2023 में 37 पदकों से भारतीय दल ने पीछे छोड़ा। अब पेरिस में तीन साल पहले टोक्यो में किए गए सर्वश्रेष्ठ ओलंपिक प्रदर्शन को पीछे छोड़ने की बारी है।

सभी खिलाड़ियों को अपनी टीम और जीत के लिए लड़ने का हक...

विराट-नवीन के मिलन पर गंभीर का आया रिएक्शन

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। 'वर्ल्ड कप 2023 का नौवां मुकाबला 11 अक्टूबर को भारत और अफगानिस्तान के बीच दिल्ली स्थित अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में भारतीय टीम आतिशी प्रदर्शन करते हुए आठ विकेट से जीत हासिल करने में कामयाब रही। मैच के दौरान मैदान में कुछ ऐसा देखने को मिला जिसे देख क्रिकेट प्रेमी खुश हो गए। आईपीएल में हुई नोक-झोंक को भुलाते हुए विराट कोहली और नवीन उल हक को मैदान में दोस्ताना अंदाज में देखा गया। इस बीच दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे को गले से भी लगाया। मैदान में उपस्थित जिस किसे ने भी यह पल देखा वह एक पल के लिए खुशी से रोमांचित हो गया। आखिरकार दोनों खिलाड़ी अब दोस्त बन गए हैं और क्रिकेट की जीत हुई है।

गौतम गंभीर का आया रिएक्शनः

आईपीएल के दौरान कोहली और नवीन उल हक के बीच हुई नोक-झोंक का हिस्सा गौतम गंभीर भी थे। अब जब दोनों खिलाड़ी अपने गीले शिकवे भुलाकर नजदीक आ गए हैं तो वो भी काफी खुश हैं। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स पर कमेंट्री के दौरान कहा, 'लड़ाई मैदान के बीच होती है ना की मैदान के बाहर. प्रत्येक खिलाड़ी को अपनी टीम और जीत हासिल करने के लिए लड़के का हक है। यह मायने नहीं रखता कि आप किस टीम/देश या लेवल के खिलाड़ी हैं। हमने एक अच्छी चीज देखी है। कोहली और नवीन के बीच जारी विवाद खत्म हो गया है। मैं फैंस से अपील करता हूं कि वे सोशल मीडिया के माध्यम से किसी भी खिलाड़ी को गलत तरीके से निशाना ना बनाए। आपको समझना चाहिए वो (नवीन) पहली बार आईपीएल में शिरकत कर रहा था। वह अफगानिस्तान के लिए शिरकत करता है, जो उसके लिए बहुत बड़ी बात है।'

कोहली-नवीन विवाद में हुई थी गंभीर की एंट्रीः

41 वर्षीय पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने आगे कहा, 'कम से कम अब हम रोहित शर्मा के बारे में बात कर सकते हैं. बता दें गौतम गंभीर टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी हैं। आईपीएल 2023 के दौरान विराट कोहली और अफगान तेज गेंदबाज नवीन उल हक एक मुकाबले के दौरान आमने-सामने आ गए थे। जिसके बाद गंभीर ने नवीन का साथ दिया था। वजह, नवीन उनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का हिस्सा थे। उनका मानना है कि उनके टीम के खिलाड़ी उनके फॅमिली जैसे हैं। गंभीर मौजूदा समय में भी लखनऊ के मेंटर हैं।

'आप मैच देख रहे हैं या खाली सीटें?'

हरभजन ने पूर्व इंग्लिश कप्तान को दिया दो टूक जवाब

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। माइकल वॉन ने खाली स्टेडियम पर सवाल किया था। जिसका जवाब भारतीय पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने मजेदार तरीके से दिया है।

वर्ल्ड कप 2023 का नौवां मैच भारत और अफगानिस्तान के बीच दिल्ली में खेला गया। मैच के दौरान दर्शक दीर्घा में क्रिकेट प्रेमियों की कमी नजर आई. बस फिर क्या था। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इसपर सवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने एक्स पर सवाल पूछते हुए लिखा, 'दिल्ली में भारत के मुकाबले के दौरान इतनी सीटें क्यों खाली हैं?'

48 वर्षीय इंग्लिश कप्तान के इस सवाल का जवाब अब भारतीय पूर्व दिग्गज स्पिनर

हरभजन सिंह ने दिया है। उन्होंने एक्स अकाउंट से जवाब देते हुए लिखा है, 'आप मैच देख रहे हैं या खाली सीटें??'

माइकल वॉन का यह सवाल शायद फैंस को भी रास नहीं आ रहा है। एक क्रिकेट प्रेमी ने इसका जवाब देते हुए लिखा है, 'लॉर्ड्स की अधिकतम क्षमता 31 हजार की है। इस स्टेडियम में भारत के 45 प्रतिशत दर्शक ही पर्याप्त हैं।'

वहीं दूसरे फैन ने जवाब देते हुए लिखा है, 'स्टेडियम पूरी तरह से भरी हुई है। 50 ओवर के फॉर्मेट में आप ऐसी उम्मीद नहीं कर सकते कि पूरा स्टेडियम पहली ही गेंद से भर जाए।'

बात करें मुकाबले के बारे में तो दिल्ली में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने निर्धारित ओवरों में आठ विकेट के नुकसान पर 272 रन बनाए थे। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने इसे 15 ओवर शेष रहते दो विकेट के नुकसान पर आसानी से प्राप्त कर लिया। मैच के दौरान रोहित शर्मा और विराट कोहली अच्छे लय में नजर आए। टीम के लिए रोहित ने जहां 131 रन की शतकीय पारी खेली। वहीं कोहली ने नाबाद 55 रन का योगदान दिया।

चोटिल सुशीला चानू को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में विश्राम

हॉकी में 20 सदस्यीय महिला टीम घोषित

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूत्रों ने कहा, 'सुशीला को विश्राम दिया गया है क्योंकि वह चोटिल हैं। उन्हें डॉक्टर को दिखाने की जरूरत है। सुशीला टीम की महत्वपूर्ण सदस्य हैं और उनका आगामी टूर्नामेंटों से पहले फिट होना जरूरी है।'

अनुभवी मिडफील्डर सुशीला चानू को चोटिल होने के कारण 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक रांची में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) के लिए आराम दिया गया है। उन्हें 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह नहीं दी गई है। रियो ओलंपिक में भारत की अगुवाई करने वाली सुशीला हाल में हांगझोऊ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थी। हॉकी इंडिया के सूत्रों ने बताया कि सुशीला जल्द ही डॉक्टर से मिलकर अपनी चोट की स्थिति का पता लगाएगी।

सूत्रों ने कहा, 'सुशीला को विश्राम दिया गया है क्योंकि वह चोटिल हैं। उन्हें डॉक्टर को दिखाने की जरूरत है। सुशीला टीम की महत्वपूर्ण सदस्य हैं और उनका आगामी टूर्नामेंटों से पहले फिट होना जरूरी है।' बलजीत कौर को सुशीला की जगह टीम में लिया गया है। एशियाई खेलों की टीम में शामिल वैष्णवी विट्ठल फाल्के को शर्मिला देवी के साथ बैकअप विकल्प के रूप में रखा गया है। सुशीला के अलावा गोलकीपर सविता के नेतृत्व वाली टीम में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है। डिफेंडर दीप ग्रेस एक्का पहले की तरह टीम की उप कप्तान बनी रहेगी।

पहला मैच 27 को थाईलैंड से

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के अलावा जापान, चीन, कोरिया, मलयेशिया और थाईलैंड अन्य भाग लेने वाले देश हैं। भारत अपने अभियान की शुरुआत 27 अक्टूबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगा। इसके बाद वह मलयेशिया (28 अक्टूबर), चीन (30 अक्टूबर), जापान (31 अक्टूबर) और कोरिया (2 नवंबर) के खिलाफ मैच खेलेगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच यानेक शोपमैन ने कहा, 'लय बनाए रखना और टीम के रूप में सुधार जारी रखना महत्वपूर्ण है। हमने एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करके कांस्य पदक जीता था और आगामी टूर्नामेंट में हमें अपने एशियाई प्रतिद्वंदियों के खिलाफ अपनी स्थिति में सुधार करने का एक और मौका मिलेगा।'

टीम इस प्रकार हैः

गोलकीपरः सविता (कप्तान), बिचू देवी खारीबाम,

रक्षक : निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान)

मध्यपंक्तिः निशा, सलीमा टेटे, नेहा, नवनीत कौर, सोनिका, मोनिका, ज्योति, बलजीत कौर

अग्रिम पंक्ति : लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, दीपिका, वंदना कटारिया

बैकअप खिलाड़ीः शर्मिला देवी, वैष्णवी विट्ठल फाल्के।

वेटर से मनरेगा मजदूर तक, देश का नाम रोशन करने वाले रामबाबू के संघर्ष की कहानी

खेल डेस्क, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। करत करत अभ्यास त जड़मति होत सुजान...जी हां इस कहावत को सच कर दिखाया है सोनभद्र के रहने वाले रामबाबू ने। एशियाई खेलों की पैदल चाल स्पर्धा के कांस्य पदक विजेता राम बाबू ने आज अपनी निजी जीवन के संघर्ष से जुड़ी जानकारी साझा की हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे सोनभद्र से हांगझोऊ तक का सफर तय किया। रामबाबू ने कहा- क्या मेरा सपना क्या कभी पूरा होगा? रोजाना यही बात अपनी मां से किया करता था, लेकिन मां सलाह देती थीं कि सपने में नहीं हकीकत में जीयो। बस फिर क्या था, अपने सपने को हकीकत में बदलने के लिए मेहनत में कोई कसर नहीं छोड़ी। एक समय ऐसा भी आया कि रोजाना खेल की प्रैक्टिस के साथ पेट की भूख मिटाने के लिए मजदूरी करनी पड़ी। वेटर चल पानी ला... रामबाबू को कभी यह भी सुनने को मिला, लेकिन इनकी मां ने इन्हें हमेशा सपोर्ट किया और हमेशा लक्ष्य पर फोकस करने को कहा। इतना ही नहीं राम बाबू को कभी मनरेगा मजदूर भी

बनना पड़ा, लेकिन उन्होंने सफलता पाने के लिए अपनी गरीबी को कभी हावी नहीं होने दिया। दिहाड़ी मजदूर पिता के बेटे रामबाबू ने एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीतकर भारत का मान सम्मान को बढ़ाया है। न्यूज़ 24 से खास बातचीत में सेना के हवलदार रिक्रूटर रामबाबू ने बताया कि संघर्ष के आगे मैंने कभी नतमस्तक होना नहीं सीखा। हमेशा सच्चाई और कड़ी लग्न से सभी बाधाओं को तोड़ा। 2014 में मुझे एहसास हुआ कि मैराथन में हेल्दी खाने का जुगाड़ करना आसान नहीं है क्योंकि पौष्टिक आहार के लिए पैसे की जरूरत होती है और इतना पैसा इनके पास नहीं था। पैसे का जुगाड़ करने के लिए रामबाबू ने बनारस में वेटर का काम किया। एथलीट में बेटे का जुनून देख मां-बाप मेहनत मजदूरी कर पैसे भेजा करते थे। उस समय दो वक्त की रोटी जुटाना भी मुश्किल था। होटल में वेटर का काम करने से राम बाबू की ट्रेनिंग प्रभावित हो रही थी। इसके बाद राम बाबू ने कई नौकरियां बदलीं, लेकिन कहते हैं, अगर आप मेहनत करोगे तो कामयाबी भी आपके आगे नतमस्तक होने पर मजबूर हो जाएगी। इसका परिणाम यह हुआ कि नॉर्दर्न कोल फील्ड लिमिटेड ने एथलेटिक्स कैंप के लिए रामबाबू को चुन लिया। फिर इन्हें कोच ने मैराथन दौड़ को बदलने और रेस वॉक करने की ट्रेनिंग देना शुरू कर दिया।

हालांकि यह सब आसान नहीं था, रेस वॉक राम बाबू के लिए कठिन थी। राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के बाद राम बाबू का चयन विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए हुआ।

शुभमन गिल अहमदाबाद पहुंचे; 14 अक्टूबर को भारत-पाक मैच के दिन अहमदाबाद नो ड्रोन जोन घोषित

अहमदाबाद, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के ओपनर शुभमन गिल अहमदाबाद पहुंच गए हैं। टीम इंडिया के अन्य खिलाड़ी आज दोपहर में अहमदाबाद पहुंचेंगे। दरअसल शुभमन गिल डेंगू से पीड़ित थे। इसलिए शुरुआती दो मैचों में वह टीम का हिस्सा नहीं रहे। वह पहले मैच के बाद चेन्नई में ही रुक गए थे। भारत ने चेन्नई में 8 अक्टूबर को अपना पहला मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। टीम इंडिया का दूसरा मुकाबला 11 अक्टूबर को दिल्ली में अफगानिस्तान के

खिलाफ था। गिल टीम के साथ दूसरे मुकाबले के लिए दिल्ली नहीं गए थे। वह चेन्नई के अस्पताल में एडमिट भी रहे। स्पोर्ट्स वेबसाइट क्रिकबज के अनुसार गिल अहमदाबाद पहुंच गए, लेकिन उनके भारत-पाकिस्तान मैच में खेलने को लेकर किसी तरह की जानकारी सामने नहीं आई है। अगर गिल फिट हुए तो उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह मिल सकती है।

गुजरात पुलिस ने सुरक्षा को देखते हुए 14 अक्टूबर को अहमदाबाद शहर को नो ड्रोन घोषित किया है। अहमदाबाद के पुलिस कमिश्नर ने ऑर्डर जारी कर 14 अक्टूबर को अहमदाबाद को नो ड्रोन जोन घोषित किया है। इसके तहत ड्रोन, क्वाडकॉप्टर, संचालित विमान, माइक्रोलाइट विमान, हैंग ग्लाइडर, पैराग्लाइडर, पैरामोटर्स, गर्म हवा के गुब्बारे और पैराशूटिंग के संचालन पर बैन होगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.